जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 27 जुलाई, 2022

MARUTI SUZUKI

NEXA

A NEW AGE OF
BOLD TECH BEGINS.

CREATE. INSPIRE.

THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD

Scan the QR code
to know how
tech goes bold.

360 View Camera

Head Up Display

22.86cm SmartPlay Pro+

6 Airbags

In-built Suzuki Connect

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

Feature and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

JAIPUR: **NEXA MANSAROVAR** (AURIC MOTORS PH: 8929207442), **NEXA VKIA SIKAR ROAD** (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **NEXA TONK ROAD** (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **NEXA AJMER ROAD** (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **AJMER:** **NEXA MAKHUPURA** (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **ALWAR:** **NEXA MANHAR VILLA** (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI:** **NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA:** **NEXA SUKHADIA CIRCLE** (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER:** **NEXA JAIPUR ROAD** (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU:** **NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR:** **NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI:** **NEXA PALI SUMERPUR ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA:** **NEXA AERODROME CIRCLE** (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR:** **NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUR:** **NEXA BIKANER ROAD NAGAUR** (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR:** **NEXA BHARATPUR CENTRAL** (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR:** **NEXA SIKAR JAIPUR ROAD** (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR:** **NEXA GANGANAGAR NORTH** (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR:** **NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **DAUSA:** **NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA** (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), **CHITTORGARH:** **NEXA CHITTORGARH CENTRAL** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

*T&C apply. Offers may vary across variants. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time. Smart Finance available only in select cities.

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

विचार बिन्दु

जब पैसा बोलता है तब सत्य मौन रहता है। –कहावत

राज किसका– कानून का या माफिया का?

गत दिनों हरियाणा के नूंह जिले में पुलिस उप अधीक्षक जब अवैध खनन रोकने के लिए गए तो उन्हें डंपर के नीचे कुचल दिया गया। गुजरात और झारखंड में भी इसी प्रकार अवैध खनन पर कार्यवाही करने गए पुलिस अधिकारियों की हत्या कर दी गई। इन नृशंस घटनाओं के बाद, अवैध खनन का विषय एक बार पुनः देश में चर्चा में है।

राजस्थान की अरावली पहाड़ियां और यहां की नदियाँ भी उन प्रमुख स्थानों में सम्मिलित हैं जो अवैध खनन के केंद्र रहे हैं। सर्व विदित है कि अवैध खनन जिस पैमाने पर हो रहा है, वह किसी व्यक्ति के स्तर पर सम्भव नहीं है, अपितु यह एक संगठित गिरोह है जो अरावली की पहाड़ियों को काट रहा है एवं नदियों के तट से बजरी निकाल कर पर्यावरण को खतरा पहुंचा रहा है। यह गिरोह एक माफिया की तरह काम करता है एवं इससे अकूत काला धन सृजित होता है। उच्चतम न्यायालय के कई आदेश भी अब तक अवैध खनन को रोकने में सफल नहीं हो पाए हैं।

सामान्यतया, खनिज विभाग और पुलिस अधिकारियों की खनन माफिया से मिलीभगत के कारण यह कार्य निर्बाध रूप से चलता रहता है। दिखाने के लिए कभी–कभार कुछ प्रकरणों में कार्यवाही कर जुर्माना लगा दिया जाता है। जिस प्रकार की बड़ी धनराशि अवैध खनन से उत्पन्न होती है वह राज्य के विभिन्न स्तरों तक पहुंचती हो, इसमें किसी प्रकार का कोई संदेह नहीं है। इस बंदरबांट में नेतागण, पुलिस विभाग और खनन विभाग के अधिकारी सम्मिलित हैं। किसी समय माना जाता था कि खनन माफिया समानांतर सरकार की तरह है किन्तु अब तो ऐसा लगता है ये समानांतर नहीं अपितु असली सरकार ही है। सारे कानून, नियम तक बनाने में इनका प्रभाव काम करता है। नियम इस तरह के बनाए जाते है कि माफिया के काम में कोई बाधा उत्पन्न न हो।

माफिया केवल खनन के क्षेत्र में ही नहीं है। अन्य क्षेत्रों में भी गत कुछ सालों में माफिया पनपा है जैसे भू–माफिया, परिवहन माफिया, शराब माफिया और कोचिंग माफिया। आइए देखें, ये कैसे काम करते हैं और राज्य की नीति निर्माण प्रक्रिया पर इनका कितना प्रभाव है।

परिवहन माफिया का अर्थ है, बिना अधिकृत परमिट के यात्री एवं माल परिवहन का कार्य करना। राज्य सरकार के परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों को लाने, ले जाने के लिए विभिन्न प्रकार के परमिट जारी किए जाते हैं। इनका कार्य क्षेत्र कभी एक राज्य, कुछ राज्यों के समूह अथवा अखिल भारतीय स्तर का होता है। जितने भी वीडियो कोच राजस्थान में चल रहे हैं, उन सब के लिए परमिट केवल पर्यटन वाहन के रूप में एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए जारी किया जाता है। ये अवैध रूप से, एक स्थान से गंतव्य तक जाने के बीच में जो शहर होते हैं उनके भी यात्रियों को बिठाकर उनसे पैसा वसूल करते रहे हैं। जितने ट्रिप के लिए परमिट जारी किए जाते हैं, उनसे कहीं अधिक यह वीडियो कोच कर लेते हैं। इस प्रकार राज्य सरकार को राजस्व का चूना लगाते हैं। विभिन्न प्रकार की प्रतिबंधित वस्तुओं के परिवहन के लिए भी वीडियो कोच को सुरक्षित साधन माना जाता है। यात्री वाहनों के नाम परमिट जारी करा कर उनमें माल परिवहन का कार्य भी धड़ल्ले से किया जाता है। विभिन्न प्रकार का व्यावसायिक परिवहन, निजी वाहन रजिस्ट्रेशन के आधार पर भी हो रहा है।

जीएसटी की चोरी और अवैध परिवहन का चोली दामन का साथ है। यदि अवैध माल परिवहन पर कार्रवाई की जाएगी तो स्वतः जीएसटी की चोरी भी पकड़ में आ जाएगी। सामान्यतया निजी बसों को परमिट उन्हीं मार्गों के लिए दिये जाते हैं जो छोटे शहरों, गावों को जोड़ते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर राजस्थान रोडवेज की बसें चलाई जाती हैं। होता यह है कि परमिट तो अपेक्षाकृत छोटे स्थानों को जोड़ने के नाम से लिया जाता है किंतु वास्तव में उन पर न चलकर मुख्य मार्गों पर ही निजी बसें चलती हैं। इससे जहां दूरस्थ छोटे शहर और गांव बस सेवा से वंचित रहते हैं, वहीं रोडवेज को राजस्व की हानि होती है।

> **गत कुछ वर्षों से कोचिंग माफिया बहुत तेजी से पनपा है। ऐसा लगता है जैसे नौकरी या शिक्षण संस्थानों में प्रवेश कोचिंग किए बिना सम्भव ही नहीं है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक कराने और सामूहिक नकल कराने में कोचिंग माफिया की बड़ी भूमिका है।**

अवैध बस संचालकों का कितना दबदबा है, यह इसी से स्पष्ट है कि अधिकांश वीडियो कोच रोडवेज के बस स्टैंड के आसपास से चलते हैं। कई जगह ये मुख्य मार्गों को अवरुद्ध कर देते हैं। ऐसे दृश्य प्रतिदिन पुलिस एवं प्रशासन की नाक के नीचे दिखाई देते हैं, किंतु माफिया यथावत जारी है। इसी प्रकार निजी जीप में प्रतिदिन जयपुर के आसपास के मार्गों पर यात्रियों को ठूंस कर ले जाते हुए देखा जा सकता है। अधिक संख्या में यात्रियों को बिठाने और तीव्र गति से चलने के कारण जयपुर के आसपास के मुख्य मार्गों पर दुर्घटनाएं भी बहुत अधिक हुई हैं। कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इस प्रकार की यात्रा करने वाले शिक्षक शिक्षिकाएं अधिक होते हैं जिनकी पोस्टिंग 50–100 कि मी की दूरी पर होती है।

शराब माफिया तो सबसे पुराने माफियाओं में से एक है। शराब की दुकानें खोलने के लिए समय निर्धारित है और विद्यालय तथा धार्मिक स्थलों के आसपास इन्हें नहीं खोला जा सकता है। इसके बावजूद शहरों में अनेक स्थानों पर विद्यालयों अथवा धार्मिक स्थलों के पास शराब की दुकानों को देखा जा सकता है। इसी प्रकार शराब की दुकान खुलने का समय नियत है किंतु देर रात तक उन्हें खोलकर वहां से आपूर्ति होते हुए हम प्रतिदिन देखते हैं। शायद आबकारी विभाग को अथवा पुलिस को यह नहीं दिखाई देता। सरकारी विभाग सामान्यतया कार्रवाई करने के लिए पैसे लेते हैं किंतु यहां, कोई कार्यवाही न करने के लिए बड़ी रकम वसूल की जाती है। शराब की दुकानों की नीलामी का सिस्टम बदल गया हो किंतु उससे शराब माफिया के प्रभाव में किसी प्रकार की कमी नहीं आई है। इनके द्वारा राजनीतिक दलों को मोटी रकम उपलब्ध कराई जाती रही है और इसी सहायता के बदले में माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लगातार होता रहता है। इसके कारण समाज में अराजकता ही क्यों ना फैले, किसी को कोई चिंता नहीं है।

माफियाओं की श्रेणी में अगला नंबर भू–माफिया का है। विभिन्न स्थानों पर राजकीय भूमि पर कब्जा करना इसका प्रमुख कार्य है। जिस भूमि पर कोई मालिकाना हक नहीं जता रहा हो, उस भूमि को अपने गुंडों के माध्यम से कब्जा कर लेना तथा उसे अवैध तरीके से बेच देना माफियाओं का काम रहा है। प्रतिबंधित स्थानों पर भूमि का क्रय–विक्रय करना माफियाओं की गतिविधियों में प्रमुख स्थान रखता है। जिन भूमियों के बारे में नगर परिषदों, नगर विकास न्यास, नगर विकास प्राधिकरणों, नगर निगम तक को पता नहीं होता है, उनकी जानकारी भू माफियाओं के 'कार्यकर्ता' अपने पास रखते हैं और ये लोग राजकीय भूमि को बेच कर करोड़ों रुपए अपने लिए बना लेते हैं। इस अवैध धन राशि में बड़ा हिस्सा नेताओं को भी संरक्षण प्रदान करने हेतु मिलना स्वाभाविक है। भू माफिया का बड़ा काम कृषि भूमि पर अवैध रूप से कॉलोनियां बसाना है। नदी नालों तक की भूमि को इन्होंने नहीं छोड़ा। रामगढ बाँध क्षेत्र में माफियाओं द्वारा अवैध निर्माण कार्यों से रामगढ़ बाँध ही सूख गया और जयपुर को पेय जल के मुख्य स्त्रोत से ही वंचित होना पड़ा।

जिस भूमि को अवाप्त करने की कार्यवाही चल रही हो, उसी को बेच दिया जाता है और एक बार जब कॉलोनी बस जाती है उसके बाद यह माफिया दूर हो जाते हैं। कभी कोई कार्यवाही उनके अतिक्रमण हटाने की होती भी है तो उसका खामियाजा उन गरीब लोगों को भुगतना पड़ता है जिन्होंने इनमें प्लॉट खरीदे हों। अधिकांश कच्ची बस्तियां किसी न किसी राजनीतिज्ञ के संरक्षण में पनपती हैं। एक तरह से ये नेता गण, संरक्षण राशि नियमित रूप से वसूल करते हैं और उनका काम होता है अतिक्रमण को हटाने से बचाना। इससे जहां नगर नियोजन कहीं धरा रह जाता है, वही पूरी प्रक्रिया में माफियाओं के सरगना करोड़ों के वारे–न्यारे कर लेते हैं।

गत कुछ वर्षों से कोचिंग माफिया बहुत तेजी से पनपा है। ऐसा लगता है जैसे नौकरी या शिक्षण संस्थानों में प्रवेश कोचिंग किए बिना सम्भव ही नहीं है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक कराने और सामूहिक नकल कराने में कोचिंग माफिया की बड़ी भूमिका है। किसी भी मेडिकल, इंजीनियरिंग या लॉ कॉलेज में प्रवेश के लिए बोर्ड परीक्षा के अंकों का कोई महत्व नहीं है। जब भी बारहवीं के अंकों को महत्व देने की बात उठती भी है तो वह कोचिंग माफिया के अत्यधिक दबाव के कारण आगे नहीं बढ़ पाती है। इसके कारण विद्यालय तो एक प्रकार से महत्वहीन हो गए हैं। यह स्थिति बच्चों के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से कतई अच्छी नहीं है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि विभिन्न प्रकार के माफियाओं का प्रभाव निरंतर बढ़ता ही जा रहा है और कानून का राज लगभग समाप्त ही होता जा रहा है। इस स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण नहीं किया गया तो सच्चे, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों को पता नहीं कितनी और कीमत चुकानी पड़ेगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

अदालतों में मुकदमों के अंबार को कम करने पर हो मंथन

लाख प्रयासों के बावजूद देश की अदालतों में मुकदमों का अंबार कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश की अदालतों में सात करोड़ से अधिक मुकदमें लंबित है। इनमें से करीब 87 फीसदी मुकदमे देश की निचली अदालतों में लंबित है तो करीब 12 फीसदी मुकदमें राज्यों के उच्च न्यायालयों में लंबित चल रहे हैं। देश की सर्वोच्च अदालत में एक प्रतिशत मुकदमें लंबित है। पिछले दिनों जयपुर में आयोजित एक समारोह के दौरान न्यायालयीय प्रक्रिया और सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी करने वाले वकीलों की फीस को लेकार अच्छी खासी चर्चा हुई जो मीडिया की शुर्खियां भी बनी। वहीं अगस्त में कार्य भार संभालने वाले नए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति यूयू ललित द्वारा अदालत में सुबह साढ़े नौ बजे सुनवाई आरंभ करने की पहल पर भी वाद–विवाद का दौर जारी है। उधर सरकार ने मानसून सत्र में कुछ बदलावों के साथ मध्यस्थता विधेयक लाने का संकेत दिया है ।

सवाल यह है कि मुकदमों के इस अंबार को कम करने के लिए कोई ऐसी रणनीति बनानी होगी जिससे अदालतों का भार भी कम हो न्यायिक प्रक्रिया लंबी भी ना चले, लोगों को समय पर न्याय भी मिलें। पिछले पांच साल में ही देश में लंबित मुकदमों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर आज सात करोड़ हो चुकी है। हांलाकि लोक अदालत के माध्यम से मुकदमों में कमी लाने की सार्थक पहल अवश्य की गई है पर लोक अदालतों में लाखों प्रकरणों के निबटने के बावजूद हालात में ज्यादा बदलाव नहीं आया है।

दरअसल लाखों की संख्या में इस तरह के मुकदमे हैं जिन्हें निपटाने के लिए कोई सर्वमान्य समाधान खोजा जा सकता है। मुकदमों की प्रकृति के अनुसार उन्हें विभाजित किया जाए और फिर समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर उन्हें निपटाने की कार्ययोजना बने तो समाधान कुछ हद तक संभव है। यातायात नियमों को तोड़ने वाले मुकदमों की ऑनलाइन निपटान की कोई व्यवस्था हो जाए तो अधिक कारगर हो सकती है। इसी तरह से चैक बाउंस होने के लाखों की संख्या में मुकदमे हैं जिन्हें एक या दो सुनवाई में ही निस्तारित किया जा सकता है। मामूली कहासुनी के मुकदमे जिसमें शांति भंग के प्रकरण शामिल है उन्हें भी तारीख दर तारीख के स्थान पर एक ही तारीख में निपटा दिया जाए तो हल संभव है। इसी तरह से राजनीतिक प्रदर्शनों को लेकर दर्ज होने वाले मुकदमों के निस्तारण की भी कोई कार्ययोजना बन जाए तो उचित हो।

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश में सबसे ज्यादा मुकदमे रेवेन्यू से जुड़े हुए हैं । गांवों में जमीन के बंटवारे या सीमा निर्धारण को लेकर देश की निचली अदालतों में अंबार लगा हुआ है। इस तरह के मुकदमों के निपटारें में ग्राम पंचायत की कहीं कोई भूमिका तय हो तो शायद कोई स्थाई समाधान संभव हो सकता है। पंच परमेश्वर की अवधारणा कहीं इस तरह के मुकदमों के निपटारें में अधिक सहायक हो सकती है। स्थानीय स्तर पर समझाईस से इस तरह के मुकदमों पर शीघ्र निर्णय की एक संभावना बनती है। हो यह रहा है कि रेवेन्यू के मुकदमें अपील दर अपील पीढ़ी दर पीढ़ी चलते रहते हैं और मामूली सा सीमा विवाद लंबी कानूनी प्रक्रिया में उलझ कर रह जाता है। मीडिया ट्रॉयल पर भी अंकुश की आवश्यकता है क्योंकि इससे कुछ हद तक निर्णय प्रभावित होने की संभावना बनती है।

हांलाकि इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे देश की अदालतों में ब्रिटेन आदि की अदालतों से कई गुणा अधिक मुकदमों की सुनवाई एक दिन में होती है। केन्द्रीय कानून मंत्री किरेन रिजूजू की माने तो इंग्लैण्ड में एक न्यायाधीश एक दिन में तीन से चार मामलों में निर्णय देते हैं जबकि हमारे देश में प्रत्येक न्यायाधीश औसतन प्रतिदिन 40 से 50 मामलों में सुनवाई करते हैं। यह इस ओर भी इंगित करता है कि हमारे देश में न्यायाधीशों के पास कार्यभार अधिक है।

पिछले कुछ समय से जिस तरह से पीएलआई को लेकर माननीय न्यायमूर्तियों द्वारा प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है और जुर्माना भी लगाया जा रहा है इसके भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगे है। इसी तरह से कोर्ट में केस दायर होने पर गवाह या याचिकाकर्ता के होस्टाइल होने को भी जिस तरह से अदालतों द्वारा गंभीरता से लिया जाने लगा है उसके भी परिणाम आने वाले समय में और ज्यादा सकारात्मक होंगे। न्यायालयों की मध्यस्थता के लिए भेजे जाने वाले मामलों में वादी–प्रतिवादी द्वारा गंभीरता नहीं दिखाने से भी हालात अधिक सुधरे नहीं है। दरअसल मध्यस्थता से होने वाले निर्णय की पालना को लेकर अभी भी लोग संदेह में ही रहते हैं कि पालना होगी भी या नहीं। या फिर पालना के लिए वापिस अदालतों के चक्कर लगाने होंगे। हांलाकि केन्द्र सरकार अब मध्यस्थता कानून में इसी मानसून सत्र में आवश्यक संसोधित प्रावधानों के साथ पारित कराने के लिए गंभीर लगती है।देखा जाए तो अदालतों की सामान्य प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास है। चारों तरफ से निराश और हताश व्यक्ति न्याय के लिए न्याय का दरवाजा खटखटाता है। ऐसे में गैरसरकारी संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि वे लोगों में अवेयरनेस लाएं और अदालत से बाहर निपटने वाले मामलों को बाहर ही निपटा लें। इसके लिए पूर्व न्यायाधीशों, पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों, वरिष्ठ वकीलों व गैरसरकारी संगठनों या सामाजिक कार्यकर्ताओं की टीम बनाई जा सकती है जो इस तरह के मामलों को समझाईश से सुलझा सके। जिससे न्यायालयों का समय भी बचे और वादी प्रतिवादी का धन और समय बचने के साथ ही सौहार्द भी बना रह सके।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

निर्मम निरोध

पति–पत्नि दोनों उच्च शिक्षा प्राप्त। दोनों मध्यवर्गीय सामान्य लेकिन संभ्रात परिवारों से। दोनों को कैम्पस सलेक्शन से ही अच्छी नौकरी मिल गई। अच्छा पे पेकेज। दोनों महत्वाकांक्षी, केरियर कॉंशस। प्रतिस्पर्धा के लिए जागरूक, जुझारू। पति–पत्नि के बीच अच्छा तालमेल, अच्छी समझ और अच्छे सम्बंध। परिवार नियोजन के प्रति सावचेत। बच्चा तभी जब चाहें। पिछले पांच साल से निरोध का नियमित, बेनागा प्रयोग। महिला तीस वर्ष की हुई तो सोचा, अब 'चांस' लिया जाय।

महिला गर्भवती हुई। शहर की नामी स्त्री रोग विशेषज्ञ को दिखाया। परीक्षण हुए, सब सामान्य। प्रसव पूर्व नियमित चैक अप। सात महिने तक सब सामान्य चला। महिला और विशेषज्ञ दोनों आश्वस्त। महिला ने इन्टरनेट पर और किताबें खरीद कर गर्भ और प्रसव के बारे में काफी कुछ पढ़ लिया था। आवश्यक प्रबन्ध भी कर लिए थे। आशा, आशंका भरे दिन। तभी महिला को सिर दर्द रहने लगा। पेट के ऊपरी भाग में तेज दर्द भी। दिखाया। रक्तचाप बढ़ा हुआ था। मूत्र परीक्षण पर प्रोटीन्यूरिया पाया गया। टखने, पानी जमा होने से फूल गये थे। डॉक्टर ने बताया, उसे प्री–एक्लेम्पसिया हो गया है। सब तो सामान्य चल रहा था, यह हठात क्या हो गया? क्यों हो गया? वह तो सर्वथा डॉक्टर के निर्देशों के अनुरूप ही चल रही थी, फिर यह क्यों हो गया?

डॉक्टर ने बताया, यह 10 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं में हो जाता है बढ़े हुए रक्तचाप पर नियंत्रण से आशा है सब सामान्य हो जायगा। जब महिला ने जानना चाहा कि यह क्यों हो जाता है तो डॉक्टर ने बताया कि जिन महिलाओं का प्रतिरक्षा संस्थान गर्भस्थ शिशु के पितृ (पिता से आये) जीन्स के प्रति सर्वथा संवेदनशील नहीं हो पाता, उनमें ऐसा होता है। मां का रक्षा संस्थान शिशु के पितृ जीन्स के प्रति असंवेदनशील प्रतिक्रिया व्यक्त करता है। महिला ने जब यह जानना चाहा कि इससे क्या खतरे हो सकते हैं तो विशेषज्ञ ने सावचेत करने और समझाने के लिए बताया कि इससे शिशु के विकास में बाधा पड़ सकती है, शिशु का मस्तिष्क विकास प्रभावित हो सकता है, समय पूर्व प्रसव (प्रीमेच्योर बर्थ) होने की संभावना रहती है। साथ ही यह भी बताया कि शिशु के विषम जीन तत्वों की प्रतिक्रिया में माँ की रक्तवाहिनियां क्षतिग्रस्त होने की संभावना होती है, जिससे मां के गुर्दे और लिवर क्षतिग्रस्त होते हैं। उन्होने यह भी बताया कि अधिकांश महिलाओं में प्री–एक्लेम्पसिया के रक्तचाप पर काबू कर सफल प्रसव संभव होता है। लेकिन कुछ में माँ का रक्षा संस्थान बेकाबू और उग्र हो जाता है। लिवर की गंभीर क्षति से घातक

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

स्थिति बन जाती है या प्री–एक्लेम्पसिया पूर्ण–एक्लेम्पसिया का रूप ले लेता है, जिसमें घातक ताण आते हैं और इन सब का प्रमुख कारण होता है मां का असहिष्णु रक्षा संस्थान। ऐसे में पहले प्रसव करा कर गर्भ समापन करना होता है।

माँ का रक्षा संस्थान? शिशु का रक्षा संस्थान? शिशु में पितृ जीन्स? पितृ जीन्स के प्रति माता की प्रतिक्रिया? रक्षा संस्थान की संवेदशीलता, असंवेदनशीलता और उग्र प्रक्रिया? महिला को कुछ समझ में नहीं आया। माँ और गर्भस्थ शिशु के बीच यह कैसा संघर्ष? महिला चिन्तातुर हो गई। मन शंका से भर गया। विश्वास डोल गया। नियमित रूप से दिखा रही थी। टेस्ट करवाये, तीन बार सोनोग्राफी कराई। फिर क्यों? क्या यह सब पैसे के लालच में दिखावा मात्र था? ठीक से देखा नहीं? इतनी वरिष्ठ डॉक्टर हैं अगर ठीक से देखा होता तो क्या पता नहीं लगता? कहीं अपनी गलती छुपाने के लिए तो यह न समझ में आने वाली गूढ बातें नहीं कर रही? निश्चय किया, वह इस बारे में पूरी जानकारी लेगी, इसकी तह तक जायेगी।

घर आकर प्री–एक्लेम्पसिया के बारे में विस्तार से पढ़ा।

शारीरिक स्वायत्तता (ऑटोनोमी) की रक्षा करना, अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए आवश्यक है। इसकी सुरक्षा के लिए स्वतः विकसित रक्षा संस्थान जीन (आनुवांशिक गुण सूत्र) आधारित होता है। यह रक्षा संस्थान स्वायत्तता के लिए शरीर की जीन संरचना को पहचानता है, उसे आत्मसात करता है। शरीर का रक्षा संस्थान इसे पहचानता है और इसकी रक्षा करने को प्रतिबद्ध, अपना प्रतिरक्षा संस्थान विकसित करता है। स्वयं की जीन संरचना से इतर अन्य कोई भी जीन संरचना के तत्व को प्रतिरक्षा संस्थान शरीर में प्रवेश नहीं करने देता। और अगर किसी तरह प्रवेश कर भी जाए तो उन्हें नष्ट कर बाहर फेंक देता है। इस प्रतिरक्षा प्रक्रिया को इम्यूनिटी कहते हैं।

अगर किसी के शरीर में उसके जीन से इतर जीन का प्रवेश करवाना हो तो पहले उसके प्रतिरक्षा संस्थान को मनाना

> ■ **नियमित निरोध युक्त समागम करने वाली महिलाओं में प्री-एक्लेम्पसिया अधिक होता है**

होता है, उसका शमन करना होता है, उसे प्रभावित कर अपने पक्ष में करना होता है। यह प्रकृति का शाश्वत नियम है। भ्रूण के आधे गुणसूत्र पिता से आते हैं। ये विषम गुणसूत्र माता के रक्षा संस्थान को सहज स्वीकार नहीं होते। आवश्यक है कि भ्रूण के आगमन से पहले माता के रक्षा संस्थान को इनके प्रति जागरूक, संवेदनशील और अनुकूल बनाया जाय।

अनुसंधान से उजागर हुआ है कि वीर्य में 93 ऐसे तत्व चिह्नित हुए हैं जो माँ के रक्षा संस्थान को पितृ जीन्स के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। योनि से अवशोषित हो कर ये तत्व इम्यून मोड्यूलेशन का कार्य करते हैं। एक ही पुरुष से दीर्घ कालिक समागम करने वाली महिलाओं में प्री–एक्लेम्पसिया बहुत कम होता है। यह भी पाया गया कि नियमित निरोध (कंडोम) युक्त समागम करने वाली महिलाओं में यह अधिक होता है। अनुसंधान से पाया गया है कि बच्चे के विषम जीन्स के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में बिना कंडोम के सामान्य समागम की महत्वपूर्ण भूमिका है। जैविक प्रयोग पर इसकी पुष्टि हुई है। जिन महिलाओं में बार–बार स्वतः गर्भपात या प्री–एक्लेम्पसिया होता है उन्हे 'टी जी एफ–बीटा' नामक वीर्य में चिह्नित इम्यून मोड्यूलेटर फेक्टर देने से लाभ होता है। जिन पुरुषों के वीर्य में इस फेक्टर की कमी होती है, उनसे गर्भ धारण करने वाली महिलाओं में गर्भ क्षरण व प्री–एक्लेम्पसिया अधिक होता है।

पढ़ने पर सब शंकायें निर्मूल निकलीं। वह व्यर्थ ही डॉक्टर पर शक कर रही थी। जान कर आश्चर्य हुआ कि निरोध के नियमित प्रयोग से ऐसा हो सकता है। प्रकृति के नियमों के विरुद्ध कुछ भी करने की कीमत चुकानी होती है। आधुनिक जीवन की प्रवृतियों और प्रकृति के बीच समन्वय आज की चुनौति है। प्रकृति के गूढ़ रहस्यों को जाने बिना ऐसा समन्वय बिठाना संभव नहीं।

स्त्रीत्व की चरमावस्था, चरमोत्कर्ष मातृत्व आधारित प्रजनन होता है। यह प्रकृति नियत है; सनातन, सार्वभौम, शाश्वत। मातृत्व में ही स्त्री की मुक्ति है। और बिना स्व को त्यागे मुक्ति नहीं मिलती। प्रकृति नियत मातृत्व में मुक्ति और समाज नियत मातृत्व से मुक्ति के बीच समन्वय ही आज की स्त्री का जीवन संकट है, त्रासदी भी।

–डॉ. श्रीगोपाल काबरा,
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

स्कूल के पोषाहार भंडारण में बड़ी मात्रा में मिले इल्ली और कीड़े

जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक मनोज कुमार ढाका ने पोषाहार में कीड़े मिलने पर संस्था प्रदान को लताड लगाई

> ■ **प्राथमिक विद्यालय लांबी जोहड़ी में अव्यवस्थाओं का आलम देख दंग रह गए डीईओ**
> ■ **लापरवाही पर जांच शुरू, पोषाहार प्रभारी शिक्षिका का एक दिन का वेतन काटा**
> ■ **कैशबुक पर भी मार्च के बाद से विद्यालय विकास प्रबंधन समिति अध्यक्ष के हस्ताक्षर नहीं मिले**

झुंझुनूं, (निसं)। नवलगढ़ ब्लॉक के गांव बुगाला के राजकीय प्राथमिक विद्यालय लांबी जोहड़ी में मंगलवार को जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक मनोज कुमार ढाका के पोषाहार निरीक्षण के दौरान भंडारण देखा तो दंग रह गए। चावलों में बड़ी मात्रा में मिली इल्लियां और कीड़ों को देख डीईओ मनोज कुमार ढाका ने झल्लाते हुए संस्था प्रधान और पोषाहार प्रभारी को जमकर लताड़ लगाई। यहां तक की कैशबुक पर भी मार्च के बाद से विद्यालय विकास प्रबंधन समिति अध्यक्ष के हस्ताक्षर नहीं मिले।

जिस पर डीईओ ने एक्शन लेते हुए प्रधानाध्यापक चंदगीराम और पोषाहार प्रभारी शिक्षिका के एक दिन के वेतन कटौती के साथ कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किए। डीईओ मनोज कुमार ढाका ने बताया कि मिड–डे–मील आयुक्त, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक बीकानेर और जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार लांबी जोहड़ी स्कूल स्कूल का औचक निरीक्षण किया। जिसमें शाला दर्पण पोर्टल रिकॉर्ड, बंद पड़े एबीएल कीट को खोलने, गरिमा पेटी लगाने की भी नसीहत दी। इधर इस मामले की जांच हेतु डीईओ ने बुगाला पीईईओ को सात दिवस के भीतर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

पोषाहार में साफ–सफाई के निर्देश दिए: –इसके अलावा जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक मनोज कुमार ढाका ने बुगाला के सिरस जोहड़ के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय का भी औचक निरीक्षण किया। जिसमें पंचायत समिति सदस्य ओमप्रकाश बुगालिया समेत अन्य ग्रामीणों से वार्ता कर नामांकन बढ़ाने के रूप में प्रेरित किया। तथा स्टाफ को पोषाहार संबंधी साफ–सफाई के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। और बीएड प्रशिक्षणार्थियों से अध्यापन कार्य करवाने की बजाए उन्हें सीखाने की बात कहीं। डीईओ ढाका ने बताया कि पोषाहार संबंधी लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक उम्मेदसिंह महला भी साथ में मौजूद रहे।

मामले में झुंझुनूं डीईओ एलिमेंट्री मनोज कुमार ढाका ने बताया कि लांबी जोहड़ी स्कूल में निरीक्षण के दौरान पोषाहार संबंधी लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। पोषाहार में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

वहीं झुंझुनूं एडीईओ एलिमेंट्री उम्मेदसिंह महला ने कहा कि सभी स्कूल स्टाफ पोषाहार की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। अन्यथा संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 27 जुलाई, 2022

सावन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, पुनर्वसु नक्षत्र गुरूवार प्रातः 7:05 तक, हर्षण योग सांय 5:06 तक, विष्टि करण प्रातः 8:00 तक, चन्द्रमा रात्रि 12:22 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–मेष, बुध–कर्क, गुरू–मीन, शुक्र–मिथुन, शनि–मकर, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज भद्रा प्रातः 8:00 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:53 से 12:33 तक, चर 3:54 से 5:34 तक, लाभ 5:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 7:14

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों से आवश्यक सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि का भय बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है।

वृश्चिक

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। शुभ कार्यों को टालना पड़ सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक प्रयासों में सार्थक/उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। धन प्राप्त हो सकता है।

मीन

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 352 प्रभात जयपुर, बुधवार 27 जुलाई, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Chilling with Chillies

Rule of thumb says: 'Small guy-Heat and Sweat, Fat boy-A sweeter bet'; so avoid grilling the tiny ones because they will have their revenge, that very day or next.

Baby Behaviour

Earth's Magnetic Field | Viltal magnetic flux harbours life support system.

वनसिला, जिसे लिटिल स्पॉटेड कैट या लिटिल टाइगर कैट भी कहते हैं, दक्षिण अमेरिका में मिलने वाली जंगली बिल्लियों में सबसे छोटी बिल्ली है। मोटे व नर्म फर वाली यह बिल्ली भूरे या गहरे गेरुए रंग की होती है। एकान्तवासी रात्रिचर वनसिला पेड़ पर चढ़ने में माहिर होती हैं और घने जंगल में रहना पसंद करती हैं। छिपकली, पक्षी और चूहे इनका प्रिय भोजन हैं। ये शिकार को दूर से ही देख लेती हैं और पीछा करती हैं तथा रेंज में आते ही झपट लेती हैं। वैज्ञानिकों ने अभी तक इकोसिस्टम में वनसिला की भूमिका का अध्ययन नहीं किया है, पर, ऐसा माना जाता है कि चूहों की आबादी को नियंत्रित करने में इनकी अहम् भूमिका है। इस प्रजाति के प्रजननकाल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, बस इतना पता है कि 74-76 दिन की गर्भावस्था के बाद मादा 1 से 3 बच्चों को जन्म देती है। ये बिल्लियाँ मूलतः दक्षिण अमेरिका और मध्य ब्राज़ील के उष्ण कटिबंधीय वनों में मिलती हैं। हल्के पीले से गहरे भूरे रंग की इन बिल्लियों के शरीर पर फूल के गुच्छे जैसे निशान होते हैं इसलिए इन्हें लिटिल स्पॉटेड कैट कहते हैं। यह तो पता नहीं है कि इनकी खोज कब हुई थी पर वर्ष 2013 में कुछ वैज्ञानिकों ने दलील दी थी कि वॅनसिला के दो पृथक समूह हैं। तीखे दांत वाली इन बिल्लियों की सुनने की क्षमता बहुत तेज होती है जिससे शिकार करना इनके लिए आसान हो जाता है। आई.यू.सी.एन. की रैडलिस्ट में इनकी आबादी "वल्नरेबल वर्ग" में है। प्राकृतिक आवास के विनाश और शिकार से इन्हें भारी खतरा है। इनकी आबादी तेजी से कम हो रही है और आई.यू.सी.एन. के अनुसार विश्व में इनकी आबादी 8,932 से 10,208 के बीच है। ये बिल्लियां उष्ण कटिबंधीय वनों के साथ-साथ वर्षा वनों में भी फलती-फूलती हैं। कोस्टारीका में ये समुद्र स्तर से 1500-3000 मीटर ऊपर मिलती हैं। जंगल में ये 10-14 साल जीती हैं और सही माहौल मिले तो 16 से 20 साल भी जी सकती हैं। लेकिन कैप्टिविटी में वनसिला शावकों की मृत्यु दर काफी अधिक है।

मंगलवार संसद के अंदर व बाहर विपक्ष के लिये भारी "एक्शन" का दिन रहा

सोनिया गांधी से छः घंटे पूछताछ की ई.डी. नेः राहुल गांधी को हिरासत में लेकर किंग्स-वे-कैम्प पुलिस लाइन्स में रखा गया, जब वे अपनी मां से की जा रही पूछताछ के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। आज का दिन विपक्ष के लिए संसद के अंदर और बाहर, "एक्शन" का दिन था।

प्रवर्तन निदेशालय ने सोनिया गांधी से 6 घंटे तक पूछताछ की, राहुल गांधी अपनी माँ से की जा रही पूछताछ का विरोध करने पर, गिरफ्तार कर लिये गये तथा किंग्स वे कैम्प पुलिस लाइन्स की हवालात में रखे गये, लगभग सभी कांग्रेस सांसद तथा नेता गिरफ्तार कर लिये गये तथा वहां से ले जान के बाद, आज देर शाम तक छोड़े नहीं गये, किन्तु राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जो लो ब्लड प्रैशर से पीड़ित थे, न तो विरोध प्रदर्शन में शामिल हो सके और न उनकी गिरफ्तारी ही हुई क्योंकि उन्होंने ब्लड प्रैशर को बढ़ाने के लिये दवा ले ली थी।

वे ए.आई.सी.सी. मुख्यालय में मुकूल वासनिक के कक्ष में दो घंटे लेटे रहे। उन्हें आज अपरान्ह 4 बजे तक जयपुर लौटना था, लेकिन उन्होंने अपनी जयपुर यात्रा रद्द कर दी, क्योंकि सोनिया गांधी ई.डी. द्वारा की जा रही पूछताछ से मुक्त होकर तब तक लौटी नहीं थीं।

सोनिया को कल होने वाली पूछताछ के लिये सम्मन और दिया गया है। लेकिन सचिन पायलट इस विरोध-प्रदर्शन में सबसे आगे की पंक्ति में थे, वे गिरफ्तार हुए हिरासत में रखे गये।

इसी प्रकार के विरोध-प्रदर्शन, धरने तथा गिरफ्तारियाँ कल भी होने की संभावना है क्योंकि कल वे फिर से पूछताछ के लिए ई.डी. ऑफिस जायेंगी।

संसद में, 19 राज्यसभा सांसद इस सप्ताह के अंत तक के लिये निलंबित कर दिये गये क्योंकि वे सदन में विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे तथा महँगाई एवं जी.एस.टी. पर बहस कराने की माँग कर रहे थे।

आज कांग्रेस सांसद सदन में नहीं थे क्योंकि वे सोनिया गांधी की पूछताछ का विरोध करने में लगे हुये थे। कल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने 4 कांग्रेस सांसदों को संसद के मानसून सत्र की शेष अवधि के लिये निलम्बित कर दिया था।

राहुल गांधी भी एक असाधारण उदाहरण के अन्तर्गत आज उस समय गिरफ्तार कर लिये गये, जब वे सड़क पर धरने पर बैठ गये थे क्योंकि पुलिस ने उन्हें आगे जाने तथा विरोध-प्रदर्शन रखने की अनुमति नहीं दी थीं।

पुलिस ने सोनिया गांधी के निवास से लेकर प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय तक के सारे क्षेत्र को सील कर दिया था।

राजधानी में मंगलवार का सूरज जैसे-जैसे चढ़ता गया, सरकार के खिलाफ चल रहा ड्रामा तथा विपक्ष का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अशोक गहलोत इस "एक्शन" से भरपूर ड्रामा में भाग नहीं ले सके, क्योंकि "लो-ब्लड" प्रेशर की शिकायत के कारण ए.आई.सी.सी. में मुकुल वासनिक के कमरे में उन्हें लेटे रहना पड़ा।
- पर, सचिन पायलट इस धरने-प्रदर्शन में अग्रणी भूमिका में रहे तथा उन्होंने गिरफ्तारी दी तथा हिरासत में बंद रहे।
- ये धरना प्रदर्शन कल भी दोहराये जायेंगे, क्योंकि कल फिर सोनिया गांधी को पूछताछ के लिये बुलाया है।
- संसद में 19 राज्यसभा सदस्य निलंबित किये गये, सत्र की समाप्ति तक की अवधि के लिये। ये सांसद अधिकतर तृणमूल पार्टी व अन्य विपक्षी दलों के सदस्य हैं। कांग्रेस पार्टी के सांसद बाहर धरना प्रदर्शन में व्यस्त रहे।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में फिर वृद्धि

राज्य में मंगलवार को 232 नए संक्रमित मिले, इससे पहले सोमवार को 187 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 26 जुलाई। प्रदेश में मंगलवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या में फिर वृद्धि हुई है। इस दौरान राज्य में 232 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच केवल 147 मरीज ही ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर सत्रह सौ के पार हो गए हैं। उधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने करोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है।

- जोधपुर में सबसे ज्यादा 44 जबकि जयपुर में 42 नए संक्रमित मिले हैं।
- प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर सत्रह सौ के पार हो गए हैं।

प्रदेश में मंगलवार को 21 जिलों में 232 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को 187 रोगी पाए गए थे। इधर आज सबसे ज्यादा 44 नए संक्रमित जोधपुर जिले में मिले हैं। वहीं 42 मरीज जयपुर में पाए गए हैं। इसके अलावा बीकानेर में 20, जैसलमेर में 19, अलवर व जालोर में 15-15, भीलवाड़ा व चित्तौड़गढ़ में 12-12, दौसा में 8, उदयपुर में 7, राजसमंद में 6, नागौर व प्रतापगढ़ में 5-5, अजमेर, बाड़मेर व सीकर में 4-4, डूंगरपुर में 3, बारां, चूरू व टोंक में 2-2 और सवाई माधोपुर में 1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 12 जिलों बांसवाड़ा, भरतपुर, बूंदी, धौलपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली और सिरोही में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 11 जिलों में केवल 147 मरीज ही ठीक हुए हैं। रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 1717 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 390 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा जोधपुर में 322, बीकानेर में 121 और अजमेर में 100 लोगों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में मंगलवार को भी किसी संक्रमित की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9577 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी सबसे ज्यादा 10 नए संक्रमित सांगानेर इलाके में मिले हैं। इसके अलावा दुर्गापुरा में 6, सांभर लेक में 4, मालवीय नगर व वैशाली नगर में 3-3, बस्सी, जगतपुरा व सोड़ाला में 2-2 तथा बनीपार्क, गांधी नगर, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, एमआई रोड, मानसरोवर, राजापार्क, रामगंज और सिरसी में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 1 मरीजों का पता गलत मिलने पर उसे ट्रेस किया जा रहा है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में केवल 20 ही मरीज रिकवर हुए हैं।

इधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर कहा कि मानसून में संक्रामक रोगों में वृद्धि होती है। देशभर में कोविड संक्रमण के बढ़ते मामले भी इसका नतीजा है। करीब 6 महीने बाद कोविड की दैनिक संक्रमण दर 7 फीसदी के पार हो गई है। ऐसे में सभी को सावधान रहना है। उन्होंने लोगों से कोविड वैक्सीन की दोनों डोज तथा आवश्यकतानुसार प्रिकॉशन डोज लगवाने की अपील की।

6 घंटे पूछताछ

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष, 75 वर्षीय सोनिया गांधी आज नैशनल हैरल्ड से जुड़े मनी लॉन्डरिंग केस के सिलसिले में पूछताछ के दूसरे दौर के लिये एन्फोर्समेंट डॉयरेक्ट्रेट (ई.डी.) के समक्ष उपस्थित हुई। उनसे छः घंटे तक पूछताछ हुई तथा आगे की पूछताछ के लिये, उन्हें कल फिर बुलाया गया है।

सोनिया गांधी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट (पी.एम.एल.ए.) के प्रावधानों के तहत, इस केस में अपने-अपने बयानों की रिकॉर्डिंग के लिये, पूर्वान्ह 11 बजे के आसपास ई.डी. ऑफिस पहुँच गई थीं। उनके साथ ज़ैड प्लस के सशस्त्र सुरक्षाकर्मी के अलावा, उनके बच्चे राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी वाड्रा भी गये थे।

- ई.डी. ने मंगलवार को भी सोनिया गांधी से 6 घंटे तक पूछताछ की और बुधवार को फिर बुलाया है।

वे अपरान्ह 2 बजे के आसपास सैन्ट्रल दिल्ली स्थित एजेंसी के ऑफिस लंच के लिये चली गई थी तथा उन्हें 3.30 बजे पुनः वापस आना पड़ा।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा, "यह केस (हैरल्ड मनी लॉन्डरिंग) विपक्ष का मनोबल तोड़ने के लिये बनाया गया है। आप किन्हीं लोगों को इसीलिये तो भ्रष्ट नहीं कह सकते, क्योंकि वे आपको नापसंद हैं।"

राजघाट पर सत्याग्रह

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कांग्रेस ने महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर सत्याग्रह करने से केन्द्र के इन्कार का मंगलवार को विरोध किया। पार्टी नैशनल हैरल्ड केस में कथित फर्जी मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर अपनी अध्यक्ष सोनिया गांधी से इन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) की दूसरी पूछताछ के विरोध में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के तहत राजघाट पर सत्याग्रह करना चाहती थी।

- कांग्रेस को सरकार ने महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पर सत्याग्रह की अनुमति नहीं दी तो कांग्रेस ने सड़कों पर धरना-प्रदर्शन किया।

कांग्रेस महासचिव अजय माकन ने कहा कि यह वही राजघाट है जहां वर्तमान केन्द्रीय मंत्रियों सहित भाजपा नेताओं ने यू.पी.ए. सरकार के दौरान 5 जून 2011 को बाबा रामदेव के समर्थन में रात भर दिए गए एक धरने के बाद नृत्य किया था। वहां सत्याग्रह से इन्कार करना लोकतंत्र की हत्या है न्योंकि इससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आई.एम.एफ. का आकलन है, विश्व जी.डी.पी. में भारी गिरावट आयेगी

चीन व रूस में सबसे ज्यादा जी.डी.पी. में गिरावट आयेगीः भारत इस गिरावट से लगभग अछूता सा रहेगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। इन्टरनैशनल मॉनेटरी फंड (आई.एम.एफ.) ने कुछ देशों में फिर से कोविड संक्रमण फैलने और महंगाई तथा मुद्रा अवमूल्यन के बढ़ते दबाव को देखते हुए ग्लोबल इकॉनॉमिक ग्रोथ संभावनाओं में कटौती कर दी है।

नए अनुमान के अनुसार वर्ष 2022 में वास्तविक जी.डी.पी. ग्रोथ रेट घटकर 3.2 प्रतिशत रह जाएगी इसी वर्ष में अप्रैल में यह 3.6 प्रतिशत थी। सबसे बुरी तरह चीन और रूस प्रभावित हुए हैं जिनकी आर्थिक ग्रोथ में काफी गिरावट दिखी है।

देशों के लिए चिंताजनक कारक, जिनका पूरी दुनिया पर प्रभाव पड़ रहा है, उनमें प्रमुख हैं, चीन का प्रॉपर्टी मार्केट और क्रेडिट संकट और रूस द्वारा तेल व गैस के आयात में भारी कटौती। दोनों देशों की जी.डी.पी. में भारी गिरावट आने की आशंका है।

- चीन में प्रॉपर्टी में "मॉर्गेज" की किश्त जमा नहीं होने से भारी आर्थिक संकट की आशंका। चीन में जी.डी.पी. में गिरावट का दूसरा बड़ा कारण है, चीन की इकॉनमी का "निर्यात" पर निर्भर व आश्रित होना। कोविड व यूक्रेन के युद्ध के कारण विदेशों से व्यापार बहुत प्रभावित हुआ है और निर्यात एक दम लुढ़क गया है।
- रूस पर, अमेरिका व यूरोपीय देशों द्वारा लगाये गये आर्थिक प्रतिबंध असर दिखाने लगे हैं। साथ ही रूस का प्रमुख निर्यात, गैस व ऑयल भी कम बिक रहा है। कुछ समय तो काम चल गया, क्योंकि गैस व ऑयल के दामों में भारी वृद्धि हुई थी। पर, अब मुश्किलें बढ़ेंगी।
- भारत की इकॉनमी में निर्यात की निर्णायक भूमिका नहीं है। एक तरह से भारत विश्व की आर्थिक उथल-पुथल से ज्यादा प्रभावित नहीं, क्योंकि खुद भारत की आंतरिक खपत काफी है, इकॉनमी का चक्का चलाने के लिये।

भारत का जी.डी.पी. पूर्वानुमान 2023 में घट कर 7.4 प्रतिशत हो जाएगा, जो कि इस वर्ष अप्रैल में 8.6

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ब्रिटेन-चीन संबंधों के साथ खिलवाड़ न करें'

ब्रिटेन के प्र.मंत्री के चुनाव के उम्मीदवारों, ऋषि सुनक व लिज ट्रस को चीन ने चेतावनी दी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार 10 डाउनिंग स्ट्रीट के लिए दौड़ में तेजी आने के साथ ही "चाइना थ्रेट" का कार्ड खेलने लगे हैं, जिस पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

चीन के विश्लेषकों ने कहा है कि जब ब्रिटेन की जनता आंतरिक परेशानियों से दुःखी है तब चीन के भय को प्रोत्साहित करना और लोगों को यह विश्वास दिलाना कि यू.के. को चीन पर दोषारोपण करना चाहिए और उससे डरना चाहिए, बिल्कुल बेवकूफी है किन्तु यह एक आसान रास्ता है। वे ध्यान दिलाते हैं कि इस विकट स्थिति में यू.के. के राजनेताओं की टिप्पणियां उनके प्रचार अभियान को उपयुक्त बनाती हैं। चीन को इसे ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है, किन्तु 10 डाउनिंग स्ट्रीट में आने के बाद वे क्या करते हैं, यह देखना अधिक महत्वपूर्ण है।

- चीन का भय दिखाना व उसके साथ-साथ सख्ती बरतने का वादा, ब्रिटेन के राजनीतिज्ञों को सस्ती लोकप्रियता दिलाकर चुनाव में लाभ पहुंचा सकता है, पर यह आसान व अव्यवहारिक सोच है।
- ब्रिटेन की फाइनैंशियल हालत काफी खस्ता है और चीन से व्यापारिक संबंध करने से ब्रिटेन की इकॉनमी को और धक्का लगेगा, जो ब्रिटेन बर्दाश्त नहीं कर पायेगा।
- यूरोपियन यूनियन की सदस्यता छोड़ने के बाद, अब चीन ही इंगलैण्ड का बड़ा व्यापारिक पार्टनर है। सुनक की छवि चीन के प्रति ज्यादा कट्टर होने की नहीं है, जितनी लिज ट्रस की है, अतः सुनक जनता में अपनी छवि निखारने के लिये, चीन के प्रति अति कठोर भाषणबाजी कर रहे हैं। उन्होंने चीन के कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट की ब्रिटेन में चल रही 30 शाखाओं को बंद करने का वादा किया है, क्योंकि, "चीन इनके मार्फत अपने "सॉफ्ट पावर" में इजाफा करने की योजना रखता है।

विशेषज्ञों ने कहा कि वहां के राजनेता अच्छी तरह से जानते हैं कि चीन के साथ संबंध सुधारने से उन्हें अपना आर्थिक दबाब हल्का करने में कुछ हद तक मदद मिल सकती है या वे जानते हैं कि चीन-यू.के. संबंधों को नुकसान पहुंचाने से अन्ततः यू.के. की अर्थव्यवस्था को ही और नुकसान होगा, इसके बावजूद यहां का विषैला राजनीतिक वातावरण यू.के. के राजनेताओं को सही फैसला लेने के बजाए आसान रास्ता अपनाने को प्रेरित कर रहा है क्योंकि वहां के राजनेताओं में प्रभावी बदलाव लाने की बुद्धि और साहस नहीं है।

द फायनैंशियल टाइम्स (एफ.टी.) ने सोमवार को खबर दी कि ऋषि सुनक और लिज़ ट्रस में इस बात को लेकर झड़प हो चुकी है कि ब्रिटेन का अगला प्रधानमंत्री बनने की लड़ाई में चीन पर सबसे कड़ा रुख कौन अपनाएगा।

पूर्व वित्त मंत्री सुनक ने कहा कि ब्रिटेन तथा विश्व की सुरक्षा और समृद्धि के लिए इस शताब्दी में चीन सबसे बड़ी चुनौती है। सुनक ने यू.के. पर बीजिंग का प्रभाव कम करने के कई उपाय प्रस्तावित किए।

चीन के विरूद्ध सुनक की कड़ी टिप्पणियों को लेकर मीडिया प्रश्नों के जवाब में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिआन ने कहा कि "मैं ब्रिटेन के कुछ राजनेताओं को स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि कथित "चाइना थ्रैट" के प्रचार सहित चीन के विरूद्ध गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी करने से उनकी समस्याएं नहीं सुलझ सकतीं।"

एफ.टी. के अनुसार विदेश मंत्री ट्रस के साथियों ने कहा कि चीन पर सुनक का रवैया नरम रहता आया है, और कुछ समय पूर्व तक तो वह यू.के.-चाइना इकोनॉमिक एण्ड फायनैन्स कांफ्रेंस की योजना बना रहे थे, जो कि वर्ष 2019 के बाद पहली बार होती।

सुनक जब जुलाई 2021 में वित्त मंत्री थे तब उन्होंने कहा था कि ब्रिटेन को चीन के साथ अपना व्यापारिक संबंध मजबूत करना होगा। साथ ही उन्होंने कहा था कि यूरोपीयन यूनियन (ई.यू.) के वित्तीय सेवा बाजारों तक सीधी पहुंच बहाल करने के प्रयास विफल रहे हैं। उन्होंने चीन के साथ अधिक वित्तीय सहयोग की भी इच्छा जताई थी। अतः टीकाकारों ने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हज

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय ने सऊदी अरब जाने वाले तीर्थयात्रियों को टूर ऑपरेटर्स द्वारा हज तथा उमरा सेवाओं के लिए दी जाने वाली गुड्स एण्ड सर्विसेज टैक्स (जी.एस.टी.) से छूट देने से मंगलवार को इंकार कर दिया।

न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर, अभय एस. ओका तथा जमदेश बी. पार्दीवाला की बैंच ने उन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया, जो ऑल इंडिया हज एण्ड उमराह टूर ऑर्गनाइजर एसोसिएशन की अगुवाई में टूर ऑपरेटरों ने दायर की थीं। बैंच ने 5 मई को यह फैसला सुरक्षित रख लिया था। छूट तथा भेदभाव-दोनों ही आधारों पर इन याचिकाओं को खारिज करते हुये, बैंच ने निर्णय दिया कि भारत के

- सुप्रीम कोर्ट ने हज व उमरा सर्विस के टूर ऑपरेटर्स को जी.एस.टी. में छूट देने से इंकार कर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाहरगढ़ बायो पार्क से लापता शेरनी 'सृष्टि' दो दिन बाद एंक्लोजर में घूमती नजर आई

- रविवार शाम से सफारी में सिर्फ शेर त्रिपुर ही दिख रहा था, घास में ही छिपी थी शेरनी
- 'सृष्टि' को देखने के बाद वन विभाग की टीम ने राहत की सांस ली, क्योंकि आबादी में घुसने का डर था

जयपुर (कासं)। नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क की इकलौती शेरनी 'सृष्टि' दो दिन बाद एंक्लोजर में ही घूमती नजर आ गई है। इसके बाद वन विभाग ने राहत की सांस ली है।

सीनियर वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अरविंद माथुर ने बताया कि 'सृष्टि' के लापता होने की खबर फैलने के बाद वन विभाग की टीमें 36 हेक्टेयर में फैले नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में तलाश करने में जुटी थी। बताया जा रहा है कि यहां बड़ी-बड़ी घास उगी हुई थी, इसी के बीच शेरनी छिपी हुई थी। अब इसे देख लिया गया है। उधर नाहरगढ़ बायो पार्क से शेरनी के गायब होने की जानकारी मिलने के बाद से शहर से लगते कई क्षेत्रों में डर का माहौल बना हुआ था।

दरअसल 3 वर्षीय शेरनी 'सृष्टि' के गायब होने के कारण वन विभाग परेशान था। क्योंकि बारिश की वजह से फेंसिंग क्षेत्र में कई बार मिट्टी ढहने से दीवार टूटने के साथ ही जमीन में गड्ढा हो जाता है। ऐसे में अगर सृष्टि वन क्षेत्र से बाहर निकल जाती तो बड़ी अनहोनी की संभावना थी। क्योंकि बायोलॉजिकल पार्क के नजदीक ही आमेर, सिस्यावास, कुंडा और कूकस का घनी आबादी क्षेत्र है।

बताया जा रहा है कि बायोलॉजिकल पार्क की लॉयन सफारी में शेरनी सृष्टि को शेर त्रिपुर के साथ रखा गया था। बीते 30 घंटे से त्रिपुर अकेला ही सफारी में नजर आ रहा था। इसके बाद रविवार देर शाम से ही वन विभाग की टीम ने सृष्टि की खोजबीन तेज कर दी थी।

ज्ञात रहे कि 'सृष्टि' को एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत डेढ़ साल पहले गुजरात के जूनागढ़ से जयपुर लाया गया था। तब से सृष्टि जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क की शान बनी हुई है। सृष्टि बायोलॉजिकल पार्क की इकलौती शेरनी है, इस कारण इसे शेर त्रिपुर के साथ जोड़ी बनाकर लॉयन सफारी में रखा गया है।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार दोपहर राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। मिश्र ने मुर्मू को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें राजभवन में बन रहे संविधान पार्क और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता के लिए राजभवन स्तर पर किए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी।

सुबह प्रदेश कांग्रेस ने किया मौन सत्याग्रह, तो शाम को निकाला कैंडल मार्च

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस ने जयपुर के शहीद स्मारक पर सुबह जहां मौन सत्याग्रह किया वहीं शाम को कैंडल मार्च निकालकर केंद्र सरकार की ओर से

- डोटासरा ने राजस्थान में भी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का कुचक्र शुरू होने की आशंका जताई

केंद्रीय एजेंसियों के बेजा इस्तेमाल के खिलाफ विरोध जताया। हालांकि दोनों ही समय में प्रदेश कांग्रेस का नेतृत्व होने के बावजूद भीड़ उतनी नहीं हो पाई जितनी 21 जुलाई को ईडी ऑफिस पर प्रदर्शन के दौरान हुई थी।

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में जयपुर के शहीद स्मारक पर मौन सत्याग्रह किया गया।

शहीद स्मारक पर मोन सत्याग्रह के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि जहां-जहां चुनाव होने हैं। वहां इनका केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से सत्ता के दुरुपयोग का कुचक्र शुरू हो जाता है। जिस तरीके से देश में सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग चल रहा है।

उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि जल्दी से जल्दी मोदी जी और अमित शाह राजस्थान में भी पूरी प्लानिंग के साथ केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का कुचक्र राजस्थान में चलाने जा रहे हैं, लेकिन हम इनसे डरने वाले नहीं, हम इनका बिना घबराए स्वागत करेंगे। डोटासरा ने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी या इस देश का कोई भी नागरिक भाजपा और आरएसएस से डरने वाला नहीं है। न तो हम लोग टूटने वाले हैं। न झुकने वाले हैं। चाहे ईडी ले आए या सीबीआई ले आएं लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। हम सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में इस कांग्रेस के सच्चे सिपाही की तरह अंतिम दम तक लड़ेंगे। इससे पहले सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के खिलाफ राजधानी में कांग्रेस ने चार घंटे तक शहीद स्मारक पर सत्याग्रह किया। सत्याग्रह में मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, हेमाराम चौधरी, टीकाराम जुली,परसादी लाल मीणा, भजनलाल, रामलाल जाट के अलावा कांग्रेस विधायक इंद्राज गुर्जर सहित कई नेता मौजूद रहे। हालांकि गर्मी और उमस के चलते मंत्री पूरे समय रुकने के बजाय एक-एक कर निकलते रहे। ऐसे में अंत में सिर्फ तीन मंत्री ही सत्याग्रह में रुके रहे।

स्थानांतरण आदेश पर रोक लगाई

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने कार्य व्यवस्था के तहत स्थानांतरण को अनुचित मानते हुए रोक लगा दी है। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के सचिव व निदेशक आपदा प्रबंधन से जवाब तलब किया है।

उल्लेखनीय है कि इंद्र मल ने अपने अधिवक्ता डीपी शर्मा के माध्यम से याचिका प्रस्तुत कर निवेदन किया कि प्रार्थी सीनियर स्टाफ ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। यह पद राजस्थान में निदेशालय के अलावा अन्य कहीं नहीं है। प्रार्थी का स्थानांतरण जिला कलेक्टर कार्यालय कोटा में किया गया जहां पर प्रार्थी से निम्न पद स्वीकृत है। प्रार्थी का स्थानांतरण कार्य व्यवस्था के तहत किया गया। ऐसा किया जाना अनुचित है। यह स्थानांतरण बिना विवेक किया है क्योंकि प्रार्थी को किस पद पर लगाया गया है, अंकित नहीं है। इस संबंध में प्रार्थी का तर्क था कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने डॉ. कैलाश गुर्जर के मामले में भी कार्य व्यवस्था के तहत स्थानांतरण को अनुचित माना क्योंकि इसके तहत कर्मचारी जॉइनिंग टाइम व अवकाश से वंचित हो जाता है। मामले की सुनवाई के बाद अधिकरण ने स्थानांतरण आदेश पर रोक लगा दी।

दुष्कर्म मामले में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी सहित 11 बरी

- झूठे बयान देने पर महिला को नोटिस जारी

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर द्वितीय ने सुखदेव सिंह गोगामेडी सहित कुल 11 आरोपियों को विवाहिता को डरा धमकाकर कई बार दुष्कर्म करने के आरोप से दोषमुक्त कर दिया है। अदालत ने कहा है कि आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य मौजूद नहीं है। वहीं अदालत ने मामले में पक्षद्रोही होने वाली पीड़िता को नोटिस जारी करने को कहा है।

मामले के अनुसार पीड़िता ने 27 अप्रैल 2016 को संजय सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया कि उसका ससुराल वालों से मतभेद चल रहा है। वहीं सुखदेव सिंह मदद के बहाने उसे सितंबर 2014 में हनुमानगढ़ से जयपुर ले आया। यहां सुखदेव सिंह ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी और दुष्कर्म किया। वहीं पीड़िता को वैशाली नगर के एक पीजी में रखा गया और विक्रम सिंह, श्योपाल सहित अन्य लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जनवरी 2018 में हाईकोर्ट ने मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने से भी इनकार कर दिया। मामले में जांच के बाद पुलिस ने सभी को आरोपी मानते हुए अदालत में आरोप पत्र पेश कर दिया। वहीं ट्रायल के दौरान पीड़िता अपने बयानों से मुकर गई और एक महिला पत्रकार के बहकावे में आकर पूर्व में बयान देने की बात कही। इस पर अदालत ने गोगामेडी सहित आरोपी बनाए गए हुकुम सिंह, धर्मा, चेन सिंह, मनोज, सुरेन्द्र सिंह, श्योपाल, विक्रम सिंह, प्रद्युम्न शास्त्री, बहादुर सिंह और आरके चौपड़ा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

'ओडीएफ प्लस के लिए सभी का साथ काम करना जरुरी'

जयपुर, (का.सं.)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) राजस्थान के निदेशक संदेश नायक ने जिले की सभी टीमों को एकजुट होकर कार्य करते हुए ओडीएफ प्लस के निर्धारित त्रैमासिक लक्ष्य नियत समय पर अर्जित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए ओडीएफ प्लस के सभी घटकों पर एक साथ कार्य किए जाने की आवश्यकता है। नायक इंदिरा गांधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में इस सम्बन्ध में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यशाला में यूनिसेफ के विषय विशेषज्ञ रूषभ हिमानी ने कहा कि ओ.डी.एफ. के इस चरण में समुदाय के व्यवहार में बदलाव हेतु राज्य द्वारा निर्मित आई.ई.सी. टूल किट का उपयोग किया जाना चाहिए। विषय विशेषज्ञ सरोज कान्त चौधरी ने एक गांव में प्रतिदिन उत्पन्न ठोस एवं तरल कचरे के आंकलन की पद्धति की जानकारी दी एवं ग्रामीणों से सहभागिता के आधार पर ही डी.पी.आर. निर्माण करने पर बल दिया।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती उर्मिला गोयल पत्नी श्री अशोक कुमार गोयल निवासी प्लॉट नम्बर 16, मोनू ट्रेडर्स, सेन्ट्रल कॉलोनी, रोड नम्बर 9-ए, वी के आई एरिया, जयपुर राजस्थान की है जिन्होने एक प्लाट नम्बर 1/119, सेक्टर 1, विद्याधर नगर, जयपुर, राजस्थान को श्री कृष्ण वल्लभ गुप्ता पुत्र श्री रामगोपाल पाटोदिया से क्रय करने का इकरारनामा निष्पादित किया है तथा इकरारनामें में वर्णित समय में उपरोक्त वर्णित अचल सम्पत्ति का विक्रय-पत्र भी निष्पादित किया जायेगा। किसी भी दीगर व्यक्ति व संस्था आदि को कोई आपत्ति, आक्षेप है तो मुझे सात दिवस के भीतर सूचित करें तथा सात दिवस बाद आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
तेजकरण शर्मा, एडवोकेट
जयपुर दु.नं. ए-5, चित्रकूट स्टेडियम,
दिनांक 26/07/2022 वैशाली नगर, जयपुर, मो. 9509333566

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांकः 5738 जाहिर आम-सूचना दि.:26.07.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 61/139 (MIG-B) का आवंटन श्री मोती लाल मीना पुत्र श्री घासीराम मीना को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2185 दिनांक 24.03.1994 को जारी किया गया था। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 27.02.1999 को उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री मोती लाल मीना की मृत्यु दिनांक 10.05.2021 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री महेन्द्र कुमार मीणा पुत्र स्व. श्री मोती लाल मीणा द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री महेन्द्र कुमार मीणा पुत्र स्व. श्री मोती लाल मीणा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक, राज. आवा. मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांकः 5739 जाहिर आम-सूचना दि.:26.07.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 61/141 (MIG-B) का आवंटन श्री महावीर प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री पूर्णमल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4771 दिनांक 15.06.1994 को जारी किया गया था। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 20.03.1995 को उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री महावीर प्रसाद गुप्ता की मृत्यु दिनांक 26.06.2021 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री नीरज गुप्ता पुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद गुप्ता द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री नीरज गुप्ता पुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद गुप्ता का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक, राज. आवा. मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

जेडीए का पक्ष भी सुनेगा हाईकोर्ट

- आगरा रोड पर बल्लूपुरा गांव के पास 29 बीघा जमीन के स्वामित्व का है मामला

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आगरा रोड पर बल्लूपुरा गांव के पास करोड़ों रुपए की 29 बीघा जमीन के 34 साल पुराने मालिकाना हक के मामले में जेडीए को राहत देते हुए उसका पक्ष सुनने की सहमति दी है। वहीं अदालत ने मामले के पक्षकारों को कहा है कि वे आगामी सुनवाई पर अंतिम बहस करें। जस्टिस अशोक गौड ने यह आदेश मामले में जेडीए की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को मंजूर करते हुए दिए।

जेडीए की ओर से कहा गया कि मामले में जेडीए का पक्ष सुना ही नहीं गया है, इसलिए अदालत राज्य सरकार बनाम बहादुर सिंह व अन्य मामले में 2 दिसंबर 2014 को दिए आदेश को स्पष्ट करे और उनका पक्ष भी सुने। मामले के अनुसार, 1944 में तत्कालीन जयपुर स्टेट ने बहादुर सिंह को 60 बीघा जमीन आवंटित की थी। वहीं वर्ष 1958 में इसमें से 31 बीघा जमीन ही पंजीकृत हुई और बाकी 29 बीघा जमीन सवाई चक होने के चलते पंजीकृत नहीं हुई। इस दौरान 12 नवंबर 1982 को जेडीए एक्ट लागू हुआ व धारा 54 के तहत जमीन जेडीए की हो गई। कलेक्टर के आदेश से नामांतरण भी जेडीए के नाम खुल गया, लेकिन बहादुर सिंह ने जेडीए को पक्षकार बनाए बिना ही इसके खिलाफ जिला कलेक्टर के यहां खातेदारी अधिकारों के लिए रेवेन्यू दावा किया। उसका दावा 29 दिसंबर 1998 को खारिज हो गया। मामला रेवेन्यू अपीलेट ट्रिब्यूनल में पहुंचने पर ट्रिब्यूनल ने खातेदारों की अपील मंजूर कर उनके नाम पर जमीन का नामांतरण खोलने का निर्देश दिया। इसे चुनौती देने पर रेवेन्यू बोर्ड अजमेर ने 4 अक्टूबर 2002 को राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने भी 2 दिसंबर 2014 को रेवेन्यू बोर्ड के फैसले को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका खारिज कर दी। इस याचिका में जेडीए पक्षकार नहीं था।

कन्हैया लाल हत्याकांड के आठवें आरोपी को भी जेल

जयपुर, (का.सं.)। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के मामले में गिरफ्तार आठवें आरोपी मोहम्मद जावेद को एक अगस्त तक के लिए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

चार दिन की पुलिस अभिरक्षा की अवधि पूरी होने पर एनआईए की ओर से आरोपी को कडी सुरक्षा के साथ अदालत में बापर्दा पेश किया। एनआईए की ओर से कहा गया कि आरोपी से मामले में पूछताछ पूरी हो गई है और फिलहाल उसके रिमांड की जरूरत नहीं है। इसलिए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाए। जिस पर एनआईए कोर्ट ने जावेद को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जानकारी के अनुसार कन्हैया लाल की दुकान की गली में ही जावेद की दुकान थी। आरोपी रियाज अत्तारी ने ही उसे कन्हैयालाल की दुकान की रेकी करने के लिए कहा था। घटना वाले दिन कन्हैया ने जब अपनी दुकान खोली थी तो जावेद ने ही इसकी सूचना उन्हें दी। ऐसे में जावेद पर कन्हैया की दुकान की रेकी करने व हत्या के आपराधिक षडयंत्र में शामिल रहने का आरोप है।

"अमृत महोत्सव" समारोह का 15 अगस्त को आयोजन

- तीन परमवीर चक्र विजेता और पांच महान विभूतियों को दिया जाएगा भारत अमृत अलंकरण महोत्सव सम्मान

जयपुर। राजनीतिक दलों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्र पहले और आईलव इंडिया थीम पर जयपुर के नागरिकों, विभिन्न समाजिक संगठनों और औद्योगिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में 15 अगस्त को रामनिवास बाग में भारत अमृत महोत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। मंगलवार को निजी होटल में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देने के लिए जयपुर के नागरिकों की ओर से बनी भारत अमृत महोत्सव आयोजन समिति के सदस्यों ने प्रेसवार्ता की।

संयोजक और वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा ने बताया कि समारोह में देश के तीनों परमवीर चक्र विजेताओं कैप्टन बाना सिंह, कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव और सूबेदार मेजर संजय कुमार समेत पांच महान विभूतियों को आम नागरिकों की ओर से भारत अमृत अलंकरण महोत्सव सम्मान और पांच-पांच लाख रुपए की सम्मान राशि भेंट की जाएगी। शर्मा ने बताया कि जयपुर के नागरिकों की ओर से परमवीरों चक्र विजेताओं कैप्टन बाना सिंह, कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव और सूबेदार मेजर संजय कुमार सहित पांच महा विभूतियों को भारत अमृत अलंकरण दिया जाएगा। इसके साथ इन्हें पांच-पांच लाख रुपए की सम्मान राशि भेंट की जाएगी। इनके साथ साथ हम सबके लिए खुशी भरा और दीवानाभरा दिन होगा कि महारानी लक्ष्मी बाई, लोकमान्य तिलक, सुभाषचंद्र बोस, तात्या तोपे, बहादुरशाह जफर, मंगल पांडे, उधम सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, महावीर सिंह समेत कई क्रांतिकारियों और राष्ट्रनेताओं के परिजन हमारे बीच होंगे। इनके साथ ही राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से समारोह में उपस्थित करने का आग्रह किया है। वहीं, जयपुर ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर और जयपुर हैरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर कार्यक्रम की संरक्षक होंगी।

Public Notice
All users inform to claim refund of their deposited money from MySure 11/Focus11 (fantasy mobile application) as it NO LONGER ACTIVE. You can claim your FULL wallet money REFUND by contacting on support id-support@mysure11.com
till 5 August 2022.
After 5 August 2022, NO claim of refund will be made.

बापू कॉलोनी गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर
क्रमांकः SP-01 आम सभा की सूचना दिनांकः 26.07.2022
समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक आमसभा दिनांक 04.08.2022 को प्रातः 11.00 बजे समिति कार्यालयः- प्लॉट नं. 85-86, गणेश नगर विस्तार, करधनी योजना के पीछे, कालवाड रोड, जयपुर पर आयोजित की जायेगी, जिसका एजेण्डा निम्नानुसार हैं :-1. गत आमसभा की पुष्टि। 2. समिति की गत वर्षो की ऑडिट का अनुमोदन एवं ऑडिट अनुपालना पर विचार। 3. विभाग द्वारा जारी संशोधित उपनियमों को अंगीकार करने पर विचार। 4. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से। अतः समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त समय पर आम सभा में उपस्थित होवे।
मंत्री, बापू कॉलोनी गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(प.दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड जयपुर-15)
क्रमांकः-एफ-13()उप.आयो-II/ननिज/2022/971
सार्वजनिक सूचना दिनांक 25.07.2022
भूखण्ड सं. 149-ए, बाहुबली नगर, झोटवाड़ा (दी शिवा गृह निर्माण सहकारी समिति लि0) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री बैनी प्रसाद शर्मा पुत्र श्री झम्मन लाल शर्मा को क्षेत्रफल 183.33 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में अब आवेदक द्वारा प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), रजि0 पट्टा मय साइट प्लान की फोटोप्रति, रजि.हकत्याग पत्र की फोटोप्रति, मूल आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र की फोटोप्रति एवं अन्य चैन दस्तावेजों की फोटोप्रतियों के आधार उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण चाहा है। आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई मूल दस्तावेजों की फोटोप्रतियों के आधार पर श्रीमती प्रेमलता शर्मा पत्नी स्व0 श्री बैनी प्रसाद शर्मा के पक्ष में उक्त भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 183.33 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, आयोजना-द्वितीय) में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पत्रावली नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (आयोजना द्वितीय)
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता
राजस्थान आवासन मण्डलः अजमेर
क्रमांक-860 दिनांक-18.7.22
जाहिर आम सूचना राजस्थान आवासन मण्डल संख्या 3-क-11 अजयनगर अजमेर योजना में श्री चौईथराम पुत्र श्री गेहीमल बालानी को आवंटित कर दिनांक 19.12.1978 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री चौईथराम पुत्र श्री गेहीमल बालानी ने आवास का बैंचान जरिये मुख्यायरनामा, इकरारनामा, वसीयतनामा के श्री टी.जे. नागरानी पुत्र श्री जगतराय नागरानी को कर दिया गया। इसके पश्चात मण्डल द्वारा श्री टी.जे. नागरानी पुत्र श्री जगतराय नागरानी के पक्ष में दिनांक 24.02.1997 को नियमितिकरण के आदेश जारी किय गये। श्री टी.जे. नागरानी पुत्र श्री जगतराय नागरानी द्वारा दिनांक 25.02.1997 को उप-पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करवा लिया गया है। श्री टी.जे. नागरानी की मृत्यु दिनांक 23.05.2002 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री सुरेश कुमार नागवानी पुत्र स्व. श्री टी.जे. नागरानी ने मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। अब श्री सुरेश कुमार नागवानी पुत्र स्व. श्री टी.जे. नागरानी ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तांतरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया हैं। श्री सुरेश कुमार नागरानी पुत्र स्व. श्री टी.जे. नागरानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन हैं। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/ आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश क्रम-1
जयपुर महानगर, जयपुर प्रथम
नागेश चन्द्र शर्मा व अन्य बनाम श्रीमती मणी नारंग व अन्य
दावा बाबत घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या 44 सन् 2019
बनाम- (2) श्रीमती मानसी धर्मपत्नि श्री अमित राजानी, उम्र 40 वर्ष, जाति-सिन्धी, निवासी-म.न. 2/639, सेक्टर-4, वाटर वर्क्स के पास, सत्कार शॉपिंग सेन्टर, मालवीय नगर, जयपुर। (4) श्री बृजेश चन्द शर्मा पुत्र स्व. श्री आदित्य चन्द्र शर्मा, उम्र-52 वर्ष, जाति-ब्राहमण, निवासी-मकान न. 1154, मन्दिर श्री चापावत जी, जौहरी बाजार, जयपुर।
वादी ने आपके विरूद्ध वादीगण के लिये बाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तरीख 03 माह 08 सन् 2022 को दिन में 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं, पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या लिखित/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर कते है, तो आप ऐसे दस्तावेजो को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात ही होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता0 22 माह 07 सन् 2022 की मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया हैं।
मोहर अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-1 जयपुर महानगर प्रथम

बाहरी अभ्यर्थी के लिये आरक्षण नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी भर्ती-2020 के मामले में कहा है कि बाहरी अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश कमलेश कुमार मंडल की याचिका पर दिए।

याचिका में कहा गया कि आरपीएससी ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी भर्ती के 33 पदों के लिए दो वर्ष पूर्व भर्ती निकाली थी। आयोग की ओर से जारी अस्थाई वरीयता सूची के ओबीसी वर्ग में याचिकाकर्ता को शामिल किया गया।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

माफिया के इशारे पर चल रही कांग्रेस सरकार : तरूण चुघ

जयपुर। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ ने आज जयपुर में विभिन्न संगठनात्मक बैठकें ली। उनके साथ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक ली, जिसमें संगठनात्मक, प्रदेश के जनहित के मुददों पर चर्चा की।

- 'टीम राजस्थान भाजपा संगठनात्मक मजबूती के साथ जनहित के मुद्दों को लेकर कार्य कर रही'

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ ने मंगलवार को जयपुर में विभिन्न संगठनात्मक बैठकें ली। उनके साथ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया व प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर भी भाजपा प्रदेश कार्यालय में मौजूद थे।

इससे पहले डॉ. पूनियां और तरूण चुघ ने ओबीसी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति बैठक को संबोधित किया। तरूण चुघ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस शासन में प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है, कांग्रेस सरकार माफिया के कब्जे में है, जिसमें खनन माफिया, नकल माफिया, रेत माफिया इत्यादि पैर पसारे हुए हैं, जिनके इशारे पर सरकार चल रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राज्य की कानून व्यवस्था और शासन को संभालने में पूरी तरह विफल हो चुके हैं, प्रदेश का विकास पूरी तरह ठप है, किसान कर्जमाफी सहित विभिन्न मुददों पर सरकार ने वादाखिलाफी की है, अशोक गहलोत अपनी कुर्सी बचाने के लिए बार-बार कांग्रेस के दिल्ली दरबार में हाजिरी लगाने जाते हैं।

चुघ ने कहा कि, प्रदेश की जनता कांग्रेस के कुशासन, वादाखिलाफी और झूठे वादों से आक्रोशित है और 2023 में जनता कांग्रेस सरकार का तख्तापलट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में प्रचंड बहुमत की भाजपा की सरकार बनाएगी, जिसकी बड़ी वजह केन्द्र की जन-कल्याणकारी नीतियां और राजस्थान में भाजपा संगठन की पन्ना, बूथ इकाइयों तक जमीनी मजबूती। उन्होंने कहा कि, 2023 में भाजपा का चेहरा कमल का फूल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कुशल एवं मजबूत नेतृत्व होगा और मुझे पूर्ण विश्वास है कि टीम राजस्थान भाजपा संगठनात्मक मजबूती के साथ और जनहित के मुद्दों को सड़क से लेकर सदन तक जिस मजबूती से उठा रही है, उससे 2023 में भाजपा का विजय संकल्प तीन-चौथाई बहुमत के साथ सरकार बनाने के साथ अवश्य पूर्ण होगा, यह भाजपा की ऐतिहासिक विजय होगी।

नाम परिवर्तन

मै राजेश कुमार दोतानिया पुत्र श्री पूरणमल दोतानिया सूचित करता हूँ कि मेरी 10वीं कक्षा की अंकतालिका में मेरा नाम राजेश कुमार दोतानिया (Rajesh Kumar Dotaniyan) दर्ज है, जबकि मेरा सही नाम राजेश कुमार दोतानिया (Rajesh Kumar Dotaniya) है। भविष्य में मुझे राजेश कुमार दोतानिया (Rajesh Kumar Dotaniya) नाम से जाना पहचाना जावे।

मेने अपना नाम रीना कुमारी से बदलकर रीना देवी सिंगडोदिया धर्मपत्नी राकेश कुमार सिंगडोदिया रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। निवासी 748, राजीवपुरी गली न 3, जलमहल, जयपुर

मैंने अपने पुत्र जहान सैनी (Jahan Saini) से बदलकर जीत सैनी (Jeet Saini) कर लिया है। भविष्य में उसे जीत सैनी पुत्र श्री विक्रम सैनी के नाम से जाना पहचाना जावे। विक्रम सैनी, 248-ए, विजय वाडी पथ नं.1, तीन दुकान, सीकर रोड़, जयपुर (राज.) 302039 मो. 9829418275

I Kachara Ram S/o Deepa Ram Godara R/o Berawas, Nagaur, Rajasthan-341025, have changed my name to Mohit Godara.

I Rani W/o Kuldeep Singh R/o 224 Thakur Mohalla, Ward No-8, Bharatpur, Rajasthan-321001, have changed my name to Kavita Rani.

खोया पाया

मेरे स्वामित्व के प्लाट नं.-112, ग्रीन विहार, वाटिका गांव-वाटिका सांगानेर जयपुर के मूल कागजात (सहकारी समिति का आवंटन पत्र, साइट प्लान, रसीद, विक्रय पत्र) गुम हो गए। मिलने पर सूचित करें। अनिलकुमार शर्मा, ग्राम-भाटेड, वाटिका, सांगानेर जिला जयपुर-303905 मो.-9414221245

गुड्डी देवी मीणा Allotment Letter H.No.-29D/430 कुम्भा मार्ग प्रताप नगर पर खो गया है। मिलने पर सूचित करें- 7014359949

मेरी कंपनी जाजु आईरन री-रोलर्स प्रा.लि. जयपुर के प्लॉट न.92सी की ओरिजनल सेल डीड जो कि भारत स्ट्रक्चरल ने जाजू आयरन के हक में निष्पादित की थी जिसका क्र.न. 2008052006603 दिनांक 08.05.2008, दिनांक 06.07.2022 को कंपनी के ऑफिस से कमानी रोड़ जाते समय कहीं पर गिर गए है। किसी को मिले तो सूचित करें। नरेश कुमार जाजू निदेशक मो.9314512893

मेरे प्लाट नं.257/8 सेक्टर 3 विद्याधर नगर जयपुर के असल दस्तावेज जिनमें प्लाट के अलाटमेंट लेटर, कब्जा पत्र एवं कई महत्वपूर्ण दस्तावेज श्रीराम नगर बैनाड रोड के बीच गिर गये। मिलने पर सूचित करें। 9950750781

जेडीए कि योजना गोविन्दपूरा शिकार पूरा रोड सांगानेर के भू.सं-19 के मूल दस्तावेज एलॉटमेंट लेटर, कब्जा पत्र, जेडीए पट्टा, विक्रय पत्र खो गए है सूचित करें ललिता राजन -9269007622

जेडीए कि योजना बक्सावाला के भू.सं-एफ 195 के मूल दस्तावेज एलॉटमेंट लेटर खो गया है सूचित करें कुलदीप राजन -7727832040

हैतुक दर्शित करने के लिये सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्याक 4
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश क्रम-1
जयपुर महानगर, जयपुरप्रथम
नागेश चन्द्र शर्मा व अन्य बनाम श्रीमती मणी नारंग व अन्य
प्रार्थना पत्र बाबत अस्थायी विषेधाज्ञा
प्रार्थना पत्र संख्या 56 सन् 2019
नाम (2) श्रीमती मानसी धर्मपत्नि श्री अमित राजानी, उम्र 40 वर्ष, जाति-सिन्धी, निवासी-म.न. 2/ 639, सेक्टर-4, वाटर वर्क्स के पास, सत्कार शॉपिंग सेन्टर, मालवीय नगर, जयपुर। (4) श्री बृजेश चन्द शर्मा पुत्र स्व. श्री आदित्य चन्द्र शर्मा, उम्र-52 वर्ष, जाति-ब्राहमण, निवासी-मकान नम्बर 1154, मन्दिर श्री चापावत जी, जौहरी बाजार, जयपुर।
उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि ... अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिये दिनांक 03 माह 08 सन् 2022 को 10.30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में सफल रहेगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा।
अतः आज दिनांक 22 माह 07 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
दिनांक 22.07.2022
मोहर अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-1 जयपुर महानगर प्रथम

विधायक ओमप्रकाश हुडला का भाई नकल करवाने डमी कैंडिडेट लाया, दोनों गिरफ्तार

शिवदासपुरा स्थित वीआईटी कॉलेज में मल्टी टास्किंग स्टाफ भर्ती परीक्षा का मामला

जयपुर (कासं)। शिवदासपुरा थाना पुलिस कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) भर्ती परीक्षा में असली अभ्यर्थी के स्थान पर डमी अभ्यर्थी को परीक्षा दिलवाने लाए निर्दलीय विधायक ओमप्रकाश हुडला के भाई और डमी कैंडिडेट को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ में जुटी है।

इसके साथ ही जिस व्यक्ति के स्थान पर डमी कैंडिडेट को परीक्षा दिलवाने लाया गया था, उसकी भी तलाश की जा रही है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण योगेश गोयल में बताया कि कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित एमटीएस भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी और शिवदासपुरा इलाके में वीआईटी कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र में परीक्षा देने पहुंचे डमी अभ्यर्थी को दस्तावेज में फोटो का मिलान नहीं होने पर पकड़ा गया।

- **पुलिस ने डमी कैंडिडेट से पूछताछ की तो उसने खुद का नाम यूपी निवासी ऋषि कुमार बताया और अभ्यर्थी उमेश कुमार के स्थान पर परीक्षा देने की बात कबूली**
- **आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसे परीक्षा केंद्र तक विधायक का भाई हरिओम मीणा लेकर आया है और उसी के कहने पर ही उमेश के स्थान पर परीक्षा दे रहा है**

डमी कैंडिडेट से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम यूपी निवासी ऋषि कुमार बताया और उमेश कुमार नामक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने की बात कबूली। वहीं आरोपी ने पूछताछ में यह बताया कि उसे परीक्षा केंद्र तक हरिओम मीणा नामक व्यक्ति लेकर आया है और हरिओम के कहने पर ही वह उमेश के स्थान पर परीक्षा दे रहा। जिस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए परीक्षा केंद्र के बाहर से हरिओम मीणा निवासी मालवीय को गिरफ्तार किया। जब पुलिस ने हरिओम मीणा से पूछताछ की तो पता चला कि वह विधायक ओमप्रकाश हुड़ला का सगा भाई है। फिलहाल पुलिस गिरफ्त में आए दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और डमी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाने के पीछे कोई संगठित गिरोह तो काम नहीं कर रहा है इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही असली अभ्यर्थी उमेश कुमार की भी तलाश की जा रही है।

शिवदासपुरा पुलिस ने मल्टी टास्किंग स्टाफ भर्ती परीक्षा के डमी अभ्यर्थी और उसे परीक्षा दिलाने लाए विधायक ओमप्रकाश हुडला के भाई को गिरफ्तार किया।

सरकार में शामिल लोग ही बेरोजगारों के सपने चकनाचूर कर रहे : डॉ. किरोड़ीलाल

जयपुर । राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि शिवदासपुरा थाने ने परीक्षा में धांधली करते हुए जिस हरिओम मीणा को गिरफ्तार किया है। वह सरकार समर्थित निर्दलीय विधायक का सगा भाई है। विधायक पर भी पूर्व में नौकरी का झांसा देकर ठगी करने का मुकदमा दर्ज हो चुका है। साफ है कि नकल गिरोह के सरगना ऐसे ही मगरमच्छ हैं। मीणा ने शुरुआत से प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में हो रहे धांधली की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार इसके लिए इंकार करते हैं, क्योंकि सरकार को नकल माफिया को संरक्षण है। सरकार में शामिल व इसे बचाने वाले ही बेरोजगारों के सपने चकनाचूर कर रहे हैं।

चांदपोल के पब्लिक टॉयलेट में मिला भ्रूण

जयपुर (कासं)। चांदपोल स्थित पब्लिक टॉयलेट में मानव भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। कपड़े के अंदर थैली में बांधकर भ्रूण को पब्लिक टॉयलेट के अंदर दीवार पर रखा था। संजय सर्किल थाना पुलिस ने भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल की मॉच्यूरी में रखवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात परिजनों की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि झुंझुनूं के भरगडो की ढाणी बगड़ निवासी सांवर मल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह चांदपोल में श्रीबालाजी ज्यूस सेंटर के नाम से शॉप करता है। शाम करीब 4 बजे हनुमान ढाबे के सामने पब्लिक टॉयलेट में गया था। टॉयलेट की दीवार पर कपड़े में कुछ लिपटा हुआ रखा था। जिसमें हल्की बदबू उठ रही थी। शक होने पर कपड़े को उतारकर देखा। उसके अंदर एक नीली थैली में मानव भ्रूण बंधा मिला। पब्लिक टॉयलेट में मानव भ्रूण मिलने का पता चलने पर सनसनी फैल गई। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौका-मुआयना कर भ्रूण को कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के लिए भ्रूण को सवाई मानसिंह हॉस्पिटल की मॉच्यूरी भिजवाया गया। पुलिस का कहना है कि भ्रूण करीब 7 महीने का है। पूरी तरह विकसित हो चुका भ्रूण लड़के का है। पुलिस ने अज्ञात परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वारदातस्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ अज्ञात माता-पिता की तलाश की जा रही है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग के पांच शॉर्प शूटर दबोचे

आरोपियों ने रोड कॉन्ट्रैक्टर से मांगी थी 17 करोड़ रुपये की रंगदारी

शिप्रापथ पुलिस ने मंगलवार को बीकानेर के हार्डकोर बदमाश रोहित गोदारा गैंग के पांच शार्प शूटर गिरफ्तार किये।

जयपुर । शिप्रापथ थाना पुलिस ने बीकानेर के हार्डकोर बदमाश रोहित गोदारा के पांच शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों ने जयपुर के व्यापारी को जान से मारने की धमकी देकर 17 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। पुलिस ने मंगलवार को गैंगस्टर रोहित के गुर्गे अमरजीत विश्नोई समेत पांच बदमाशों को दबोच लिया।

- **पुलिस अब तक इस मामले में 12 बदमाशों को पकड़ चुकी है**

डीसीपी साउथ योगेश गोयल ने बताया कि वैशाली नगर निवासी नरेन्द्र शर्मा रोड कन्सट्रक्सन कांट्रैक्टर है। उसका ऑफिस एसएफएस मानसरोवर में है। 11 मई को नरेन्द्र शर्मा ने रिपोर्ट दी की बीकानेर के गैंगस्टर रोहित गोदारा ने वॉट्सऐप कॉल के जरिए अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल नंबर से उसे धमकी दी है। उसने कहा कि तुम मुस्ताक खां, शंकर सिंह, संदीप सिंह और शिवराज सिंह को 17 करोड रुपए दे देना, नहीं तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा। बताए हुए बदमाश उसके ऑफिस पर आए और कर्मचारियों से मारपीट की कर 17 करोड रुपए नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी देकर गए। पुलिस इस प्रकरण में अब तक 12 बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी है।

शिप्रापथ पुलिस ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए व्यापारी नरेन्द्र शर्मा को धमकी देने के मामले में आज केरिया का बास बगरू निवासी राकेश मेहता उर्फ रॉकी बागड़ा, तोलियासन थाना मंडावा झुंझुनूं निवासी शिवराजसिंह शेखावत, सोनवाली ढाणी कालख जोबनेर निवासी मुकेश कुमार यादव, लोहरवाड़ा जोबनेर निवासी बलेदव यादव और बीछवाल बीकानेर निवासी अमरजीत विश्नोई को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों को कल कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेगी।

घर-घर तिरंगा समारोह 10 दिन

जयपुर, (का.सं.)। आजादी के अमृत महोत्सव, आगामी 12 अगस्त को आने वाले संस्कृत दिवस और घर-घर तिरंगा अभियान के तहत राज्य सरकार इस बार दस दिवसीय समारोह आयोजित करेगी। ये समारोह 6 अगस्त से 15 अगस्त तक राजस्थान संस्कृत अकादमी और कला एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर और बीकानेर में हाईब्रिड मोड पर आयोजित किया जाएगा।

इस दौरान होने वाले कुल 12 आयोजनों में से 3 ऑनलाइन और 9 ऑफ लाइन मोड पर आयोजित किए जाएंगे। संस्कृत अकादमी के प्रशासक और संभागीय आयुक्त विकास सीताराम भाले ने बताया कि अकादमी इस बार राजस्थान में जन्में 65 वर्ष से अधिक आयु के उन विशिष्ठ योग्य जनों, विद्वानों, साहित्यकारों और भामाशाहों को 'आजीवन संस्कृत सेवा अलंकरण' प्रदान करेगा जिन्होंने संस्कृत की आजीवन रचनात्मक, क्रियात्मक और आर्थिक सेवा की है। सम्मानित की जाने वाली हस्तियों का चयन राज्य सरकार द्वारा गठित 5 सदस्यीय समिति द्वारा किया जाएगा। इसके लिए बॉयोडाटा 3 अगस्त तक अकादमी को मेल करना होगा। विकास सीताराम भाले ने बताया कि इस दौरान आयोजित किए जाने वाले दस दिवसीय समारोह की शुरूआत 6 अगस्त को सुबह 11 बजे अकादमी संकुल में संस्कृत विषयक पोस्टर लोकार्पण से होगी, जबकि समापन 15 अगस्त को सुबह 11 बजे अकादमी संकुल में ही व्याख्यान से होगा।

कारगिल दिवस पर एनसीसी कैडेट्स की साइकिल रैली

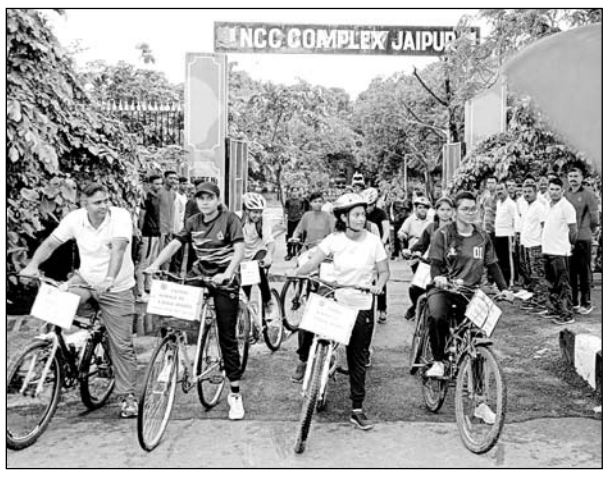

एनसीसी कॉम्पलेक्स गांधी नगर से कैडेट्स ने साईकिल रैली निकाली।

जयपुर । एनसीसी मुख्यालय जयपुर के ग्रुप कमांडर कर्नल एस पी तिवारी के मार्गदर्शन में 75वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव, कारगिल विजय दिवस पर आज को एन.सी.सी कंपलेक्स गांधी नगर जयपुर में एनसीसी आर्मी एयर नेवी के बॉयज और गर्ल्स क्रेडिट जयपुर स्थित सभी यूनिट को ग्रुप कैप्टन डी एस जाखड़ कमांडिंग ऑफिसर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जयपुर ग्रुप के ट्रेनिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल नरेश, आर्मड बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल साकेत लाल, चीफ ऑफिसर नंदकिशोर शर्मा मीडिया प्रभारी, सहयोगी एन सी सीअधिकारियों, सूबेदार मेजर, जेसीओ, एनसीओ, स्टाफ उपस्थित थे। एन.सी.सी मीडिया प्रभारी नंदकिशोर शर्मा ने बताया कि यह रैली शहर के मुख्य मार्ग कनोडिया सर्किल ,यूनिवर्सिटी, बिरला मंदिर, तीन मूर्ति सर्किल, अल्बर्ट हॉल पर जाकर एन सी सी कैडेट बड़े जोश और उत्साह के साथ भारत माता की जय, वीर जवान अमर रहे ..जैसे के नारे लगा रहे थे। रैली से अजमेरी गेट, महाराजा कॉलेज, एस एम एस हॉस्पिटल, रामबाग सर्किल, लाल कोठी, गांधी नगर, बजाज नगर, जवाहर कला होती हुई एनसीसी कंपलेक्स गांधी नगर जाकर संपन्न हुई।

52 लाख का सोना पकड़ा

जयपुर । जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने स्पाइस जेट की उड़ान से आए यात्री से 52 लाख से अधिक रुपए का सोना बरामद किया है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने बताया कि स्पाइस जेट की उड़ान मंगलवार को जयपुर एयरपोर्ट पर उतरी। इस दौरान एक यात्री की सीट के कुशन के नीचे 1000 ग्राम वजन का 99.50 शुद्धता का एक सोने का बिस्किट मिला। यह काले रंग की प्लास्टिक शीट से लिपटा हुआ था। इस सोने की कीमत 52 लाख 10 हजार रुपये आंकी गई है। जिस सीट पर सोना पाया गया था। उस पर बैठने वाले वाले यात्री की पहचान आगमन हॉल में बोर्डिंग पास की जांच करके की गई। इसके बाद उसे हिरासत में लिया।

'इंटर स्टेट उडानें जल्द शुरू हों'

जयपुर । जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने लोकसभा सत्र के दौरान नियम 377 के तहत कहा कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से वर्तमान में अन्तराष्ट्रीय व घरेलु सहित 71 उड़ानो का संचालन हो रहा है, परन्तु इन्टर स्टेट कनेक्टिवी की मात्र 2 उड़ान की है। जैसलमेर और जोधपुर के लिये पहले उड़ाने प्रारम्भ की गई थी, जो भी वर्तमान में बन्द है। इंटर स्टेट उड़ानें नही होने के कारण व्यापार और पर्यटन दोनों को बढ़ावा नहीं मिल रहा है, इसलिए इंटरस्टेट सुविधा हो।

खुली जेल पर बनाई पहली एनीमेटिक फिल्म

जयपुर । प्रिजन एड एंड एक्शन रिसर्च (पार) द्वारा राजस्थान में खुली जेलों पर अपनी तरह की अनूठी पहली एनिमेटेड फिल्म बनाई गई है।

फिल्म का उद्देश्य सुधार के पक्ष में एक सार्वजनिक धारणा का निर्माण करना और बडे पैमाने पर बंद जेलों से खुली जेल प्रणाली में परिवर्तन को समर्थन देने की दिशा में काम करना है। इस फिल्म को यूट्यूब पर पार के ऑफिशियल चैनल पर देखा जा सकता है। फिल्म को एंजी और उपेश प्रधान ने डिजाइन किया है। सामाजिक मुद्दों पर अपने गीतों के लिए पहचाने जाने वाले संगीतकार सुस्मित बोस ने इसमें अपनी आवाज दी है। पार की संस्थापक, स्मिता चक्रवर्ती ने कहा कि "इस फिल्म को बनाने में हमें चार महीने लगे। जेल एक टैबू शब्द है। हमारे समाज की अवधारणाओं के परिणामस्वरूप, कैदियों को अलग नजर से देखा जाता है। हमारी एनीमेशन फिल्म का उद्देश्य कैदियों को लोगों की नजरों में मानवीय बनाना और जेल की स्थितियों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। उन्हें जेल में कैद रखा जाता है। खुली जेलें इंसानों को कैद करके रखने के खिलाफ हैं। फिल्म देखने के बाद कई लोगों ने मुझे पत्र लिखकर कैद की ऐसी व्यवस्था के बारे में जानकारी मांगी है।

पत्थर की खान में दबने से दो मजदूरों की मौत

जयपुर । हरमाड़ा इलाके में मंगलवार सुबह पत्थर की खान के मलबे में दबने से दो मजदूरों की मौत हो गई। खान में काम करते समय 20 फीट ऊंचाई से पत्थर टूटकर दोनों पर गिरे थे। हरमाड़ा थाना पुलिस ने साथी मजदूरों की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने चौमूं सीएससी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए।

पुलिस ने बताया कि हादसे में सुदर्शनपुरा हरमाड़ा निवासी कल्याण सहाय जाट (36) पुत्र हरिनारायण जाट और भीलवाड़ा के शाहपुरा निवासी महेन्द्र भील (26) पुत्र भैरूराम भील की मौत हो गई। दोनों मृतक दादर नारदपुरा स्थित पत्थर खान में काम करते थे। सुबह करीब 10 बजे खान से पत्थर निकालने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान पहाड़ी से 20 फीट ऊंचाई से पत्थर टूटकर गिरा। वहां काम कर रहे कल्याण सहाय और महेन्द्र भील पत्थरों के नीचे दब गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने मजदूरों की मदद से दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

पेयजल लाइन डालने के चक्कर में जलदाय विभाग ने 40 फीट सड़क को बना दिया दलदल, लोग परेशान

भांकरोटा के कमला नेहरू नगर और कनक विहार में खोद डाले 15 फीट तक गहरे खड्ढ़े

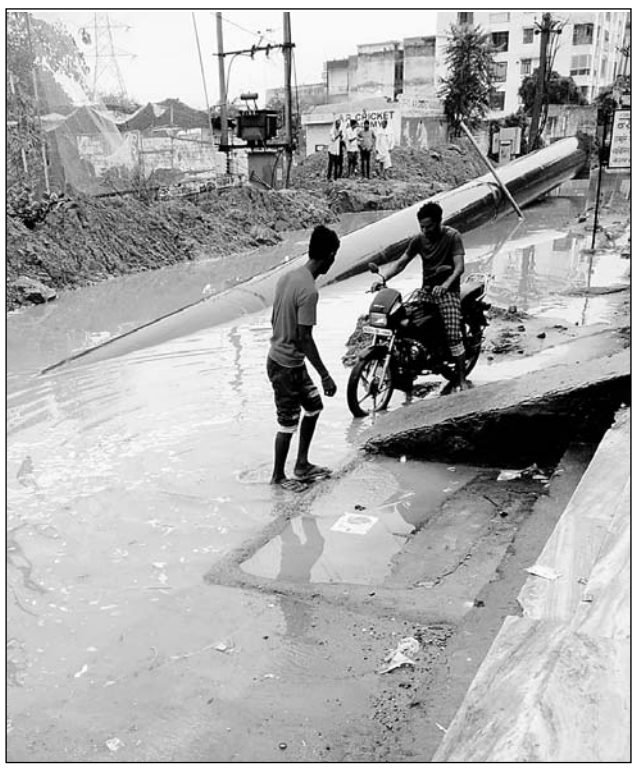

जलदाय विभाग ने भांकरोटा इलाके के कमला नेहरू नगर और कनक विहार में पेयजल पाइप लाइन डालने के लिए 40 फीट रोड को पूरा खोद डाला। इस कारण यहां सड़क अब दरिया बनकर बहती है।

जयपुर (कासं)। मानसून में खुदाई पर कलेक्टर की रोक के बावजूद जलदाय विभाग ने भांकरोटा के कमला नेहरू नगर और कनक विहार में 40 फीट रोड खुदवा दी। पेयजल पाइप लाइन डालने के नाम पर 40 फीट रोड पर 15 फीट तक गहरे खड्ढ़े तो खोद लिये, लेकिन समय पर काम पूरा नहीं हुआ। इस कारण करीब आधा किलोमीटर तक की रोड पर बारिश का पानी भर गया। लोगों की नाराजगी के बाद जागे जलदाय विभाग ने आनन-फानन में करीब 200 मीटर की दूरी में खोदी गई सड़क पर मिट्टी डालकर लीपापोती कर दी। नतीजा यह हुआ कि यहां बारिश का पानी भरने से दलदल जम गया।

उधर भांकरोटा की कॉलोनियों में लोगों के आक्रोश की खबर पाकर सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी मंगलवार को मौके पर पहुंचे। उन्होंने जमीन पर बैठकर ही लोगों की समस्याएं सुनी। कनक विहार और कमला नेहरू नगर में 40 फीट सड़क को दरिया की तरह बहता देखकर विधायक अशोक लाहोटी भी सन्न रह गए। उन्होंने मौके पर जलदाय विभाग, जेडीए और नगर निगम के अफसरों को फोन करके मौके पर बुलाया और नाराजगी जताई तो किसी से भी जवाब देते नहीं बना।

लाहोटी ने अफसरों को लताड़ते हुए पूछा कि कनक विहार और कमला नेहरू नगर और इसके आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले हजारों लोगों की आवाजाही तक आपने बंद कर दी। न लोग घर से निकल पा रहे हैं, न बच्चें स्कूल जा पा रहे है। यहां तक कि लोगों के सामने अपनी गाड़ियां खड़ी करने की दिक्कतें भी आ गई है। आखिर कलेक्टर की रोक के बावजूद यहां 15 फीट तक खड्ढ़े खोदकर पाइपलाइन डालने की जरूरत अचानक कहां से आ गई थी। अगर पाइपलाइन डाली भी जा रही थी तो पाइप लाइन के साथ ही सड़क पर मिट्टी-ग्रेवल डालकर रोलर चलाकर काम पुख्ता करना था। लोगों की गाड़ियां कीचड़ के बीच फंस रही है, लोग सीढ़ी लगाकर सड़क के एक तरफ से दूसरी तरफ आ रहे हैं, ऐसा क्यों?

इसके बाद विधायक अशोक लाहोटी ने जेडीए और नगर निगम के इंजीनियर्स को लताड़ते हुए कहा कि आपके क्षेत्राधिकार में जलदाय विभाग ने इतनी बड़ी सड़क खोदकर पटक दी, आखिर आप लोग कर क्या रहे थे? अब जानकारी न होने की बात कहकर आप लोग अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते। जलदाय विभाग के साथ-साथ जेडीए और नगर निगम भी इस घटनाक्रम में दोषी है। लाहोटी ने कहा कि वे जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित से मिलकर दोषी अफसरों की शिकायत करेंगे। इस प्रकरण में जेडीए के जोन-7 के अधिशाषी अभियंता दीपक माथुर ने बताया कि सड़क पर पाइपलाइन डालने की परमिशन तो हमने दी थी, लेकिन मानसून के दौरान यह काम करने की इजाजत नहीं थी। आपातकाल की स्थिति होने पर यह परमिशन कलेक्टर ही जारी करते हैं। इसके बावजूद जलदाय विभाग के ठेकेदार ने लापरवाही से काम करते हुए पूरी सड़क खोद डाली। वहीं नगर निगम के मानसरोवर जोन के अधिशाषी अभियंता से संपर्क करना चाहा, लेकिन उनका मोबाइल बंद था।

सार-समाचार

यादव समाज का परिचय सम्मेलन कल

जयपुर (कासं)। यादव समाज का विवाह परिचय सम्मेलन और गोठ 28 अगस्त को होगी। इसकी तैयारियों के लिए मंगलवार को कृष्ण माध्यमिक विद्यालय (यादव स्कूल), रामगंज में महिला यादव महासभा की अध्यक्ष फोरन्ता यादव के सानिध्य में नगर निगम कर्मचारी यूनियन की अध्यक्ष कोमल यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई, जहां कार्यक्रम की आगामी कार्ययोजना के बारे में चर्चा की गई। बैठक में जयपुर जिला अहीर सभा के अध्यक्ष महेन्द्र यादव, जिला पदाधिकारी कृष्ण कुमार यादव, विनोद यादव, समाज के वरिष्ठजन गोरधन यादव, सत्यनारायण यादव, गिर्राज यादव, वीरेन्द्र यादव, शम्भू लाल यादव, राहुल यादव, राधामोहन यादव, कान्हा यादव मौजूद रहे। इसी प्रकार जिला महिला पदाधिकारियों के साथ मधु यादव, शिल्पा यादव, निशा यादव, दीपिका यादव, ममता यादव, मीनाक्षी यादव, नेहा यादव, सुमन यादव, मोनिका यादव, बबली यादव, कौशल्या यादव, सुनीता यादव, भोरी देवी, बीना यादव और सुमन यादव मौजूद थे।

टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

जयपुर (कासं)। आजाद क्रिकेट क्लब की ओर से स्व. अजय यादव की स्मृति में प्रथम रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के मुख्य आयोजनकर्ता बलराम सिंह, नितिन श्रीवास्तव और प्रताप अजय यादव, मंजू राकेश बागड़ा पार्षद वार्ड 36, विकास डंगोरिया और गोविंद जैदिया रहे। प्रतियोगिता में सभी मैच नॉक आउट खेले गए। प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच पुरस्कार दिया गया। प्रताप अजय यादव ने विजेता टीम आजाद क्लब को 11 हजार रुपए नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। जबकि उप विजेता गोलू इलेवन टीम को 5100 रुपए नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार गोलू जैदिया को 1100 रुपए नकद के साथ ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

नीलकंठ महादेव मंदिर में सहस्त्रघट

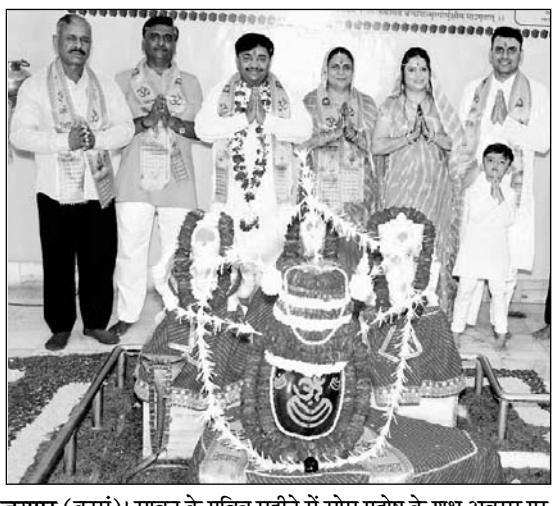

जयपुर (कासं)। सावन के पवित्र महीने में सोम प्रदोष के शुभ अवसर पर ज्योतिषाचार्य नरेन्द्र कुमार शर्मा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर श्री नीलकण्ठ महादेव मंदिर, अजमेर रोड पर सहस्त्र घट व रुद्र अभिषेक हुआ। इस मौके पर गुरु महाराज पंडित प्रेम नारायण, सन्तोष देवी, कमल, अर्चना शर्मा, प्रिंस बाबू, धीरेन्द्र, सौरभ, बनवारी लाल और सावंत सिंह राठौड़ समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ARBiT
it happens here...

Bank Account Bonus Month

When we consider opening up a new bank account we generally spend time trying to find on that doesn't charge too much fees; has the features we require and a physical branch located somewhere nearby. Bank Account Bonus Month reminds us to take a moment and think about opening a bank account that will pay us to do so. Throughout the world banks offer incentives to new customers in the form of 'Bank Account Bonuses' to entice people into opening a new account.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
27 July 2022
A-B

#PARENTING

Baby Behaviour

How speaking 'parentese' helps your baby learn to talk is indeed a must have tip for the parents of new age.

Name: Parentese.
Age: Popular since the mid-80s.
Sounds like: A bit like you're being patronised.

I don't like being patronised. Oh yes, you do! Yes you do! Yes you do, my little sweetheart!

What on earth are you doing? I'm talking parentese to you. And by the look of it, it's working. Yes it is! Yes it is!

Ok, let's track back a little. What is parentese? I'm glad you asked. It's a method of communicating with babies that utilises vowel hyperarticulation, pitch modification, slow speech rate and simplified wording.

One of the most smile-inducing milestones in a baby's life is when they manage their first word. But that magical moment could happen sooner, depending on the way parents or carers speak to the child.

Scientists have long suggested that babies prefer what's called parentese - when

mothers and fathers modulate their voice, including making it higher in pitch.

What is Parentese?

It's tempting to coo or babble at your newborn or even make up words like tootsies for toes and abandon all grammar.

But numerous studies have shown true baby talk actually involves using proper grammatical structures, speaking about an octave higher than normal, saying things more slowly, exaggerating the rise and fall of your voice and crucially leaving pauses to give baby a chance to respond.

All of this serves to make you sound happy and encourages your baby to engage in communication which is an important step in their cognitive and social development.

Imagine you and your baby are getting ready to go outside. While you put on their coat and shoes, you speak to them and maintain eye contact. "How is my sweet baby today?" you say. "Are you getting dressed? Yes you are, yes you are! Do you see your shoes? Where are your shoes? There they are! Who looks so handsome? You do! You look sooo handsome!" Your baby giggles and waves in excitement when your tone changes. You mirror their smile and respond similarly when they babble back to you. This communicative exchange may come naturally to you and your baby but it may be surprising to know you're actually practicing key elements of parentese speech.

Parentese is a type of speech in which a parent or caregiver mixes proper yet simple grammar and words with exaggerated sounds and tones to communicate with their baby. This type of speech is used in virtually all languages and is often characterized by repetition, elongated vowels, high pitch and slow tempo which are most effective in face-to-face interactions. A strategic use of inflection also encourages back-and-forth exchanges between parent and baby in order to familiarize the child with typical patterns of conversation. Parentese can be spoken to babies as early as six months.

Parentese & Baby Talk

Parentese and baby talk (also called babble) are both important factors in a baby's early language development, although they differ in construction. Baby talk is usually defined by silly sounds and wording (like 'goo googaga') that help a baby recognize different phonetic patterns and sounds. An infant may begin producing vowel sounds around two months as a result of their cooing and babbles. Baby talk is useful in developing an infant's understanding of early patterns of communication such as emotional tone and attention.

When babies are between four and seven months old they may begin to incorporate more sounds and pitches from an awareness of their babble with parents. This is where parentese can further aid in language development. With a familiarity of phonetic sounds and tone babies absorb more language skills through parentese's array of strategic tempos, pitches, inflections and sentence structures.

An easy way to think of baby talk is simplifying, while parentese is emphasizing. For example, baby talk may sound like, "Does teddy want wa-wa?" Parentese, on the other hand, might be: "Does the teddy bear want water?"

Benefits of Parentese

Parentese is highly effective because the high pitch and slower tempo serve as a 'social hook' for a baby's brain and encourages their response.

Surprisingly, parentese has also been found to encourage motor planning in infants. Non-invasive brain scans on babies who had listened to their parents use parentese speech found that both the auditory centres of the brain and the areas for motor planning were activated. This suggests that babies practice the movements to produce speech long before they begin talking (as early as seven months).

Chilling with Chillies

A handy guide to help you handle the flame

Coming back to where we started, the Mathaniya Mirchi can also play more than one culinary note on your plate. Apart from the ever so perfect role of adding its heat, culinary expert Andrew Rea has used it and other dried chillies by rehydrating them in a cup of warm water and then processing them with their liquid in a blender. This results in a very hot sauce as you can imagine but its the next part of simmering it with garlic, tomatoes, vinegar and a bit of brown sugar that results in a very tangy hot sauce that will give Tabasco and store bought sriracha a run for its money.

Shubham Agarwal
BhukkadBaniya, Food Blogger and Freelance writer

As a person born and brought up in the desert state of India, chillies have been an essential part of my everyday diet. More than just culture, this spiciness of Rajasthani food has served a deeper, more coherent purpose of thinning the blood which reduces the chances of heat stroke by increasing the blood circulation in our bodies.

How did the ancient physician arrive at such an accurate yet perplexing discovery is beyond me but what really put the seal on this deal of 'Believe-it-or-not' is that the famous Mathaniya Mirchi, which has been unofficial flag bearer of quintessential Rajasthani flavours is not native to our state. Or even our country!

It was first brought to India by the Portuguese in the 15th century to the ports of Goa and slowly made its way North to the dried land of Rajasthan, where it took such a stronghold that for the last 400 years it has been loved like a Rann Banka - the desert's own warrior. A warrior who has played an integral part in forging the glorious history of Rajasthan by aiding the fierce warriors that have lived on this land.

But this is not only a reminiscence of that glorious past. It is also a small peek into my present and maybe, just maybe, a small effort to change the way how you treat chillies in your future.

See, chilli as a fruit, doesn't seem very 'fruity' to most at the first glance, and they'd be somewhat correct.

The heat being its dominating and defining flavour, is what would deter most from even acknowledging its 'fruit' status, but I'd beg to differ and give them another chance to prove their versatility.

#MIRCHI

With over 4,000 different varieties, chillies have not solely been used for their heat. Some of these varieties are sour and zingy; some are sharp and some are the bitter spawn of the Devil himself which might result in an instant regret.

Weird Spicy Fruit

Apart from just the varieties themselves, cuisines around the world have employed multiple culinary techniques to bring out much more than just the angry heat that these pods carry.

Spanish and Mexican people, who were the first to get acquainted with this spicy fruit, have long used it in creative and rather weird ways but the end result has been a dish that is a culinary work of art, if not at least very palatable.

Mild chillies like Pappadew, which are varieties originating from Capsicums are tossed in salad bowls to cut through the richness of cheese and/or other protein(s). It also serves as an excellent pickling chilli.

On the other hand of this spectrum, a slightly hotter chilli Poblano, has been used in its dried form to spice up Bitter Dark Chocolate which has been an iconic, traditional recipe of Mexican cuisine.

I know what you might be thinking; I am naming all these exotic chilli varieties which are a little hard to get hold of at your regular sabziwala or even the Supermarket and thus it might not serve any purpose whatsoever but that's the interesting bit.

One doesn't need Guajillo or Poblano or even the readily available brined Jalapenos to spice up their food.

All you need to employ is the same techniques that these cuisines use to unlock these exoctic myriad flavours.

Would you believe if I told you that some of you might have already been doing something similar for most of your lives?

Serving the Purpose

I am talking about the simple, rustic yet supremely satisfying 'Flame grilled Chilli' with a dash of lemon and tinge of salt.

If you've never heard of it, ask the elders in your house because I bet there's barely an elderly person who has not had a dinner which included this Two-Minute recipe.

All you have to do is to take a fresh green chilli, one that is not overly bitter and put it on an open flame. It will pop, sizzle and get a little charred but that is okay.

It's these charred dots that will add a smoky aroma to the otherwise zingy, sharp chilli.

Add the aforementioned two condiments to it and you will have a rustic side dish that will add a bit of tangy heat to your bite.

If by mistake or wilful negligence your chilli is black with charr, rather than being beautifully bespeckled, worry not. Wrap it completely in some foil paper and wait for a miracle you're about to taste.

In 3-5 minutes, the chilli will steam and sweat from its own moisture, essentially getting baked in the small sauna you just created.

All you have to do next is to remove all of the black charr with a paper napkin and you'll have a glistening steamed pepper underneath it which will be so sweet in taste that you could eat it by the spoonful.

Just remember to avoid the seeds as those puppies are a bit hard to turn around in their bitter flavour profile.

Talking about the bitterness, an easy way to tell a bitter chilli from one that is sharp and zingy is to just take a look.

Rule of thumb says - "Small guy-Heat and Sweat, Fat boy - A sweeter bet", so avoid grilling the tiny ones because they will have their revenge, that very day or next.

This rule of thumb finds its origins in the general classification of chillies and peppers as the ones belonging to the capsicum class generally tend to be sweeter and fatter.

The other end of this heat spectrum right opposite to the bitter heat one ideally should be the sweeter side of chilli but I happen to find that it is not so. That end belongs to the bland tasting chillies that are devoid of any flavour, including the fresh zing and peppery bite.

Such bland chillies can also serve a purpose which is quick, easy and boosts any savoury dish with a sweet, sour and umami flavour.

This can be achieved by simply pickling the chillies with a hot vinegar-salt-sugar brine which is spiced with your favourite spices like mace, cinnamon, star anise to name a few.

Coming back to where we started, the Mathaniya Mirchi can also play more than one culinary note on your plate. Apart from the ever so perfect role of adding its heat, culinary expert Andrew Rea has used it and other dried chillies by rehydrating them in a cup of warm water and then processing them with their liquid in a blender.

This results in a very hot sauce, as you can imagine but its the next part of simmering it with garlic, tomatoes, vinegar and a bit of brown sugar that results in a very tangy hot sauce that will give Tabasco and store bought sriracha a run for its money.

As I have always claimed, we live in a big world that has been made small by the exchange of information but with a bit of creative thinking, tinkering and getting to truly know what you have in your hands, we can make it a global backyard where we are not limited by availability of ingredients but only by the far reaches of our imagination and ingenuity.

writetoarbit@rashtradoot.com

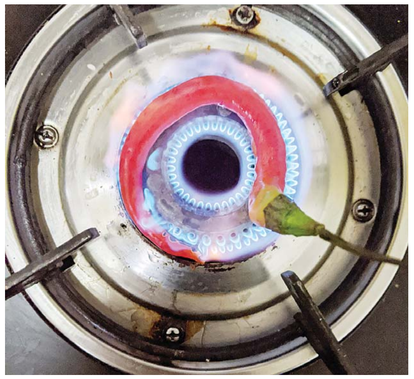

Chilli as a fruit, doesn't seem very 'fruity' to most at the first glance, and they'd be somewhat correct as heat being its dominating flavour make many to even acknowledge it to its 'fruit' status, but I beg to differ here and give them another chance to prove their versatility.

> As I have always claimed, we live in a big world that has been made small by the exchange of information but with a bit of creative thinking, tinkering and getting to truly know what you have in your hands, we can make it a global backyard where we are not limited by availability of ingredients but only by the far reaches of our imagination and ingenuity.

#DEMOGRAPHICS

Fear of Robotics

There is a wide interest in understanding the labour market effects of robots -- how robots affect the employment and wages of workers, particularly in the manufacturing sector," says Osea Giuntella, assistant professor of economics at the University of Pittsburgh and an expert in labour economics and economic demography. "However, we still know very little about the effects on physical and mental health."

Using data from the OSHA Data Initiative, the team found injuries were reduced by 1.2 cases per 100 workers when a regional labour market experienced an increase in robot exposure.

Meanwhile the areas with more people working alongside robots had a significant increase in alcohol or drug related deaths 37.8 cases per 100,000 people as well as a slight increase in mental health issues and suicide rates.

"On one hand robots could take on some of the most strenuous, physically intensive and risky tasks reducing [human] workers' risk," Giuntella says. "On the other hand the competition with robots may increase the pressure on workers who may lose their jobs or be forced to retrain."

With the help of Luca Stella from Freie Universität Berlin, the team also investigated whether these trends were unique to the US. According to their analysis German workers saw a 5% decrease in injuries but no significant mental health changes when exposed to robotics.

"Robot exposure did not cause disruptive job losses in Germany; Germany has a much higher employment protection legislation," says Rania Gihleb, an assistant professor in the economics department at the University of Pittsburgh. "In contexts where workers were less protected, competition with robots was associated with a rise in mental health problems."

"There has been an intense debate on the effects of robotics and automation on labour market outcomes but we still know little about how these structural economic changes are reshaping the key life-course choices," says Giuntella.

#FORCE FIELD

Earth's Magnetic Field

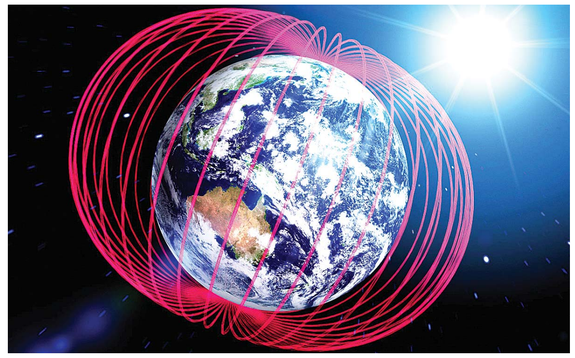

Ancient rocks hold clues to how Earth can sustain life avoiding a Mars-like fate.

Around 2800 kilometres below where you are standing right now, there is a large amount of molten iron swirling around and generating our planet's magnetic field. This magnetic field may be invisible but it is vital for life on Earth since it shields the planet from streams of radiation from the sun known as solar wind.

But around 565 million years ago our planet's magnetic field decreased to less than ten per cent of its strength today. Then,

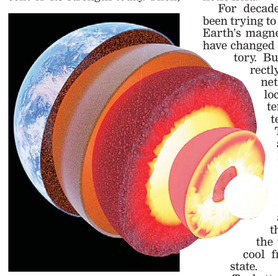

almost mysteriously the field regained its strength just before the Cambrian explosion or the 'biological big bang' when various phylae and species of multicellular life emerged on earth.

A new paleo-magnetic research study published in Nature Communications says that this rejuvenation of the magnetic field happened within the span of a few tens of million years (which is rapid in a geological contact) and also coincided with the formation of Earth's solid inner core. This suggests that the core is likely a direct cause of the rejuvenation.

"The inner core is tremendously important. Right before the inner core started to grow, the magnetic field was at the point of collapse but as soon as the inner core started to grow the field was regenerated," said John Tarduno, corresponding author of the paper, in a press statement. Tarduno is the William R Kenan, Jr Professor of Geophysics in the Department of Earth and Environmental Sciences and dean of research for Arts, Sciences & Engineering at the University of Rochester.

Our planet's magnetic field is generated in its outer core which lies between the Earth's mantle and the solid inner core. The solid inner core is composed of an outermost inner core and innermost inner core. In the outer core swirling liquid iron generates electric currents due to a geo-dynamo process and in turn these electric currents induce the magnetic field.

For decades scientists have been trying to figure out how the Earth's magnetic field and core have changed throughout or history. But they cannot directly measure the magnetic field due to the location and extreme temperatures of materials in the core. Thankfully, minerals that rise to Earth's surface from the core contain tiny magnetic particles that lock in the direction and intensity of the magnetic field at the time the minerals cool from their molten state.

To better understand the age and growth of the inner core, Tarduno and his team used a carbon dioxide laser and a superconducting quantum interference device (SQUID) magnetometer to analyse particular mineral crystals from the rock anorthosite. These 'feldspar' minerals have minute magnetic needles within them that Tarduno calls 'perfect magnetic recorders'.

By studying the magnetism 'locked' in these ancient crystals, researchers were able to deduce two important events in the history of the Earth's inner core.

First, the formation of a solid inner core happened about 550 million years ago. Researchers attribute the rapid renewal of the magnetic field at the same time to this formation and deduce that the solid inner core recharged the molten outer core and restored the magnetic field's strength.

Second, the growing inner core's structure changed about 450 million years ago. This marked the boundary between the innermost and outermost inner core. The mantle that lies above the core also saw some changes around the same time due to plate tectonics on the surface.

"Because we constrained the inner core's age more accurately, we could explore the fact that the present day inner core is actually composed of two parts. Plate tectonic movements on Earth's surface indirectly affected the inner core and the history of these movements is imprinted deep within Earth in the inner core's structure," added Tarduno in the press statement.

Researchers believe that Mars once had a magnetic field that later dissipated leaving the planet ocean-less and vulnerable to solar winds. While it is not easy to conclude that the Earth would have met the same fate without the magnetic field and our planet would have lost a lot more water if the field was not generated.

By understanding how these processes work scientist get insights into how other planets could also form magnetic shields and sustain the conditions needed to harbour life as we know it.

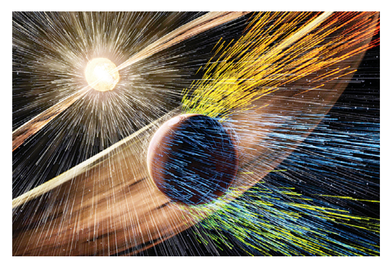

THE WALL

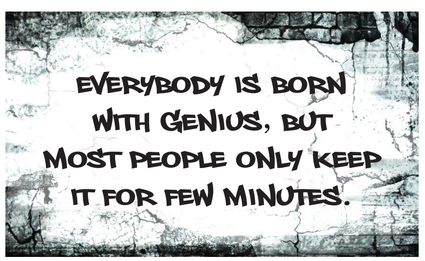

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

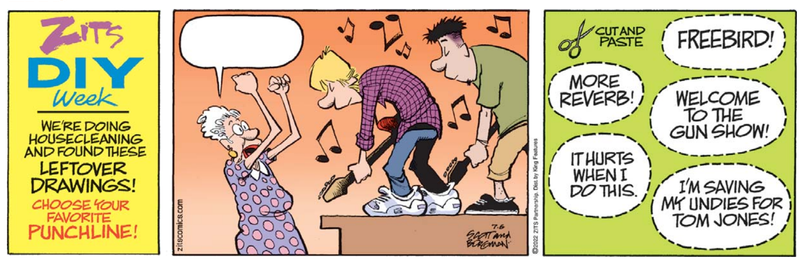

राजस्थान उच्च न्यायालय ने प्रशासन से जवाब मांगा

मोटर यान दुर्घटना दावेदारों को समय पर अवार्ड राशि का वितरण नहीं करने का मामला

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश विजय बिश्नोई और न्यायाधीश मदन गोपाल व्यास ने राजस्थान उच्च न्यायालय प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे एक सप्ताह के भीतर नया विवरण पेश कर बताएं कि जोधपुर में मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरणों में मुआवजे की राशि जमा होने के कितने समय बाद दावेदारों को वितरित की गई।

जिला अभिभाषक संघ, बांसवाड़ा की जनहित याचिका में यह आक्षेप लगाए जाने पर कि जोधपुर अधिकरण में दावा राशि जमा हो जाने के बावजूद कई माह तक दावेदारों को समय पर अवार्ड राशि का वितरण नहीं किए जाने से

- **एक सप्ताह के भीतर राशि वितरण की रिपोर्ट मांगी**

वे अपनी राशि का समय पर सदुपयोग नहीं कर पाते है और ब्याज का अलग से नुकसान हो रहा है।इस पर गत 7 जुलाई को मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने हाईकोर्ट प्रशासन को निर्देश दिए थे कि वे इस बाबत विस्तृत तालिका बनाते हुए यह विवरण भी दें कि इनका समय पर भुगतान नहीं होने की क्या वजह है और कितने आवेदन लंबित है।

खंडपीठ में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की ओर से जो तालीकानुमा विवरण पेश किया गया, उसकी स्थिति साफ नहीं होने पर न्यायाधीश विजय बिश्नोई और न्यायाधीश मदन गोपाल व्यास ने एक सप्ताह का और समय देकर बेहतर और स्पष्ट तालिका विवरण पेश करने का हाइकोर्ट को समय दिया।

ट्रक में आग लगने से हेल्पर जिंदा जला

हनुमानगढ़ , जिले के पीलीबंगा कस्बे में मंगलवार अलसुबह चलते ट्रक में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया और हेल्पर जिंदा जल गया। पुलिस ने लोगों की मदद से ड्राइवर को बाहर निकाला और हनुमानगढ़ हॉस्पिटल में भर्ती कराया। सूचना पर फायर ब्रिगेड का गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। ट्रक में आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। उधर एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हादसे से 15-20 मिनट पहले यही ट्रक पीलीबंगा रेलवे स्टेशन के सामने डिवाइडर पर चढ़ा नजर आ रहा है।

एसआई हरबंश सिंह ने बताया कि अलसुबह सूचना मिली कि 33 एसटीजी अमरपुरा राठान के पास ट्रक में आग लग गई है। इस पर पुलिस मौके

- **सुबह पीलीबंगा रेलवे स्टेशन के सामने डिवाइडर पर चढ़ा था ट्रक, ड्राइवर घायल**
- **ड्राइवर नशे में धुत नजर आ रहा था**

पर पहुंची और लोगों की मदद से ड्राइवर को बाहर निकालकर बेसुध हालत में पीलीबंगा हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। भीषण आग के चलते हेल्पर बाहर नहीं निकल पाया और जिंदा जल गया। हेल्पर की पहचान नहीं हो पाई है। एसआई ने बताया कि ड्राइवर की पहचान बुगड़सिंह उर्फ बट्टा पुत्र करनैल सिंह निवासी मानसा (पंजाब) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार ड्राइवर ट्रक में सल्फर भरकर बठिंडा (पंजाब) से तारापुर (महाराष्ट्र) जा रहा था।

स्थानीय निवासी नेमीचंद शर्मा ने बताया कि यह ट्रक अलसुबह 4 बजकर 50 मिनट पर पीलीबंगा रेलवे स्टेशन के सामने डिवाइडर पर चढ़ गया था। इस पर लोगों ने उसको समझाया था कि सुबह आराम से ट्रक निकाल लेना, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद ड्राइवर ने ट्रक को आगे-पीछे कर डिवाइडर तोड़ दिया और ट्रक लेकर चला गया। उस समय ड्राइवर नशे में धुत नजर आ रहा था। पीलीबंगा से 10-15 किमी चलते ही ट्रक में आग लगने के सूचना मिली जो दु:खद है।

उदयपुर के मदार बांध क्षेत्र में सवा इंच बारिश हुई

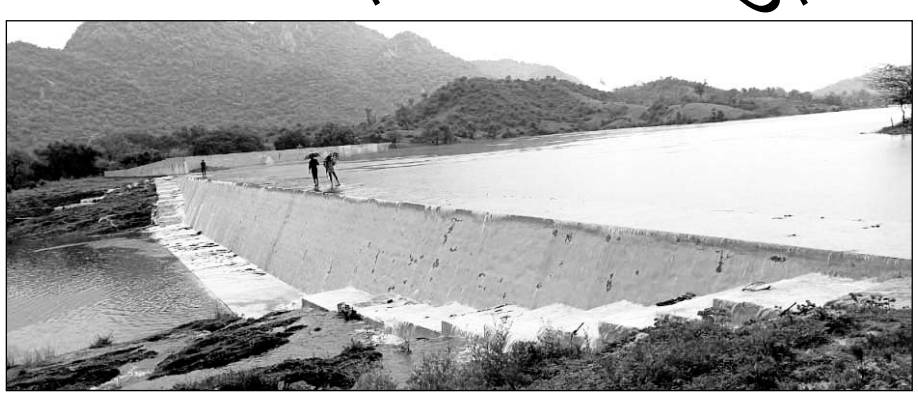

उदयपुर में मदार छोटा तलाब पर मंगलवार को चादर चल गई।

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की फतहसागर झील को भरने वाले प्रमुख तालाब मदार बड़ा व छोटा दोनों ही छलककर इन पर चादर चल रही है। मदार बड़ा का पानी 14 जुलाई से फतहसागर में आ रहा है वहीं मदार छोटा पर मंगलवार सुबह चादर चलने के साथ ही इसका पानी भी फतहसागर में आने लगा है। इधर, शाम 5 बजे तक समाप्त बीते 12 घंटों में जहां शहर में रूक-रूक कर बूंदाबांदी हुई वहीं जिले के मदार में 34 मिमी (सवा इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। फतहसागर झील का जलस्तर 9 फीट 8 इंच हो गया है।

लेकसिटी में मदार छोटा छलकने

- **मदार छोटा तालाब पर चादर चली**
- **मदार नहर से तेज हुई आवक**

से मदार नहर से हो रही आवक में और तेजी आ गई है। चिकलवास हेड जो सोमवार को 2 फीट 3 इंच बह रही थी वह आज 3 फीट 8 इंच हो गई वहीं चिकलवास टेल 1 फीट 2 इंच से बढ़ कर 2 फीट 2 इंच के वेग से बहती हुई मदार नहर के जरिए फतहसागर में आ रही है। सीसारमा नदी आज भी एक फीट के वेग से बहती रही। फतहसागर झील का जलस्तर 9 फीट 8 इंच हो गया है। यह 3 फीट 4 इंच खाली रह गया है। वहीं पीछोला झील का जलस्तर 6 फीट 5 इंच बना हुआ है। पूर्ण भराव क्षमता 11 फीट से यह 4 फीट 7 इंच खाली है।

सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार प्रात: 8 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में जिले में स्वरूपसागर पर 4 मिमी, देवास स्टेज प्रथम पर 20, नाई 3, वल्लभनगर 12 व बागोलिया में 25 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। शाम 5 बजे समाप्त बीते 12 घंटों में जिले के मदार में 34 मिमी व बागोलिया में 5 मिमी बरसात हुई है।

चयन स्पर्धा कल से

चूरू, (कासं)। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा वर्ष 2022 . 23 की अनुपालना में जिले के राजगढ़, सादुलपुर में स्थापित हुई कबड्डी की खेल अकादमी के लिए 15 .15 बालक व बालिका खिलाड़ियों के लिए 28 से 29 जुलाई तक चयन स्पर्धा का आयोजन महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अंग्रेजी माध्यम सादुलपुर, तहसील राजगढ़, चूरू में किया जायेगा।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि चयन स्पर्धा के दौरान 28 जुलाई को खिलाड़ियों का पंजीकरण, मेडिकल, बैट्री टेस्ट इत्यादि होंगे। 29 जुलाई को खेल कौशल का परीक्षण किया जायेगा। आयु की गणना 01.07.2022 के अनुसार 14 से 18 वर्ष तक के मध्य होनी चाहिए। खिलाड़ी किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त नहीं होना चाहिए। गम्भीर बीमारी पाये जाने पर खिलाड़ी का अकादमी से निष्कासित कर दिया जायेगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं खिलाड़ी व अभिभावक की होगी। राजस्थान के मूल निवासी खिलाड़ी जिसने पिछले तीन सालों में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त किया होए उसे प्राथमिकता दी जाएगी। चयन स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को यात्रा, आवास व भोजन सहित सभी प्रकार के खर्च स्वयं को वहन करने होंगे। इसी प्रकार चयन स्पर्धा के दौरान खिलाड़ी के साथ किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर भी स्वयं संबधित खिलाड़ी जिम्मेदार होगा।

जानवर ने सात से अधिक भेड़ों का शिकार किया

पंचायत महावा की ढाणी निचली में मृत पड़ी भेड़ें।

पाटन, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत महावा की ढाणी निचली में स्थित सुगन सिंह गुर्जर के घर के पास बने बाड़े में हिंसक जानवर ने सात से अधिक भेड़ों का शिकार कर मौत के घाट उतार दिया वहीं करीब 8-10 भेड़ों को घायल कर दिया।

जानकारी के अनुसार सुगन सिंह गुर्जर भेड़ों का पालन-पोषण कर अपने परिवार का पेट भरता है। विगत रात्रि उसने अपने बाड़े में लगभग 50 भेड़ों को बंद किया। सुबह उठकर देखा तो बाड़े में सात से अधिक भेड़ें मरी हुई थी तथा 8-10 भेड़ घायल अवस्था में पड़ी थी।

- **बाड़े में घुस करीब 8-10 भेड़ों को घायल भी कर दिया**

सभी भेड़ हिंसक जानवर द्वारा शिकार हुई हैं। गौरतलब है कि इन दिनों वन क्षेत्र में रहने वाले हिंसक जानवर गांव की तरफ आने लगे हैं और ये हिंसक जानवर पशुओं का शिकार कर उनको मार देते हैं। पूर्व में भी इस तरह की कई घटनाएं घट चुकी हैं। इस बारे में पहले भी वन विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है परंतु विभाग भी संसाधनों के अभाव में पंगु बना हुआ है। स्थानीय समाजसेवी हंसराज सिराधना ने जानकारी देते हुए बताया कि सुगन सिंह गुर्जर की स्थिति बहुत दयनीय है तथा भेड़-बकरी पाल कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। हिंसक जानवर के द्वारा किए गए शिकार से सुगन सिंह की 8-10 भेड़ों की मौत हो गई तथा 8-10 भेड़ गंभीर रूप से घायल हैं। उनका भी बचना मुश्किल है। ऐसे में उसकी आर्थिक स्थिति और भी खराब हो गई है। सिराधना ने प्रशासन से गुहार करते हुए गरीब व्यक्ति की मदद करने की मांग की है।

सौ साल से बंद रास्ते को खुलवाया

गंगापुर सिटी (निस)। वजीरपुर उपखंड क्षेत्र के गांव खंडीप में तहसीलदार अजय मीना ने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दिया। खसरा नंबर 1036 एवं 4207 गैर मुमकिन रास्ता जो कि सौ साल से बंद था उस पर ट्रैक्टर और बुलडोजर चलवाकर अतिक्रमण हटवा दिया। मौके पर मय पुलिस जाप्ते के कार्यवाही होने से अतिक्रमियों में भय व्याप्त हो गया। तरहसीलदार अजय मीना

- **तहसीलदार ने गैर मुमकिन रास्ते पर पुलिस की मौजूदगी में ट्रैक्टर और बुलडोजर चलवाकर अतिक्रमण को हटवाया**

ने बताया कि खंडीप गांव में दो जगह अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गयी। एक जगह सौ साल से बंद रास्ते से अतिक्रमण हटाया वहीं दूसरी ओर खसरा नंबर 3491 व 3571 पर चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त और कड़ी कार्यवाही कर उन्हें साठ दिन का सिविल कारावास भेजकर चारागाह की जमीन पर बोई फसल को ट्रैक्टर चलवाकर नष्ट किया । यह मामला उच्च न्यायालय में भी विचाराधीन है। तहसीलदार अजय मीना का यह प्रयास और जल्दी न्याय की कार्यवाही प्रशंसनीय कार्य है।

झरने में बहे युवक को बचाया

जोधपुर , (कासं)। शहर में सोमवार की शाम को शुरू हुआ बारिश का दौर आज दूसरे दिन भी जारी रहा। सुहावने मौसम को आनंद लेने को लोगों का हुजूम पर्यटन स्थलोओं की तरफ उमड़ रहा है। विभिन्न पिकनिक स्पॉटों पर पुलिस ने बेरिकेड लगाकर रास्ते भी रोके

- **बेरीगंगा झरने में बहा था युवक**
- **पुलिस ने बेरिकेड लगाकर पिकनिक स्पॉटों पर जाने वाले रास्ते रोके**

हैं ताकि जन हानि से बचा जा सका। इधर दोपहर में बेरीगंगा में चल रहे झरने में नहाने के लिए गई लोगों की भीड में एक युवक का पैर फिसलने से वह पानी में बह गया।

एसीपी मंडोर राजेंद्र प्रसाद के अनुसार युवक पैर फिसलने से झरने के पानी में बहा मगर उसे बचा लिया गया। ऐहतियात के तौर पर पुलिस बल को तैनात रखा गया है। इधर प्रशासन और पुलिस ने कायलाना के चारों तरफ बेरिकेड लगाकर रास्तों को रोकने के साथ पानी की तरफ लोगों को जाने की मनाई की जा रही है। मौके पर एसडीआरएफ, सिविल डिफैंस और स्थानीय गोताखोरों को भी तैनात रखा गया है, ताकि जनहानि से बचा जा सके।

यूथ कांग्रेस का धौलपुर जिला अध्यक्ष नीरू पंडित दिल्ली से गिरफ्तार

कांग्रेस ने सरकारी एजेंसियों के दुरूपयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया।

धौलपुर, (निसं)। सरकारी एजेसियों के दुरूपयोग के खिलाफ कांग्रेस ने दिल्ली में संसद से लेकर राजीव चौक तक पैदल मार्च किया। इसके साथ ही राज घाट पर कांग्रेस सांसद सत्याग्रह करना चाहते थे लेकिन पुलिस ने सांसदों को राजीव चौक पर ही रोक दिया और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को गिरफ्तार कर लिया गया।

- **राज घाट पर कांग्रेस सांसदों के सत्याग्रह से पूर्व राजीव चौक पर ही रोका**

इस दौरान यूथ कांग्रेस धौलपुर के पुरानी छावनी निवासी ज़िलाध्यक्ष नीरू पंडित को भी दिल्ली के कार्यालय से उनके साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया और उनको दिल्ली के एक थाने में रखा गया, जहां पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने थाने में ही सत्याग्रह जारी रखा।

इस दौरान ज़िलाध्यक्ष पंडित ने कहा कि देश में से लोकतंत्र खत्म किया जा रहा है और तानाशाही को बढ़ ाया जा रहा है। हम इसे बर्दास्त नहीं करेंगे।

पानी की निकासी के लिये 11.37 करोड़ जारी

चूरू, (कासं)। चूरू के गंदे पानी की निकासी एवं गिनाणी की समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकार द्वारा भेजे गए 11.37 करोड़ रुपए के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार की अमृत एपेक्स कमेटी ने स्वीकृति जारी की है। राजस्थान राज्य महिला आयोग अध्यक्ष रेहाना रियाज ने बताया कि उच्च स्तर पर उनके द्वारा किए गए ध्यानाकर्षण के बाद राज्य सरकार की ओर से अमृत 2.0 में योजना में 11.37 करोड़ का प्रस्ताव अमृत योजना के केंद्रीय मिशन डायरेक्टर को भेजा गया था। इस पर मिली स्वीकृति के बाद इस समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। राजस्थान महिला आयोग अध्यक्ष ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोतए नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवालए जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग सहित प्रोजेक्ट में विशेष रूचि लेने के लिए उच्चाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। रेहाना रियाज ने बताया कि पिछले कई दशकों से चूरू इस समस्या को झेल रहा है और उन्होंने बताया कि बरसात के दौरान गिनाणी के ओवरफ्लो होने से विभिन्न प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं तथा जनजीवन बाधित हो जाता है। आबादी क्षेत्र में पानी भरने से लोगों की जान पर बन आती है और सड़क एवं रास्ते बाधित हो जाते हैं। यह प्रोजेक्ट स्वीकृत होने से समस्या का समाधान होगा और लोगों की जीवन में बेहतरी आएगी।

तीन दिन से खाना नहीं दिया तो किया सुसाइड

ससुराल वालों की मारपीट से परेशान थी विवाहिता

हनुमानगढ़। ससुरालवालों की मारपीट से परेशान एक विवाहिता ने ढाई साल की मासूम बेटी के साथ कुंड में छलांग लगाकर सुसाइड कर ली।

पति के दूसरी महिला से अवैध संबंध, रोजाना मारपीट करने और 3 दिन से खाना नहीं दिए जाने से परेशान एक विवाहिता ने ढ ाई साल की मासूम बेटी के साथ कुंड में छलांग लगाकर सुसाइड कर ली। इससे पहले उसने 2 पेज का सुसाइड नोट लिखकर उसमें अपना पूरा दुख बयां किया है। मामला हनुमानगढ़ जिले के गोगामेड़ी थाना क्षेत्र का है।

भादरा सीओ सुनील कुमार झाझड़िया ने बताया कि सुभाष पुत्र शिशपाल कुम्हार निवासी चिड़ियागांधी तहसील भादरा ने गोगामेड़ी पुलिस थाने में सोमवार रात करीब 11 बजे केस दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया कि उसकी भतीजी सोनू (25) की शादी करीब 4-5 पहले गांव नेठराना निवासी संदीप कुमार के साथ हुई थी। सोनू का पति संदीप कुम्हार पुत्र देवीलाल, ससुर देवीलाल और सास सुखी देवी उसकी भतीजी से मारपीट करते थे। सोमवार

- **2 पेज का सुसाइड नोट लिखकर मासूम के साथ कुंड में लगाई छलांग**

शाम करीब 6 बजे सूचना मिली कि उसकी भतीजी सोनू और उसकी ढ ाई साल की पुत्री हेमू उर्फ हिमांशी की लाश ससुराल में बनी कुंड के पानी में तैर रही है। ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज के लिए सोनू और उसकी पुत्री की हत्या कर दी। पुलिस ने शवों को कुंड से निकालकर गोगामेडी अस्पताल में रखवाया। पुलिस ने मंगलवार को विवाहिता और उसकी बेटी के शव पोस्टमार्टम करवा पीहर पक्ष को सौंप दिए। मामले की जांच भादरा सीओ सुनील कुमार झाझड़िया कर रहे हैं। मृतका एमए तक पढ़ ी लिखी थी और हाउस वाइफ थी। मृतका का पति कोई काम नहीं करता था।

गोगामेड़ी पुलिस को सोनू के ससुराल से 2 पेज का सुसाइड नोट बरामद हुआ है। सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि वह अपनी बेटी हेमू उर्फ हिमांशी को साथ लेकर सुसाइड करने जा रही है। उसका पति संदीप कुमार उसके साथ हर बार बेवजह बेरहमी से मारपीट करता है। दो दिन पहले उसके पेट में दर्द था और वह सो रही थी। तब संदीप आया और उसके साथ मारपीट की। संदीप ने कहा कि जब वह रात को शराब पी रहा था तो उसने उसे कॉल क्यों की। तब उसने कहा कि यह पूछने के लिए कॉल की थी कि कब तक घर आएंगे। सुसाइड नोट में सोनू ने अपने पति के किसी अन्य लड़की के साथ अवैध संबंध होने की बात का जिक्र करते हुए लिखा कि वह अपने पति को कई बार उस लड़की से बात करते सुन चुकी थी। संदीप कुमार ने उसे तीन दिन से खाना खाने नहीं दिया। इससे परेशान होकर वह खुद को खत्म करने जा रही है। सुसाइड नोट के दूसरे पेज पर सोनू ने लिखा है कि कुछ समय उनके घर में चोरी हुई थी। तब उसके पति ने ही अपनी जानकार महिला मित्र को देने के लिए रुपए चोरी किए थे, जबकि नाम किसी और का लगा दिया था ताकि पैसे भी वापस आ जाएं और उसका नाम भी न आए।

सतर्कता जांच में लापरवाही बरतने पर एईएन निलंबित

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने सर्तकता जांच में ल ापरवाही बरतने वाले अफसरों पर सख्त कार्यवाही करते हुए सहायक अभियंता राहुल चवल को निल ंबित कर दिया है। इसके साथ ही अधिशासी अभियंता के.सी.मीणा एवं सहायक अभियंता आर.पी.बैरवा को चार्जशीट दी गई है।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एनएस निर्वाण ने मंगलवार को पंचशील स्थित मुख्याल य पर विजिलें स विंग की समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक द्वारा वृत्तवार सभी अधिकारियों के कार्य की समीक्षा की गयी। इस दौरान कार्य में ल ापरवाही बरतने वाल ` अफसरों को डिस्कॉम एमडी निर्वाण ने फटकार ल गायी । एक सहायक अभियंता को निल ंबित एवं एक अधिशासी तथा अभियंता तथा एक सहायक अभियंता को चार्जशीट देकर उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक

- **दो अभियन्ताओं को मिली चार्जशीट**

कार्यवाही की है।

प्रबंध निदेशक श्री एन. एस. निर्वाण ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ल गातार फील्ड में जाकर हाई वैल्यू कंज्यूमर तथा अधिक छीजत वाल ` फीडरों की निरंतर सघन जांच करें। इससे फीडर पर होने वाली छीजत में कमी आएगी तथा निगम के राजस्व में भी बढ़ ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि हाई वैल्यू कंज्यूमर के यहां विद्युत खपत के अनुसार बिलि ंग होना सुनिश्चित हो, इसके लि ए सभी सर्तकता अधिकारियों को नियमित रूप से इन उपभोक्ताओं के यहाँ सघन जांच करनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अल सुबह बिजल ी चोरी से संभावित क्षेत्रों में छापे मारें। चोरी पायी जाने पर बिजली चोरों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्यवाही करें।

पैसेंजर ट्रेन अब जूनाखेड़ा तक

कोटा, (निसं)। रेलवे प्रसाशन ने कोटा से झालावाड़ के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 05838/05837 का संचालन रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की सहमति से अब जूनाखेड़ा तक चलाने का निर्णय लिया है ।

गाड़ी संख्या 05838 कोटा से जूनाखेड़ा कोटा से प्रतिदिन सुबह 06.45 बजे प्रस्थान कर जूनाखेड़ा 09.40 बजे पहुंचेगी तथा गाड़ी संख्या 05837 जूनाखेड़ा से प्रतिदिन सुबह 10.05 बजे प्रस्थान कर दोपहर 12.55 बजे कोटा आएगी। रेल प्रसाशन ने इसकी समय सारणी जारी कर दी है वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि इसके संचालन तिथि की घोषणा कोटा मंडल द्वारा शीघ्र जारी की जायेगी। अभी तक केवल झालावाड़ सिटी तक ही ट्रेन सेवा उपलब्ध थी, रेलवे लाइन का विस्तार होने के बाद ट्रेन को जूनाखेड़ा तक बढ़ाया जा रहा है।

टोंक कलेक्टर ने शिक्षिका बन छात्रों को पढ़ाया

कलेक्टर ने कक्षा आठ में गणित व अंग्रेजी विषय पढ़ाये

टोंक/ देवली (निसं)। जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने मंगलवार को पंचायत समिति देवली की ग्राम पंचायत गैरोली एवं ग्राम भरना में जिला कलेक्टर ने शिक्षिका बन विद्यार्थियों को पढ़ाया। उन्होंने कक्षा 8 में गणित व अंग्रेजी की कक्षाएं ली। पढ़ाने के दौरान जिला कलेक्टर ने विद्यार्थियों के शैक्षिणिक स्तर को भी परखा।

जिला कलेक्टर ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ग्राम भरना में कक्षा 8 में विद्यार्थी प्रिया, महादेव एवं नरेन्द्र से ब्लैक बोर्ड पर सवाल हल कराए। शिक्षक विकास दाधीच को गणित में विद्यार्थियों के कॉन्सेप्ट एवं फण्डामेंटल ठीक तरह से समझाने के निर्देश दिए ताकि बच्चों का गणित विषय से डर दूर हो। उन्होंने विद्यार्थियों के किए गए बेस लाइन सर्वे के डाटा का अवलोकन किया। बेस लाइन सर्वे

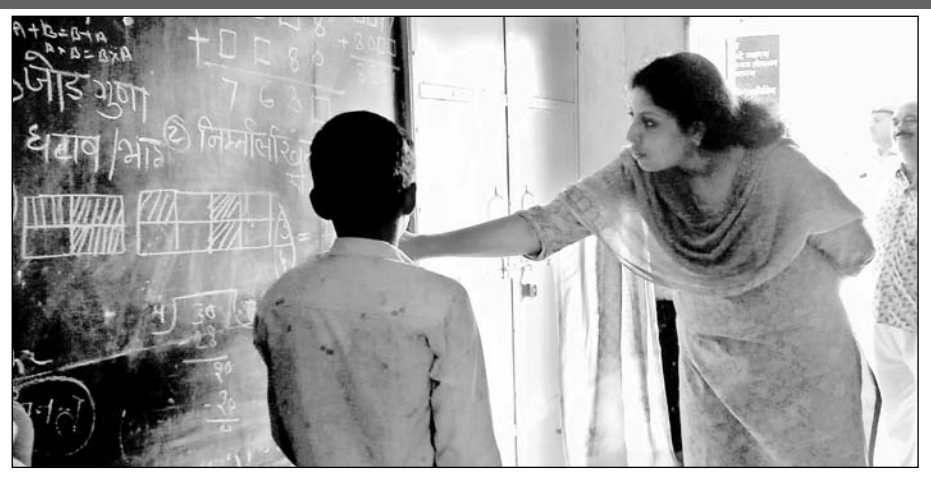

जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल छात्रों का स्तर जांचते हुये।

में मिली रैंकिंग के आधार पर विद्यार्थियों से सवाल-जवाब किए । बेस लाइन सर्वे के डाटा की वास्तविकता की जिला कलेक्टर ने सराहना की। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गैरोली में अंग्रेजी विषय की

- **विद्यार्थियों के कॉन्सेप्ट एवं फण्डामेंटल ठीक तरह से समझाने के निर्देश दिए**

कक्षा के दौरान बच्चों से वाक्य लेखन कराया गया। जो कि विद्यार्थियों द्वारा नहीं कर पाने पर जिला कलेक्टर ने अंग्रेजी विषय के शिक्षक को प्रतिदिन डिक्टेशन कराने पर जोर दिया ताकि विद्यार्थियों का शब्दकोश बेहतर हो सके। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी देवली भारत भूषण गोयल, शिक्षा विभाग के एडीपीसी रमेश सिंह, सीबीईओ मोतीलाल भी मौजूद रहे।

24 घंटे में पाली के सोजत में 105 मिमी बारिश दर्ज

पाली के मारवाड़ जंक्शन में 87 मिमी बरसात हुई

पाली, (नि.सं.)। 26 जुलाई पाली जिले के बगड़ी नगर के निकट स्थित 9 पुलिया के निकट सड़क पर बरसाती पानी बहने से यातयात बाधित।

जिले भर में अच्छी बरसात है। पाली शहर में सोमवार दोपहर बाद बरसात का दौर शुरू हुआ जो मंगलवार दिन भर जारी रहा। वहीं सोजत, मारवाड़ जंक्शन तहसील क्षेत्र में सोमवार देर रात से बरसात शुरू हुई जिससे सड़कों पर पानी का रैला बह निकला। पिछले 24 घंटों में सोजत में 105 और मारवाड़ जंक्शन में 87 मिमी बरसात हुई। इसके साथ ही जिले के देसूरी, सादड़ी, रानी, बाली, तखतगढ़, रायपुर, जैतारण सहित अन्य क्षेत्रों में भी बरसात हुई। नाना-बेड़ा क्षेत्र में अच्छी बरसात होने से बेड़ा नदी से पानी जवाई बांध की ओर पहुंचने लगा है। जवाई बांध का गेज मंगलवार दोपहर 5 बजे तक 22.30 फीट तक पहुंच गया ओर सेई बांध का गेज 4.20 मीटर पर। सोमवार शाम तक जवाई बांध का गेज 19.05 था।

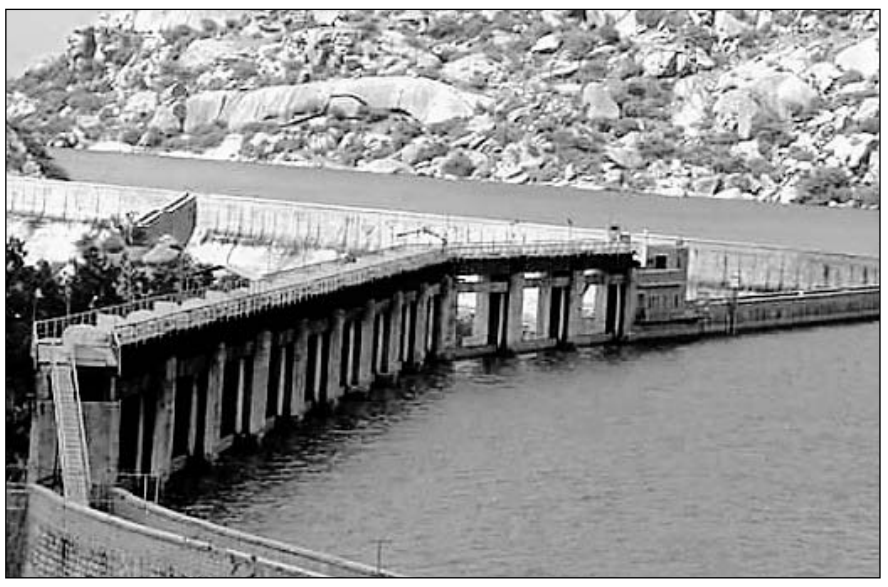

जवाई बांध का गेज 22.30 फीट तक पहुंचा।

जिले की बेड़ा व नाना नदी भी तेज बहाव पर है। ऐसे में जवाई बांध का गेज शाम तक ओर बढ़ने की उम्मीद है।

- पाल टूटने से खिंवाड़ा-रायपुरिया मार्ग बाधित
- बगड़ी नगर का हाइवे से कनेक्शन कट गया

खिंवाड़ा क्षेत्र के रायपुरिया-वणदार काकण के बीच की पाल टूटने से खिंवाड़ा-रायपुरिया मार्ग बाधित हो गया।

बगड़ी कने कट लीलड़ी में जाने वाला पानी मंगलवार को नौ पुलिया के निकट सड़क मार्ग पर करीब दो फीट ऊपर गुजरा। बगड़ी नगर का हाइवे से कनेक्शन कट गया।

मुंडारा के निकट बना अस्थाई पुलिया तेज बरसात में बहने से मुंडारा-रानी सड़क मार्ग भी प्रभावित हो गया है। जिससे दुरुस्त करने का काम फिलहाल जारी हैं।

भारी बरसात से जोधपुर में रेल सेवाएं प्रभावित

जोधपुर , (कासं)। दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण जोधपुर रेलवे स्टेशन और आस-पास के क्षेत्रों में रेलवे यार्ड में भारी मात्रा में जलभराव को देखते हुए रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं । रेल प्रशासन ने इस विकट परिस्थिति ध्यान में रखते हुए कुछ ट्रेनें रद्द की हैं और कुछ ट्रेनें बीच रास्ते में ही टर्मिनेट कर दी हैं । यातायात बहाल करने की दृष्टि से रेल प्रशासन राहत कार्यों में जुट गया है।

मंडल रेल प्रबंधक गीतिका पांडेय ने बताया कि जोधपुर में लगातार हो रही बरसात से रेल सेवाएं और रोजमर्रा का कामकाज भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। यात्री सुरक्षा को देखते हुए कुछ ट्रेनों को बीच रास्ते में ही रद्द करना पड़ा है ।

उन्होंने बताया कि जिन ट्रेनों को रास्ते के स्टेशनों पर रद्द किया गया है उनके यात्रियों को जोधपुर स्टेशन तक पंहुचाने के लिए न सिर्फ बसों की व्यवस्था की गई है अपितु उनके लिए खान-पान व चिकित्सा सुविधाएं भी

- रेलवे यार्ड में भारी मात्रा में जलभराव होने पर कुछ ट्रेनें रद्द की हैं

मुहैया करवाई गई। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त मुख्य रेलवे स्टेशन पर सक्षम अधिकारियों,नागरिक सुरक्षा और मेडिकल स्टाफ की विशेष तैनाती की गई है।

उन्होंने बताया कि जोधपुर-राइकाबाग- बनाड़ रेलखंड में अत्यधिक जलभराव होने की वजह से जोधपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 14810 जोधपुर- जैसलमेर एक्सप्रेस तथा गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है । इसके अलावा जोधपुर से चलकर बिलाड़ा जाने वाली गाड़ी संख्या 04846 जोधपुर - बिलाड़ा एक्सप्रेस जोधपुर की बजाय बनाड़ रेलवे स्टेशन से रवाना किया गया है।

इसके अतिरिक्त दिल्ली से चलकर जोधपुर आने वाली गाड़ी संख्या 22995 दिल्ली - जोधपुर मंडोर एक्सप्रेस सुपरफास्ट को रेल लाइनों पर अत्यधिक जलभराव होने के कारण जोधपुर कैंट रेलवे स्टेशन पर ही रद्द कर दिया गया है। इसी तरह अबोहर- बठिंडा से चलकर जोधपुर आने वाली गाड़ी संख्या 14722 अबोहर जोधपुर एक्सप्रेस को खारिया खंगार में ही टर्मिनेट कर दिया गया है।

डीआरएम ने बताया कि रेल प्रशासन समूचे मंडल के रेल खंडों पर नजर बनाए हुए है । जोधपुर मंडल में भारी बरसात और उसकी चेतावनी के मद्देनजर डीआरएम ऑफिस में कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है । डीआरएम ने आम लोगों,यात्रियों और वाहन चालकों से जोधपुर -मारवाड़ जंक्शन के बीच विद्युतीकृत ओवर हेड खम्भों से पर्याप्त दूरी बनाए रखने का अनुरोध किया है।

बांसवाड़ा के भूंगडा में 80 एमएम वर्षा दर्ज

बांसवाड़ा, (निसं)। जिले में बारिश का दौर जारी है मंगलवार प्रात: 8 बजे समाप्त हुए 24 घंटों में सर्वाधिक 80 एमएम वर्षा घाटोल तहसील क्षेत्र के भूंगडा में दर्ज की गई।

जिला कलेक्ट्रेट स्थित बाढ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त वर्षा मापी आंकडों के अनुसार गढ ी में 40 एमएम, अरथूना में 38, कुशलगढ में 27, छोटीसरवन तहसील क्षेत्र के दानपुर में 24, बागीदौरा में 22, बांसवाडा में 21, गढी तहसील क्षेत्र के लोहारिया में 20, गांगड तलाई तहसील क्षेत्र के शेरगढ में 18,

- सभी 11 तहसील क्षेत्र में अब तक 346 एमएम वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है

घाटोल में 15, गांगड तलाई के सल्लोपाट में 13, सज्जनगढ में 12, आबापुरा के केसरपुरा में 11 तथा सबसे कम 5 एमएम वर्षा गनोडा तहसील क्षेत्र के जगपुरा में मापी गई। इसे मिलाकर जिले के सभी 11 तहसील क्षेत्र में अब तक 346 एमएम वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

प्रतापगढ़ में दो इंच वर्षा

प्रतापगढ़ , (निसं)। जिले में वर्षा का दौर जारी है। मंगलवार प्रात: 8 बजे समाप्त 24घंटों में सर्वाधिक 2 इंच वर्षा प्रतापगढ़ तहसील मुख्यालय पर दर्ज की गई है। जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त सूचना के अनुसार अरनोद में 26 मिलीमीटर, धरियावद में 24, छोटीसादड़ी एवं दलोट में 16 एवं पीपलखूंट व सुहागपुरा तहसील मुख्यालय पर 14 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है। सूचना के अनुसार नागलिया पिकअप वियर वर्षा मापक केंद्र पर22,जाखम बांध पर 52 तथा गादोला तालाब पर 26 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है। अब तक जिले में औसत 356 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हो चुकी है।

डूंगरपुर के चिखली में सवा तीन इंच पानी बरसा

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में सोमवार से शुरू हुआ बारिश का दौर मंगलवार सुबह तक चलता रहा। जिले में रात भर कभी तेज तो रिमझिम बरसात हुई। बारिश के बाद सडकों पर पानी भर गया। सुबह भी बारिश के चलते स्कूल जाने वाले बच्चों और कामकाजी लोगों को परेशानी हुई।

- जिले में 24 घंटे में करीब 1 इंच बरसात

कंट्रोल रूम के प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों से सबसे ज्यादा सवा तीन इंच बारिश चिखली में रिकॉर्ड की गई है। इसके अलावा गलियाकोट में सवा 2 इंच 62 एमएम, सीमलवाडा में 46 एमएम, देवल में 27 एमएम, कनबा में 24 एमएम, निठाउवा में 12 एमएम, डूंगरपुर में 10 एमएम, वेंजा में 8 एमएम, साबला में 7 एमएम, सागवाडा में 6 एमएम, आसपुर में 6 एमएम, गणेशपुर में 4 एमएम, फलोज में 5 एमएम बारिश हुई है। जिले में पिछले 24 घंटे में औसत 23.15 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई है।

रास्ता दलदल में तब्दील, विद्यार्थी परेशान

पंचायत मुख्यालय देहलाला से श्यामपुरा कोटखावदा का रास्ता कीचड़ से अटा पड़ा है।

चाकसू, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुख्यालय देहलाला से ग्राम बालमुकुंदपुरा उर्फ बांसडा होते हुए श्यामपुरा कोटखावदा तहसील को जोड़ने वाला मुख्य कच्चा रास्ता बेहद खराब हो गया है। इन दिनों लगातार हो रही बारिश के कारण पूरा रास्ता दलदल में तब्दील हो गया है जिससे आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।

- स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विधायक सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारी नहीं कर रहे सुनवाई

स्थानीय लोग कई बार यहां सीसी या डामर की सडक बनवाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विधायक सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को गुहार लगा चुके हैं लेकिन वे कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

इस रास्ते पर बडे-बडे गड्ढे हो गए हैं। बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूलों में जाने के लिए मजबूर हैं। नरसी मीणा, हनुमान सहाय जांगिड सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत मुख्यालय देहलाला से ग्राम बालमुकुंदपुरा उर्फ बांसडा होते श्यामपुरा कोटखावदा तहसील को जोडने वाले मुख्य रास्तों की हालत इन दिनों बहुत खराब है।

पटवारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। एसीबी ने भिवाड़ी के निकट खिदरपुर हल्का के पटवारी को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे ट्रैप किया। पटवारी ने परिवादी से जमीन का म्यूटेशन खोलने के एवज में रिश्वत मांगी थी। एसीबी ने पटवारी को टूपकडा से गिरफ्तार कर लिया। पटवारी 2015 की भर्ती में नौकरी लगा था। पटवारी महेश ने परिवादी से कुल 15 हजार रुपए मांगे थे। परिवादी की तीन रजिस्ट्री थी। अलग-अलग जमीन की रजिस्ट्री होने के करण म्यूटेशन भी अलग खुलना था। प्रति रजिस्ट्री के हिसाब से 5 हजार रुपए मांगे थे। कुल 15 हजार रुपए रिश्वत देने का दबाव बनाता रहा। जब परिवादी के पास 15 हजार रुपए नहीं बने तो 5 हजार रुपए देते हुए ट्रैप करा दिया। रिश्वत लेने के कारण पटवारी जनवरी माह से जमीन का म्यूटेशन अटकाए बैठा था। परिवादी को रिश्वत की राशि बहुत अधिक लगी तो एसीबी को शिकायत कर दी। विजय सिंह ने बताया कि रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद ट्रैप की कार्रवाई पूर्ण की गई।

सप्त शक्ति कमान ने कारगिल विजय दिवस मनाया

जयपुर, (कासं)। मेजर जनरल विक्रम वर्मा, विशिष्ट सेवा मैडल, कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ, सप्त शक्ति कमान ने 26 जुलाई 22 को जयपुर सैन्य स्टेशन के प्रेरणा स्थल पर देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने चीफ ऑफ स्टाफ, सप्त शक्ति कमान की ओर से ,कमान के सभी रैंकों को बधाई दी । जयपुर में एक अन्य कार्यक्रम में, जयपुर मिलिट्री स्टेशन के स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर जे एस बिष्ट, सेना मेडल ने स्टेट वॉर मेमोरियल ,अमर जवान ज्योति पर वेटेरन्स की एक टीम के साथ शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी ।

कारगिल विजय दिवस के हिस्से के रूप में, सप्त शक्ति कमान के अनेक स्टेशनों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें प्रेरक फिल्मों की स्क्रीनिंग, वीरता पुरस्कार विजेताओं और युद्ध के वेटेरन्स द्वारा प्रेरक वार्ता, बैंड सिम्फनी, स्कूलों में छात्रों के लिए पेंटिंग और ड्राइंग प्रतियोगिताएं और युद्ध स्मारकों पर माल्यार्पण जैसे अनेक कार्यक्रम शामिल थे। कारगिल विजय दिवस पर एक विशेष रेडियो शो में सप्त शक्ति कमान के कर्नल विक्रम सिंह ग्रेवाल को आमंत्रित किया गया था। 5 पैराशूट रेजीमेंट के साथ रेजिमेंटल मेडिकल ऑफिसर के रूप में बटालिक सेक्टर में कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले कर्नल विक्रम सिंह ग्रेवाल ने ऑल इंडिया रेडियो पर भारतीय सैनिकों की बहादुरी तथा असाधारण मानवीय साहस और वीरता की कहानियों को सुनाया। उस समय कर्नल विक्रम सिंह ग्रेवाल ने एक मरून बेरेट डॉक्टर के रूप में युद्ध के दो कैदियों सहित 75 हताहतों का इलाज किया गया था।

मेजर जनरल विक्रम वर्मा ने जयपुर सैन्य स्टेशन के प्रेरणा स्थल पर वीर योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यालय नगर पालिका मण्डावरी (दौसा)

Email ID:-mandawari.jaipur@gmail.com

क्रमांक-न.पा.मा./2022/1580 दिनांक-25/7/22

इश्तहार उज्र आपत्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका में निम्न आवेदकों द्वारा कृषि भूमि में पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है यदि उक्त आवेदन पर किसी आम व खास को कोई का उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	खसरा संख्या कस्बा व कॉलोनी नाम	वर्ग गज	प्रयोजन
1	श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री ईश्वर मल गौड़	787-मूर्ति मोहल्ला	150	आवासीय
2.	श्री महेश चन्द शर्मा पुत्र श्री जगदीश प्रसाद शर्मा	787-मूर्ति मोहल्ला	275	आवासीय
3.	श्री शिम्भु दयाल पुत्र श्री रामप्रसाद शर्मा	787-मूर्ति मोहल्ला	283.33	आवासीय
4.	श्रीमती कंचन देवी पत्नी श्री भोल्या माली	787-मूर्ति मोहल्ला	66.66	आवासीय
5.	श्रीमती सन्तरा देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश शर्मा	787-मूर्ति मोहल्ला	152.50	आवासीय
6.	श्री ओमप्रकाश शर्मा पुत्र श्री छजूलाल शर्मा	787-मूर्ति मोहल्ला	225	आवासीय
7.	श्री पप्पू लाल शर्मा पुत्र श्री पूनम चन्द शर्मा	787-मूर्ति मोहल्ला	306.66	आवासीय
8.	श्री पप्पू लाल शर्मा पुत्र श्री श्री पूनम चन्द शर्मा	787-मूर्ति मोहल्ला	83.33	आवासीय
9.	श्री राजेश कुमार पुत्र श्री सीताराम शर्मा मूर्तिकार	787-मूर्ति मोहल्ला	133.33	आवासीय
10.	श्री कन्हैया लाल शर्मा पुत्र श्री हरीप्रसाद शर्मा	787-मूर्ति मोहल्ला	133.37	आवासीय
11.	श्री बाबूलाल पुत्र श्री बृजमोहन आदि गौड़ (खाति)	787-मूर्ति मोहल्ला	133.33	आवासीय
12.	श्री घनश्याम लाल गुप्ता पुत्र श्री राम प्रसाद गुप्ता	1170-कुम्हार मौहल्ला	339.92	आवासीय
13.	श्री रामलड्डू मीना पुत्र श्री मांगी लाल मीना	1170-कचहरी मोहल्ला	333.62	आवासीय
14.	श्रीमती कलावती देवी पत्नी श्री रामलड्डू मीना	1170-शीतला माता	266.90	आवासीय
15.	श्रीमती विजय देवी पत्नी श्री बाबू लाल मूर्तिकार	787-मूर्ति मोहल्ला	249.09	आवासीय
16.	श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री रामचरण शर्मा	787-मूर्ति मोहल्ला	66.66	आवासीय

उक्त आपत्ति आज दिनांक ...को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डावरी

छबड़ा क्षेत्र के कई स्कूल दुर्दशा के शिकार

विद्यालय में 63 का नामांकन तथा विद्यार्थियों के बैठने के लिए मात्र एक कक्ष है

छबड़ा (निसं)। उपखंड क्षेत्र के कई स्कूल अभी-भी दुर्दशा का दंश झेल रहे हैं, यहां अध्ययनरत विद्यार्थी भय के साए में पढ़ ने को मजबूर हैं। घाटाखेडी ग्राम पंचायत के गोविंदपुरा गांव का प्राथमिक स्कूल का भवन जर्जर अवस्था में होने से अनहोनी का अंदेषा बना हुआ। समय रहते शिक्षा विभाग द्वारा ऐसे विद्यालयों की सुध नहीं ली गई तो ऐसे स्कूल भवन धाराशाही भी हो जाएंगे।

पंचायत समिति सदस्य अनिता गौड व भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष अशोक गौड ने बताया कि गोविंदपुरा गांव में वर्ष 1979 में यहां राजकीय प्राथमिक विद्यालय की स्थापना हुई लेकिन 1997 में विद्यालय को भवन के नाम पर दो कमरे मिल पाए। वर्तमान में विद्यालय में 63 नामांकन तथा दो शिक्षक कार्यरत हैं। लेकिन यहां विद्यार्थियों के बैठने के लिए मात्र एक कक्ष है, जिसका भी निर्माण 2015 में ग्राम पंचायत द्वारा करवाया गया था। बाकी पूरे भवन की छत बारिश में टपकती हैं तथा जीर्णशीर्ण हालात में है। गांव और स्कूल के बीच मे एक गहरा खाल भी है जो बारिश में ऊफान पर रहता है।

रास्ते के अभाव में बच्चों को चार किलोमीटर पैदल चलकर अध्ययन के लिए जाना पड़ता है। उन्होने शिक्षा विभाग व प्रशासन से शीघ्र ही विद्यालय तक पहुंचने का रास्ता बनवाने की मांग की। गांव के पवन मीणा, बद्रीलाल मीणा सहित रामचरण मीणा, दौलतराम मीणा, नीरज मीणा, जगदीश मीणा, बाबूलाल मीणा आदि ने बताया कि हम हमारे बच्चों के भविष्य के बारे में चिंतित हैं।

इधर, कामगार कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हिम्मत गुर्जर के नेतृत्व मे मंगलवार को एसडीएम को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन देकर गोविंदपुरा स्कूल की हालत सुधारने की मांग की अन्यथा भूख हड़ताल की चेतावनी दे डाली। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दीपक त्यागी, नगर अध्यक्ष रवि लोधा, सेवादल नगर अध्यक्ष संजय सेन, नीलेश नागर, राजकुमार शर्मा, अरविंद मीणा, बिट्टल मीणा, पवन मीणा, सोनू बंजारा आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र की घाटाखेड़ी पंचायत के गोविंदपुरा का प्राथमिक स्कूल का भवन जर्जर अवस्था में होने से अनहोनी का अंदेशा बना हुआ है।

कार्यालय ग्राम पंचायत श्रीमहावीर जी, कटकड, गांवडा मीना

पंचायत समिति श्रीमहावीर जी, जिला करौली

क्रमांक :- दिनांक :-

ई-निविदा सूचना 01/2022-23

ग्राम पंचायत श्रीमहावीर जी, कटकड, गांवडा मीना, पं.स. श्रीमहावीर जी, जिला करौली की महात्मा गांधी नरेगा व ग्रामीण विकास पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए स्वीकृत निर्माण कार्यो के लिए अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति हेतु वाणिज्यिक कर विभाग में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मो/सप्लायर्स से दिनांक 31.03.2023 तक के लिए दर अनुबन्ध करने के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	ग्राम पंचायत का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	निविदा डाउनलोड/ अपलोड करने की अंतिम तिथि	ऑफलाईन डी.डी. एवं दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
1	ग्राम पंचायत श्रीमहावीर जी	50.00	100000/-	दिनांक 22.07.2022 से 28.07.2022 तक समय 5.00 पी.एम.	दिनांक 29.07.2022 को समय 12.00 पी.एम. तक	दिनांक 29.07.2022 को समय 2.00 पी.एम
2	ग्राम पंचायत कटकड	50.00	100000/-			
3	ग्राम पंचायत गांवडा मीना	50.00	100000/-			

ई-निविदा से संबधित विस्तृत विवरण **https://eproc.rajasthan.gov.in** एवं **https://sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती हैं।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत श्रीमहावीर जी, कटकड, गांवडा मीना, पं.स. श्रीमहावीर जी, जिला करौली

सरपंच, ग्राम पंचायत श्रीमहावीर जी, कटकड, गांवडा मीना, पं.स. श्रीमहावीर जी, जिला करौली

संक्षिप्त

आदित्य डोई ने लहराया परचम

निवाई, (निसं)। सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में आदित्य डोई ने 93 प्रतिशत आंक प्राप्त करके

आदित्य डोई

परचम लहराया है। दसवीं बोर्ड परीक्षा में श्री देवनारायण ट्रस्ट के संरक्षक सुरेश डोई के पुत्र आदित्य डोई ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करके गुरुजनों सहित माता पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन किया है। आदित्य ने इसका श्रेय पिता सुरेश डोई व माता सहित गुरूजनों को दिया हैं।

सड़कों के निर्माण के लिए राशी स्वीकृत

देवली, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र की ग्रामीण सडकों के निर्माण के लिए 10 करोड़ की स्वीकृति जारी हुई। जानकारी के अनुसार क्षेत्रीय विधायक हरीश चन्द्र मीना के प्रयासों व अभिशंषा पर विधानसभा क्षेत्र में 33 किमी की 13 नई सड़कों के निर्माण की स्वीकृति सार्वजनिक निर्माण विभाग ने जारी की है। विधायक मीणा ने बताया कि उक्त सभी सडकों के निर्माण से क्षेत्र वासियों को अत्यधिक लाभ होगा एवं कई गांव अपने ग्राम पंचायत मुख्यालय, तहसील व उपखंड मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय से सीधे जुड पाएंगे और दूरी कम होगी। ग्रामीणों ने विधायक हरीश चन्द्र मीना का आभार व्यक्त किया है।

कावड़ियों का स्वागत किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के जयप्रकाश (जैल सिंह) कुमावत, केदार पटवा, लोकेश आचार्य का जोरदार स्वागत किया गया। जानकारी के अनुसार जयप्रकाश (जेल सिंह) पहले भी गंगोत्री, हरिद्वार आदि तीर्थ स्थलों से कावड जल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर चुके हैं। वही कावडियों के श्रीमाधोपुर पहुंचने पर नगर पालिका अध्यक्ष हरिनारायण महंत, उपाध्यक्ष ओंकार सिंह राठौड, पार्षद रोशन बिजारणिया, श्रवण आचार्य, रविंद्र ओसवाल, पार्षद प्रतिनिधि भरत कुमावत सहित समस्त वार्डवासी महिलाएं पुरुष व परिवारजनों ने श्रीमाधोपुर में जगह-जगह माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर समस्त वार्ड वासी मौजूद थे।

भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान

पावटा, (निसं)। कारगिल दिवस पर क्षेत्र के अनेक गांवों में भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान भाजपा नेता पवन शर्मा जवानपुरा के नेतृत्व एवं वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता अर्जुन कसाना की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान भूतपूर्व सैनिकों को माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। टांडा निवासी भूतपूर्व सैनिक हवलदार भगवान सिंह, हवलदार उमराव सिंह, नायक महेंद्र सिंह, नायक राम सिंह सहित अनेक भूतपूर्व सैनिकों से उनके निवास पर मुलाकात कर कुशलता जानी एवं उनका सम्मान किया गया। इस मौके पर सुरेंद्र सिंह धीरावत, केशर सिंह, रणवीर सिंह, विक्रम सिंह, गोविंद सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

फीस जमा की अंतिम तिथि 31 जुलाई

कोटपूतली, (निसं)। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा निर्देशानुसार स्नात्तक प्रथम, द्वितीय एवं स्नातकोत्तर पूर्वाद्ध (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) के विद्यार्थी जिन्होनें नियमित विद्यार्थियों के रूप में परीक्षा दी है को अगली कक्षाओं के लिए अस्थायी रूप से प्रवेश दिया जा रहा है। प्राचार्य डॉ.रेणु माथुर ने बताया कि उक्त विद्यार्थी अंतिम तिथि 31 जुलाई तक आवश्यक रूप से ई -मित्र पर अपनी एप्लीकेशन आईडी से फीस जमा करवायें।

सरकारी कॉलेज में प्रवेश तिथि 30 जुलाई

चाकसू, (निसं)। कालेज आयुक्तालय से जारी आदेशानुसार चाकसू राजकीय महाविद्यालय एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य के निर्देशानुसार प्रवेश प्रभारी डॉ गणेश मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा प्रवेश के लिए सीटें बढाकर 200 कर दी गई है। सीबीएसई बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित होने के कारणों से पूर्व निर्धारित तिथि 25 से बढाकर 30 जुलाई कर दी गई है। प्रवेश के लिए ई-मित्र से आवेदन फार्म भर सकते हैं।

मालपुरा में कावड़ यात्रा के सफल आयोजन को लेकर हिंदू समाज के प्रबुद्धजनों से चर्चा

मालपुरा, (निसं)। आगामी दिनो में अतिसंवेदनशील मालपुरा में कावड यात्रा व डिग्गी में कल्याणजी के मैले के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था को मध्य नजर रखते हुए प्रशासन पूर्ण अलर्ट मोड पर है। मंगलवार को मालपुरा पंचायत समिति सभागार मे एसडीएम रामकुमार वर्मा की अध्यक्षता में हिन्दू समाज के प्रबुद्धजनों की अतिआवश्यक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एक अगस्त को बिसलपुर से कावड लेकर मालपुरा पहुंचने वाली कावड यात्रा को मालपुरा शहर में प्रवेश वाले मार्ग को लेकर प्रशासन ने हिन्दु समाज के प्रबुद्धजनों से खुलकर चर्चा करते हुए राज्य सरकार व जिला प्रशासन के निर्णय व योजना सहित व्यवस्थाओं से अवगत करवाते हुए हिन्दु समाज के प्रबुद्धजनों से खुलकर उनके विचार जाने गये। बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार जैन, रमाकांत पाठक, सत्यनारायण विजय, मनोज माली, सोभाग्यसिंह, रवि कुमार जैन, कृष्णकांत जैन, प्रहलाद गोवला ने हिन्दू समाज सहित युवाओं की भावनाओं से सदन व प्रशासन को अवगत करवाते हुए कहा कि टोडारोड जो कि दूदू-छाण स्टेट हाईवे 37ए का सडक मार्ग है। जिस पर से कई सालों से कावड यात्रा मालपुरा शहर में प्रवेश कर रही है। इस बार भी जनभावनाओं को मध्य नजर रखते हुए कावडियों को इसी मार्ग से प्रवेश दिया जावें। साम्प्रदायिक तनाव की घटनाओं को रोकने के लिए रास्ते बदलना किसी समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। मार्ग बदलने के वर्ष 2018 में हुये निर्णय के विरोध में हिन्दू समाज के सैकडों ज्ञापन प्रशासन को दिये गये थे जिनमे प्रशासन द्वारा तय किये गये नवीन मार्ग की व्यवस्थाओं में कुछ तब्दील किये जाने की मांग की गई थी। अत: कावड यात्रा का मार्ग बदलने पर प्रशासन जनभावनाओं को ध्यान मे रखते हुए पुनर्विचार करने की मांग की गई तो रामबाबू व्यास, राजेन्द्र राजपुरोहित, चंपालाल जैन आदि ने शहर की शांति व कानून व्यवस्था के साथ-साथ सुचारू व्यापार के लिए प्रशासन के निर्णय पर अपनी सहमति दी। एसडीएम रामकुमार वर्मा,एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान, थानाधिकारी कैलाश विश्नोई ने हिन्दू समाज के लोगों का पक्ष व विचार जानने के बाद कहा कि आमजन के हितों व सुरक्षा सहित शांति व कानून व्यवस्था को मध्य नजर रखते हुए एवं शहर के हालातों को मध्य नजर रखते हुए प्रशासन ने दोनो ही समुदायों से चर्चा के बाद कावड यात्रा, दशहरा, ईद व मोर्हरम के जूलूसो के लिए नवीन मार्ग निर्धारित किये गये है। प्रशासन के इस निर्णय पर राज्य सरकार व जिला प्रशासन ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर भविष्य मे नवीन मार्गो से ही चारो जूलूस निकाले जाने तथा डिग्गी कल्याणजी, खाटुश्यामजी,बाबा रामदेव सहित अन्य यात्राओं का मार्ग पूर्व की भांति टोडारोड से ही मालपुरा मे प्रवेश रखे जाने का निर्णय लिया है।

मालपुरा में कावड़ यात्रा व डिग्गी में कल्याणजी के मेले के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था को लेकर एसडीएम रामकुमार वर्मा (बीच में) की अध्यक्षता में हिन्दू समाज के प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित हुई।

- शांति व कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों से सख्ती से निपटेगा प्रशासन

सरकार के आदेशो की पालना का उल्लघंन कर शांति व कानून व्यवस्था मे बाधक बनने वालो व उनका सहयोग करने वालो से प्रशासन सख्ती से निपटेगा। चाहे वो किसी भी समुदाय का हो। कावड यात्रा के लिए बनाये नवीन मार्ग का निर्माण पूर्ण हो चुका है। कावड यात्रा को लेकर संभागीय आयुक्त,जिला कलेक्टर, एसपी, सहित राज्य सरकार व गृह विभाग की लगातार मॉनिटरिंग है। सुत्रो की माने तो कावड यात्रा के दौरान इस बार मालपुरा मे एसटीएफ, आरएसी की चार बटालियन सहित अजमेर व टोंक लाईन का भारी पुलिस जाप्ता मालपुरा में तैनात रहेगा।

घर में घुसकर लूट करने वाले ग्यारह आरोपी पकड़े

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में बगड तिराहे के पास 24 जुलाई की रात साढे 12 बजे व्यापारी के घर में घुसकर ढाई लाख रुपए, दो किलो चांदी व सोने के जेवर लूट कर ले जाने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्त में लिया है। 11 आरोपी पुलिस ने पकड लिए हैं। जल्दी मामले का पूरा खुलासा हो सकता है।

पुलिस की तत्परता के कारण लूट की वारदात कर भागे कुछ बदमाशों को रात को ही दबोच लिया था। 24 जुलाई की रात को बगड तिराहे पर सुभाष चंद गोयल के मकान के पीछे की तरफ सीढियां लगाकर बदमाश घुसे थे। जिनके पास हथियार थे। बुजुर्ग दम्पति के साथ मारपीट कर नकदी व सोना-चांदी लूट ले गए थे। इस घटना के बाद सोमवार को ही अलवर शहर के पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल सहित काफी व्यापारी घटना स्थल पर पहुंचे। वहां सबने पुलिस की तत्परता को लेकर तारीफ भी की लेकिन, इस तरह के बढते अपराध के कारण व्यापारियों में गुस्सा है। उनका कहना है कि व्यापारी कहीं सुरक्षित नहीं है। मनचाहे जहां धमकी मिलती है। कभी रात को घर में बदमाश घुस आते हैं।

पूर्व विधायक ने एसपी तेजस्वनी गौतम से घटना स्तर पर जाकर फोन के जरिए बात की। एसपी ने सोमवार को ही आश्वस्त किया था कि आरोपी पकड में आ चुके हैं। यह एक गैंग हैं। जिसने अलवर के कई अन्य क्षेत्रों में भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दिया है। बदमाश दिल्ली व यूपी नंबर की कार से रात को बगड तिराहे पर पहुंचे थे। व्यापारी के गोदाम की तरफ रखी सीढियों को लगा छत पर चढे थे। इसके बाद वारदात को अंजाम दिया। आखिर में बुजुर्ग व्यापारी व उसकी पत्नी से मारपीट भी की। बताया जा रहा है कि इस गैंग में कई राज्यों के बदमाश हो सकते हैं। जिनमें कुछ लोकल भी शामिल है।

- व्यापारी के घर रात 12.30 बजे घुस नकदी, सोना-चांदी ले गए थे

सड़क मार्ग ठीक करने की मांग, ग्रामीणों में आक्रोश

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के बडागांव सरवर ग्राम पंचायत मुख्यालय से लेकर रवासा ग्राम तक के 3 किलोमीटर सडक मार्ग को ठीक करने की मांग को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है।

इस मामले को लेकर वीर तेजाजी के प्रांगण में ग्रामीणों ने एक बैठक आयोजित की जिसमें भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री व मंडल अध्यक्ष रामावतार मीणा, पंचायत समिति प्रधान कृष्ण पोसवाल, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष लोकेश कुमार शर्मा व ग्रामीणों की समस्याओं को देखकर उपखंड अधिकारी बद्रीनारायण मीणा व सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता बदन सिंह गुर्जर को समस्या से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता सोमराज मीणा व कनिष्ठ अभियंता बहादुर सिंह गुर्जर मौके पर पहुंचे एवं सडक मार्ग को 10 दिन में ठीक करने को लेकर आम सहमति लिखित में की गई। इसके बाद प्रदेश मंत्री प्रधान व अध्यक्ष की उपस्थिति में ग्रामीण एसडीएम कार्यालय पहुंचे एवं ज्ञापन दिया। उपखंड अधिकारी ने अपनी देखरेख में 10 दिन में इस सडक मार्ग को डीएमएफटी योजना के तहत ठीक कराने का आश्वासन दिया। धरना प्रदर्शन के दौरान दयाराम मीणा, हरिओम पुजारी, मदन बेरवा, भरत मीणा, हनुमान सिंह राजावत, राजेंद्र मीणा, राधेश्याम पुजारी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष धारा सिंह गुर्जर सहित सैकडों लोग उपस्थित थे।

एसडीएम बद्रीनारायण मीणा व पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता बदन सिंह गुर्जर को ग्रामीणों ने समस्या से अवगत कराया।

सूने मकान के ताले तोड़ चुराये नगदी व जेवर

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहर में पुलिस चोरी की बढती वारदातों के बावजूद स्थानीय थाना पुलिस द्वारा हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने से आमजन मे दिन-प्रतिदिन रोष बढता जा रहा है।

बीते दिन शहर की प्रतापनगर आवासीय कॉलोनी में रविशंकर शर्मा कडीला वाले के सूने मकान के ताले तोड अज्ञात चोरों ने दिनदहाडे मकान से 20 हजार रूपये की नगदी सहित आभूषण चोरी किये जाने का मामला सामने आया। पीडित ने थाना पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वो अपने परिवारजनों के साथ अपने गांव कडीला गया हुआ था। शाम को घर लौटा तो मकान के ताले टूटे हुए व सामान कमरों में बिखरा मिला तो उसके होश उड गये। अलमारी के लॉकर से 20 हजार रूपये नगदी सहित 20 चांदी के सिक्के, 2 पायजेब जोडी, अंगूठी सहित अन्य आभूषण चोरी होना सामने आया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने मौका निरीक्षण कर जांच शुरू की गई। बीते दिनो बृजलाल नगर आवासीय कॉलोनी से दिनेश जैन के सूने मकान तो पांच दिन पूर्व इन्द्रा कॉलोनी मे लक्ष्मीकांत कश्यप के सुने मकान से दिनदहाडे हुई लाखों की चोरी सहित दो माह पूर्व अस्पताल रोड से डॉ. जीतराम मीणा की चुराई 16 लाख की लग्जरी कार का आज तक थाना पुलिस को कोई सुराग नही मिला। एक के बाद एक होती चोरियों के बावजूद चोरो के होसले बुलंद है।

सीएमओ ने लिया संज्ञान

अलवर/जयपुर, (निसं)। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) के प्रदेश सहसंयोजक डॉ.रमेश बैरवा ने 29 जून 2022 को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा खैरथल अलवर के ब्रांच मैनेजर मानप्रकाश गुप्ता के खिलाफ शिकायत भेजी थी।

इस शिकायत में मैनेजर द्वारा चांदनी कुमारी रोछिया के साथ अभद्र व्यवहार, जातिगत भेदभाव और महिला उत्पीड़न करने के खिलाफ कडी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। शिकायत पर मुख्यमंत्री कार्यालय ने संज्ञान लेकर महाप्रबंधक बैंक ऑफ बडौदा को प्रकरण में जांच एवं आवश्यक कार्यवाही की वस्तुस्थिति रिपोर्ट अविलंब देने के लिए आदेशित किया है। रोछिया बैंक में लिपिक पद पर कार्यरत है।

अपने साथ हो रहे उत्पीड़न के प्रकरण में मदद हेतु रोछिया अपने परिवारजन के साथ डॉ.रमेश बैरवा से मिली थी। जानकारी में यह भी आया है कि क्षेत्रीय प्रबंधक अलवर ने भी खैरथल ब्रांच मैनेजर के खिलाफ शिकायत का संज्ञान लेकर इन्हें कड़ी चेतावनी दी है। आरोपी बैंक मैनेजर के खिलाफ डीएसएमएम की शिकायत पर संज्ञान लिए जाने पर मंच ने पीडित के साथ न्याय की उम्मीद जताई है।

बिजली कटौती से ग्रामीणों में रोष

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे में गत कुछ दिनों से हो रही अघोषित बिजली कटौती से कस्बे में नलों द्वारा की जा रही पेयजल सप्लाई बिगडी हुई है। इससे ग्रामीणों में रोष बना हुआ है। नल उपभोक्ताओं ने बताया कि जलदाय विभाग द्वारा सुबह के समय में एक दिन छोडकर दूसरे दिन नलों से पेयजल सप्लाई दी जाती है। विद्युत विभाग द्वारा उसी समय कई घंटे बिजली कटौती कर दी जाती है। इससे ग्रामीणों को बूंद-बंद पीने के पानी को तरसना पड रहा है। कस्बे के ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कस्बे में हो रही बिजली कटौती में सुधार की मांग की है। इधर संवाददाता बिन्टू कुमार ने एईएन कमल गुर्जर से बिजली कटौती के संबंध में बात करनी चाही तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

चेजा पत्थर से भरे तीन ट्रैक्टर जब्त

निवाई, (निसं)। स्थानीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशों पर मंगलवार को पुलिस ने चेजा पत्थर से भरे 3 ट्रैक्टर जब्त किए है। थानाधिकारी अजय कुमार ने बताया कि अवैध खनन के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए अस्सी फीट रोड, चैनपुरा तथा झिलाय रोड से अवैध चेजा पत्थर भरकर आ रहे ट्रैक्टर चालकों से रवन्ना मांगा लेकिन किसी के पास रवन्ना नहीं था। इस पर पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर थाने में खडा करवाया तथा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जल भराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग

पावटा, (निसं)। ग्राम पंचायत बागावास अहिरान में विकास के दावों की पोल खुल गई है। गांव बागावास अहिरान में पशु चिकित्सालय से लेकर खटीको का मोहल्ला बाजार सीनियर स्कूल के रास्ते में बरसात का दूषित पानी भरा हुआ है। इस दूषित पानी में होकर ग्रामीण आवागमन को मजबूर हो गए हैं। ग्रामीणों व स्कूली बच्चों व महिलाओं को आने जाने में दिक्कतों का सामान करना पड रहा है।

- ग्राम पंचायत पर लापरवाही का आरोप लगाया

आये दिन पानी में लोग फिसलकर गिर रहे हैं। जल भराव व उससे होने वाले कीचड से होने वाली फिसलन की वजह से बच्चे स्कूल नहीं जा नहीं पा रहे हैं। वहीं कई बार शिकायत करने के बाद भी ग्राम पंचायत में सुनवाई नहीं हुई है। इसको लेकर वार्डवासियों ने वार्ड पंच व सरपंच को वार्ड की जलभराव समस्या से अवगत करवाया। इस दौरान सिकंदर खान, पूर्व पंच नब्बु खान, वार्ड पंच असलम खान, रामजीलाल यादव, बालकृष्ण गौड, बृज मोहन यादव, सत्तार खान, शिंभू यादव, इस्लाम खान, अशोक यादव, सुरजाराम मीणा, सुरेश मीणा, लियाकत अली, पूरण योगी, प्रकाश योगी, राकेश योगी ने बताया की इस जलभराव व उससे होने वाले कीचड से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। वहीं सडकों पर भी भारी जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। विकास के सारे वादे खोखले साबित होते नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए धरना प्रदर्शन करते हुए मांग की है कि फिलहाल रास्ते को सही करने के लिए टैंकर से गंदा पानी सोखा जाए उसके बाद जेसीबी या गोल्डि लगाकर कीचड साफ करवाया जाए व स्थाई समाधान के लिए सडक बनाने के लिए ग्राम पंचायत से सडक बनवाने की मांग की है। इस मौके पर सिकंदर खान, पूर्व पंच नब्बु खान, वार्ड पंच असलम खान, रामजीलाल यादव, बालकृष्ण गौड, बृजमोहन यादव, सत्तार खान, शिंभू यादव, इस्लाम खान, अशोक यादव, सुरजाराम मीणा, सुरेश मीणा, लियाकत अली, पूरण योगी, प्रकाश योगी, राकेश योगी सहित अनेकों महिलाएं व ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

जल भराव से होने वाले कीचड़ से परेशान ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

जुआ खेलते तीन गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पुलिस थाना मेहंदवास ने जुआ खेलते पाएं जाने पर तीन जनों को गिरफ्तार कर 4870 रुपए बरामद किए। पुलिस अनुसार पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी, एएसपी सुभाष चंद्र मिश्रा, सीओ टोंक सलेह मोहम्मद के आदेशानुसार पुलिस थाना मेहंदवास के थाननाधिकारी देवेन्द्र सिंह के निर्देशन में कानि. द्वारकाप्रसाद, मुकेश, राजकुमार, प्रियंका, जीप चालक शोएब की टीम ने बैरवा मोहल्ला छान से ताशपत्ती पर रूपयें पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे तीन व्यक्तियों अशोक चौधरी पुत्र लक्ष्मण जाति जाट निवासी छाण, दिलिप पुत्र सीताराम जाति वाल्मीकी निवासी छाण, राकेश वर्मा पुत्र नाथुलाल जाति रेगर निवासी छाण को गिरफ्तार किया

लज्जा भंग का आरोपी गिरफ्तार

टोंक (निसं)। शहर कोतवाली पुलिस ने एक युवती के अपहरण का प्रयास व लज्जा भंग के आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर कोतवाल जितेन्द्र सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति ने मामला दर्ज कराया था कि गिरिश महावर पुत्र बिहारी लाल अम्बिका कालोनी टोंक ने मेरी लडकी को रोककर उसका अपहरण का प्रयास करते हुए चुन्नी खेंचकर उसकी लज्जा भंग की दी। इस मामले में जांच अधिकारी प्रभू सिंह ने मामला सही पाये जाने पर आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसे न्यायालय में पेश किया जायेगा।

सार-समाचार

श्रेष्ठ परिणाम पर छात्रों का अभिनंदन

कोटपूतली, (निसं)। डाबला रोड स्थित राजपूताना पी.जी. कॉलेज में बी.एस.सी. फाइनल का परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहा। जिसको लेकर मंगलवार को संस्था निदेशक महेन्द्र चौधरी की अध्यक्षता में 75प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। शत-प्रतिशत परिणाम रहने पर निदेशक महेन्द्र चौधरी ने विद्यार्थियों व स्टॉफ को बधाई दी। उच्च प्राप्तांक वाले विद्यार्थियों को संस्था प्रशासन द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस दौरान उप प्राचार्य उमरावलाल गुर्जर, सहायक प्रोफेसर आर.पी धोलीवाल, डॉ. वेदप्रकाश सिंह, अशोक कुमार सैनी,एस.के. शर्मा, विजय सिंह, नीरु सैनी, सुरेन्द्र कुमार यादव, संतोष सैनी,पूजा गुर्जर, लेखाकार केदार नाथ वर्मा, बीना चौपड़ा, हेमन्त सैनी आदि विद्यार्थी मौजूद थे।

असिस्टेंट प्रो. बनने पर खुशी जताई

अलवर/जयपुर, (निसं)। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) से जुड़े स्कूल प्रधानाध्यापक कैमाला निवासी ओमप्रकाश के राजस्थान लोक सेवा आयोग से राजनीति विज्ञान में कॉलेज शिक्षा में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन होने पर खुशी व्यक्त की गई। बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर के राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष एवं डीएसएमएम के प्रदेश सहसंयोजक डॉ.रमेश बैरवा के बुध विहार स्थित निवास पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मंच कार्यकर्ताओं ने असिस्टेंट प्रोफेसर बने ओमप्रकाश को मिठाई खिलाकर बधाइयां और शुभकामनाएं दी। यह सफलता इन्हें कठिन मेहनत एवं लगातार संघर्ष की बदौलत मिली है। डीएसएमएम ने उम्मीद जताई है कि श्री ओमप्रकाश अपने परिवारजन सहित विद्यार्थियों एवं समाज की बेहतरी के लिए शिक्षा और संघर्ष के संकल्प को भावी जीवन में भी साकार करते रहेंगे। कार्यक्रम में मंच जिला संयोजक एडवोकेट बी एल वर्मा,सह संयोजक फतेहसिंह एवं एडवोकेट श्यामसुंदर जाटव, प्रधानाचार्य जीतसिंह, जगदीश गांधी, व्याख्याता श्योप्रसाद बैरवा, रईसा शामिल रहे।

विभिन्न प्रकार के 200 पेड़ लगाये

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की पहल से वर्षा ऋतु में महाविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न उद्यानों के प्राकृतिक श्रृंगार हेतु लगभग 1000 पेड लगाये जा रहे है। इस वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत मंगलवार को महाविद्यालय के नवनिर्मित अरण्य उद्यान में महाविद्यालय के शैक्षणिक अधिकारियों एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों के सौजन्य से पौधा रोपण का कार्यक्रम आयोजित करते हुए 200 (दो सौ) फूलदार एवं छायादार पौधे में जामुन, गुडहल, गुलमोहर, लेहसवा, अर्जुन, चम्पा, जंगल जलेबी, कल्प वृक्ष, पापड, कनेर, बहेडा, रीठा पलाश, गुंदी आदि के लगाये गये। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रेणु माथुर ने परिसर में स्थित विभिन्न उद्यानों के प्राकृतिक श्रृंगार हेतु शैक्षणिक अधिकारियों एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

शिविर में पट्टों का वितरण

फुलेरा, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत प्रत्येक वार्ड में नगर पालिका मंडल द्वारा शिविर आयोजित कर आमजन को शिविर का समुचित लाभ दिया जा रहा है। फुलेरा नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी शिकेश कांकरिया ने बताया कि मंगलवार को वार्ड नंबर 3 स्थित विश्वकर्मा मन्दिर परिसर में दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आवेदकों को 90 ए के 15 पट्टे, 69 के के 2 पट्टे एवं फ्री होल्ड के 6 पट्टे तथा 4 निर्माण आज्ञा एवं 7 नामांतरण जारी कर वितरण किये गये। इस अवसर पर पालिका के कर्मचारियों सहित जनप्रतिनिधि अन्य लोग उपस्थित रहे।

भंडारे में भक्तों ने प्रसादी पाई

बहरोड/नीमराना, (निसं)। बहरोड़ तहसील की सीमा से लगते गांव चूला में प्रसिद्ध धाम बाबा गरीबदास गुन्दा सिद्ध महाराज के मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि राजस्थान भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के सदस्य कृष्ण गोपाल कौशिक रहे। सुबह से ही लोगों ने बाबा की झांकी सजाकर डीजे बजाते हुए बाबा को ध्वजा चढाई तथा मंदिर में भंडारे का आयोजन किया। ग्राम पंचायत सचिव अमित कुमार, सरपंच प्रतिनिधि पूरण गुर्जर, प्रहलाद भगत, चम्पा लाल शर्मा, सावन शर्मा, सोमदत्त शर्मा, वीरू, मनोज, कालू मीणा, संत रामदास, जगदीश दास, पूरण दास, शोभाराम दास, विष्णुदास, प्रेम, योगेश, रामानंद शर्मा, सुमित कुमार, सल्लू, आनंद सहित कल्याणपुरा, मोठूका, फतेहपुर, मुकंदपुरा, चूला, ग्वाड़ा, रघुनाथपुरा, क्यारा, भोज का बड आदि गांव के हजारों लोगों ने भाग लिया तथा पहाडी पर स्थित बाबा के धाम में माथा टेक कर प्रसाद ग्रहण किया।

अभियान में बांटे जा रहे है पट्टे

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका द्वारा मंगलवार को प्रशासन शहरों के संग अभियान के तीसरे चरण के तहत पट्टे बनाकर वितरण कार्यक्रम के तहत पट्टे वितरित किए जा रहे है। अभियान का आयोजन पावटा प्रागपुरा नगरपालिका कार्यालय परिसर में किया गया। सभी लाभार्थियों को पालिका द्वारा दूरभाष पर सूचना देकर आमंत्रित किया जाता है एवं कार्यक्रम में पहुंचे सभी आवेदन कर्ताओं को चेयरमेन उर्मिला अग्रवाल, वाइस चेयरमेन अशोक सैनी, नरपत सिंह सहित पार्षदों के हाथों पट्टे वितरित करवाए गए। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका ईओ हरिनारायण यादव ने बताया कि अब प्रतिदिन अलग-अलग वार्डों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में आने वाले आवेदकों को पट्टे सहित पालिका स्तर के सभी कार्य किए जा रहे है। वही चेयरमेन उर्मिला अग्रवाल ने शहरवासियों से अपील की है कि ऐसे शहरवासी जिनके नगरपालिका द्वारा किया जाने वाला कोई भी कार्य बकाया है वह सभी शिविर में पहुंचे एवं शिविर में अपने कार्यों को संपादित करवाएं।

कृष्णा हॉस्पिटल चाकसू का तृतीय स्थान

चाकसू, (निसं)। चिकित्सकों की राज्य स्तरीय गायन प्रतियोगिता डीएमपीएल के हुए फाइनल में कृष्णा अस्पताल चाकसू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। लीग चेयरमैन डॉक्टर संजीव गुप्ता और कोऑर्डिनेटर्स डॉक्टर अतुल ने बताया कि क्लब जयपुर में हुए समापन समारोह में हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ मुकेश दीक्षित एवं रचना दीक्षित को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। डॉ दीक्षित ने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान के लगभग सभी चिकित्सकों ने पार्टिसिपेट किया था जिसमें 8 टीमें बनी थी। इनमें चार फाइनल में पहुंची जिसमें कृष्णा हॉस्पिटल चाकसू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है और आरयूएचएसओ वाइस चांसलर डॉ सुधीर भंडारी ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि राज्य स्तर पर गायन में अच्छा प्रदर्शन करने पर चाकसू का नाम रोशन हुआ है।

टावर लगाने पर जताई आपत्ति

सांभरझील, (निसं)। मालवों का मोहल्ला, छोटा बाजार में एक निजी कंपनी का मोबाइल टावर लगाए जाने के संबंध में नगरपालिका द्वारा मांगी गई आपत्ति के तहत यहां के पार्षद संयम टाटी व वार्ड के लोगों के द्वारा हस्ताक्षरयुक्त लिखित आपत्ति पेश कर इसका विरोध व्यक्त किया है। पार्षद संयम टाटी ने आपत्ति पेश कर पालिका प्रशासन को अवगत कराया है कि जिस जगह टावर स्थापित किए जाने की भू मालिक द्वारा इजाजत मांगी गई है वह घनी आबादी वाला क्षेत्र है और रास्ता भी काफी संकीर्ण है। यहां पर काफी तादाद में अनेक परिवार रहते हैं, इसलिए घनी आबादी के बीच मोबाइल टावर लगाने से इसके निकलने वाली अल्ट्रासाउंड किरणे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालेगी और लोगों का इससे जीवन को भी खतरा उत्पन्न होगा। यहां के वार्डवासी जुगलकिशोर व्यास, शेखर व्यास, एडवोकेट नसीम उल हक, दर्शन लाल व्यास, सुनील कुमार टाटी, बसंत सोनी, दीपक व्यास, पवन कुमार व्यास व अनेक ने भू मालिक द्वारा मांगी गई टावर लगाने की इजाजत प्रदान नहीं की जाए।

"इस बार भारत की टीम काफी अच्छी है। बेशक आनंद के इस बार नहीं होने से बड़ा अंतर पैदा होगा। इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और हम काफी अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं।"

- पी. हरिकृष्णा कुमार

भारतीय शीर्ष रैंक शतरंज खिलाड़ी, शतरंज ओलम्पियाड में आनंद की गैरमौजूदगी को लेकर।

आज का खिलाड़ी ▶ पी आर श्रीजेश

ओलंपिक में पदक के चार दशक के सूखे को खत्म करने के बाद भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के सपने को पूरा करने की कोशिश करेंगे। श्रीजेश ने अपने करियर की तुलना केरल में बनने वाले लोकप्रिय व्यंजन 'अवियल (13 सब्जियों के मिश्रण से बनने वाला)' से करते हुए कहा कि उन्होंने काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं। उम्र के 34वें पड़ाव पर पहुंच चुके श्रीजेश अपने करियर के आखिरी चरण में कुछ और उपलब्धियां हासिल करना चाहते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम पर पहला वन डे और पहला टैस्ट भारत व पाकिस्तान के मध्य खेला गया।

बीसीसीआई 2025 महिला एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी की बोली लगाने की तैयारी में

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। भारत के 2025 में महिलाओं के 50 ओवर के विश्व कप की मेजबानी करने की संभावना है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी की बोली लगाने की तैयारी में है। अगर भारत की बोली सफल रहती है तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की यह शीर्ष प्रतियोगिता एक दशक से अधिक समय बाद भारत में वापसी करेगी। भारत ने पिछली बार 2013 में महिलाओं के 50 ओवर के विश्व कप की मेजबानी की थी और तब आस्ट्रेलिया ने मुंबई में फाइनल में वेस्टइंडीज को 114 रन से हराकर खिताब जीता था। आईसीसी का वार्षिक सम्मेलन बर्मिंघम में होना है और इस बैठक के दौरान अगले चक्र में आईसीसी की चार बड़ी महिला प्रतियोगिताओं के लिए बोली स्वीकार की जाएगी।

लवलीना की कोच संध्या गुरुंग को खेल गांव में प्रवेश मिला

बर्मिंघम, 26 जुलाई। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज़ लवलीना बोरगोहेन की कोच संध्या गुरुंग को राष्ट्रमंडल खेलों के खेल गांव में प्रवेश मिल गया है। लवलीना ने राष्ट्रमंडल खेलों से तीन दिन पहले 'मानसिक उत्पीड़न' का आरोप लगाते हुए कहा था कि उनकी कोच को खेल गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। लवलीना ने सोमवार को ट्विटर पर एक पोस्ट साझा करके कहा था , आज मैं बड़े दुख के साथ कहती हूं कि मेरे साथ बहुत उत्पीड़न हो रहा है। हर बार मेरे कोच, जिन्होंने मुझे ओलंपिक में पदक लाने में मदद की, उन्हें हटाकर मेरी ट्रेनिंग में बाधा डाली जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी कोच संध्या गुरुंग को खेल गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही थी, जबकि उनके दूसरे कोच को वापस भारत भेज दिया गया था।

फ्रांसीसी बल्लेबाज़ ने तोड़ा टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व रिकॉर्ड

वांता (फिनलैंड), 26 जुलाई। फ्रांस के सलामी बल्लेबाज़ गुस्ताव मैककॉन 18 वर्ष और 280 दिन की आयु में एक अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गये हैं। मैककॉन ने विश्व कप 2024 के तीसरे यूरोप उप-क्षेत्रीय क्वालीफायर टूर्नामेंट में यह विश्व रिकॉर्ड बनाया। मैककॉन ने स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ 61 गेंदों पर पांच चौके और नौ छक्के लगाते हुए 109 रन की पारी खेली। इससे पहले यह रिकॉर्ड अफगानिस्तान के हज़रतुल्ला ज़ज़ई के पास था। ज़ज़ई ने 2019 में 20 साल और 337 दिन की आयु में आयरलैंड के खिलाफ 62 गेंदों पर 162 रन की नाबाद पारी खेली थी।

भारतीय खिलाड़ियों को सार्वजानिक स्थलों पर ज्यादा न घूमने की सलाह

बर्मिंघम, 26 जुलाई। भारतीय ओलम्पिक संघ ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रहे भारतीय दल के खिलाड़ियों से सार्वजानिक स्थलों पर कोविड-19 के खतरे के मद्देनजर ज्यादा समय न गुजारने की सलाह दी है क्योंकि इसका खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और भागीदारी पर उल्टा असर पड़ सकता है। आईओए ने मंगलवार को एक बयान जारी कर खिलाड़ियों को यह सलाह देते हुए कहा है कि वे अपनी सार्वजानिक उपस्थिति को न्यूनतम रखें और जहां जरूरत हो पूरी सावधानी रखें।

चैम्पीयन बने राजेंद्र व राजीव

जयपुर, 26 जुलाई। जयपुर जिला बैड्मिंटन संघ द्वारा एसएमएस स्टेडियम मे आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 45 वर्ष से अधिक आयु की युगल श्रेणी में राजेंद्र शर्मा वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी ने अपने साथी राजीव शर्मा के साथ संघर्ष पूर्ण मुक़ाबले में प्रतिद्वंदी को हराकर स्वर्ण पदक ख़िताब किया अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में जिले के तक़रीबन 700 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपना भाग्य आजमाया।

भारत को बड़ा झटका

चोट के कारण राष्ट्रमंडल खेलों से हटे नीरज चोपड़ा

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। ओलम्पिक स्वर्ण विजेता और विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने चोट चिंताओं के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया है जिससे भारत की इन खेलों में पदक उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। नीरज को अमेरिका के यूजीन में विश्व चैंपियनशिप के दौरान हल्की चोट लगी थी और सोमवार को एम्आरआई स्कैन कराने के बाद उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने कहा कि नीरज ने महासंघ से भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) को यह बताने का आग्रह किया है कि वह बर्मिंघम खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक नहीं बन पाएंगे।

सुमारिवाला ने कहा,नीरज ने कहा है कि वह राष्ट्रमंडल खेलों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए सौ फीसदी फिट नहीं हैं। इसलिए वह उद्घाटन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक भी नहीं बन पाएंगे। नीरज विश्व चैंपियनशिप के फाइनल्स के दौरान रविवार को कुछ संघर्ष कर रहे थे। हम उनके लगातार संपर्क में हैं ताकि उन्हें जल्द ठीक होने में मदद कर सकें।

रविवार को नीरज पहले भारतीय पुरुष एथलीट बने थे जिसने विश्व चैंपियनशिप में पदक जीता। उन्होंने 88.13 मीटर की दूरी के साथ रजत हासिल किया। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.54 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण जीता।

नीरज चोपड़ा को एक महीने आराम की सलाह

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के शुरू होने से मात्र दो दिन पहले इन खेलों से हटने वाले भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा को एक महीने आराम की सलाह दी गयी है। भारतीय ओलम्पिक संघ के महासचिव राजीव मेहता ने कहा,नीरज ने आज सुबह अमेरिका से फोन करके बताया कि वह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

मेहता ने बताया कि विश्व चैंपियनशिप में भागीदारी के बाद नीरज का सोमवार को एमआरआई स्कैन कराया गया जिसके बाद उनकी मेडिकल टीम ने उन्हें एक महीने आराम की सलाह दी है। आईओए ने ट्वीट किया ,नीरज अपनी फिटनेस चिंताओं के कारण राष्ट्रमंडल खेलों में अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे। हम उनके जल्द ठीक होने की उम्मीद करते हैं और इस चुनौतीपूर्ण समय में उनके साथ खड़े हैं।

रिकॉर्ड छह टीमों के साथ शतरंज ओलंपियाड में उतरेगा भारत

चेन्नई, 26 जुलाई। चेन्नई के महाबलीपुरम में 29 जुलाई से शुरू हो रहे शतरंज ओलंपियाड में कुल 30 भारतीय खिलाड़ियों सहित रिकॉर्ड छह टीमों (तीन ओपन और तीन महिलाएं) हिस्सा लेंगी। तीन भारतीय ओपन टीमें क्रमशः दूसरी, 11वीं और 17वीं वरीयता प्राप्त हैं। दूसरी वरीयता प्राप्त इंडिया-1 ओपन टीम में विदित गुजराती, पी. हरिकृष्णा, अर्जुन एरिगैसी, एस.एल. नारायण और शशिकरन कृष्णन को चुना गया है।

इंडिया-2 ओपन टीम के सदस्य निहाल सरीन, डी.गुकेश, बी. अधिबान, आर.प्रगनानंद और रौनक साधवानी हैं, जबकि इंडिया-3 ओपन टीम में सूर्य शेखर गांगुली, एसपी सेथुरमन, अभिजीत गुप्ता, कार्तिकेयन मुरली और अभिमन्यु पुराणिक को शामिल किया गया है। संयोग से ओपन टीम के सभी 15 खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर हैं। महिला वर्ग में भारत-1 की टीम टॉप सीड है जबकि भारत-2 और भारत-3 की टीम क्रमशः 11वीं और 16वीं वरीयता प्राप्त है।भारत-1 महिला टीम में कोनेरू हम्पी, डी. हरिका, आर. वैशाली, तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी शामिल हैं।

भारत-2 महिला टीम में वंतिका अग्रवाल, सौम्या स्वामीनाथन, मैरी एन गोम्स, पद्मिनी राउत और दिव्या देशमुख हैं। भारत-3 की महिला टीम के लिये ईशा करावड़े, साहिती वार्शिनी, प्रत्युषा बोड्डा, नंदीधा पीवी और विश्व वासनावाला को चुना गया है। भारत चेन्नई के मामल्लापुरम में शतरंज ओलंपियाड के 44वें संस्करण की मेजबानी पहली बार कर रहा है। ओपन वर्ग में 188 टीमों और महिला वर्ग में 162 टीमों के साथ 187 देश इस आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024 का कैलेंडर जारी हुआ

पेरिस, 26 जुलाई। पेरिस ओलंपिक 2024 की आयोजन समिति ने खेल आयोजनों का कैलेंडर जारी कर दिया है। दो साल बाद होने वाले 2024 ओलंपिक में 24 जुलाई और 11 अगस्त के बीच 762 सत्रों में कुल 329 स्पर्धाएं आयोजित होंगी। टीम खेलों की शुरुआत 24 जुलाई से होगी। 27 जुलाई को साइकिलिंग (महिला और पुरुष टाइम ट्रायल), जूडो, तलवारबाजी, डाइविंग, रग्बी, शूटिंग, तैराकी और स्केटबोर्डिंग सहित आठ खेलों में पदक स्पर्धाएं होंगी। सभी तैराकी और एथलेटिक्स फाइनल शाम को होंगे। तैराकी के आयोजन (अंतिम दिन को छोड़कर, शाम 6.30 बजे शुरू होने के साथ) 8.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) और एथलेटिक्स के आयोजन शाम सात बजे से होंगे।

तीन और चार अगस्त का सप्ताहांत भी आयोजनों से भरा होगा। उन दो दिनों में टेनिस, टेबल टेनिस, जूडो, तलवारबाजी, एथलेटिक्स, तीरंदाजी, निशानेबाजी, साइकिलिंग, गोल्फ, घुड़सवारी, नौकायन, कलात्मक जिमनास्टिक, बैडमिंटन और तैराकी की पदक स्पर्धाएं होंगी। एथलेटिक्स में 110 मीटर और 100 मीटर बाधा दौड़ के फ़ाइनल स्टेड डी फ्रांस में आठ अगस्त को शाम सात बजे से पुरुषों के लिए और 10 अगस्त शाम सात बजे से महिलाओं के लिए होंगे। पेरिस 2024 खेल 11 अगस्त को महिला मुकाबलों के साथ समाप्त होंगे। कुश्ती, भारोत्तोलन और ट्रैक साइकिलिंग का समापन महिला स्पर्धाओं के साथ होगा, जबकि महिला बास्केटबॉल का फाइनल भी इसी दिन होगा।

भारत की नजरें 3-0 की क्लीन स्वीप पर

वेस्टइंडीज से तीसरा एकदिवसीय आज

पोर्ट ऑफ स्पेन, 26 जुलाई। साल 2022 के वनडे मैचों में 11 से 40 ओवरों के बीच वेस्टइंडीज़ के गेंदबाज़ों ने कुल 64 विकेट लिए हैं। यह किसी भी पूर्ण सदस्यीय टीम के द्वारा लिया गया सर्वाधिक विकेट है। भारतीय टीम ने इस दौरान 2022 में 46 विकेट गंवाए हैं। यह किसी भी पूर्ण सदस्यीय टीम के लिए दूसरा सर्वाधिक है। इस लिस्ट में पहला नाम वेस्टइंडीज़ का ही है। उन्होंने 11 से 40 ओवरों के बीच में सबसे ज़्यादा 90 विकेट खोए हैं।

दूसरे वनडे में अक्षर पटेल ने अपनी 64 रनों की धाकड़ पारी की बदौलत मैच को भारतीय टीम के झोली में डाल दिया था। अंतिम 10 ओवरों में भारत को जीत के लिए 100 रनों की आवश्यकता थी। इन 10 ओवरों में रोमारियों शेफ़र्ड ने दो ओवर किए और कुल 27 रन ख़र्च किए। इस साल वनडे में 41 से 50 ओवर के बीच कम से कम 75 गेंद फेंकने वाले गेंदबाज़ों में शेफ़र्ड का इकॉनमी रेट 10.28 है, जो सबसे ख़राब है। इस दौरान उन्होंने सिर्फ़ तीन विकेट ही झटके हैं।

ऐसा लग रहा है कि तीसरे वनडे में कीमो पॉल और जेसन होल्डर टीम में वापसी करेंगे और शेफ़र्ड को बेंच पर बैठना पड़ेगा। वहीं भारतीय टीम की निगाहें सूर्यकुमार यादव और दीपक हुड्डा पर होगी। टीम प्रबंधन चाहेगी कि ये दोनों बल्लेबाज़ बेहतर प्रदर्शन करें।

भारत ने भले ही दोनों वनडे में 300 का स्कोर बनाया हो लेकिन अल्ज़ारी जोसेफ़ ने दोनों मैचों में 5.35 की इकॉनमी रेट से गेंदबाज़ी की है। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी झटके हैं। होल्डर की अनुपस्थिति में उन्होंने गेंदबाज़ी क्रम का बढ़िया नेतृत्व किया है।

रविवार को खेला गया वनडे सूर्यकुमार का 12वां वनडे मैच था। इस मैच में वह दहाई के आकड़ें को छूने में असफल रहे और ऐसा उनके वनडे करियर में दूसरी बार हुआ। वह अब तक नौ पारियों में आउट हुए हैं, जिसमें तीन पारियों में वह बोल्ड हुए हैं। तीनों बार भीतरी किनारा लग कर गेंद विकेट पर लगी है।

यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि जेसन होल्डर अंतिम वनडे के लिए फ़िट हो सकते हैं या नहीं। हालांकि अगर वह फ़िट नहीं हुए तो टीम में कीमो पॉल को जगह मिल सकती है।

भारतीय टीम में प्रसिद्ध कृष्णा वापस आ सकते हैं। शायद मोहम्मद सिराज या आवेश ख़ान में से किसी एक को टीम से बाहर रखा जा सकता है। बीसीसीआई की प्रेस विज्ञिप्त के अनुसार रवींद्र जडेजा को घुटने की चोट के कारण पहले दो वनडे मैचों से बाहर रहना पड़ा था। इसलिए यदि वह टीम में वापस आते हैं तो अक्षर पटेल को टीम से बाहर बैठना पड़ सकता है।

323 की बढ़त के साथ श्रीलंका मज़बूत

गॉल, 26 जुलाई। श्रीलंका ने एंजेलो मैथ्यूज़ (35) और धनंजय डि सिल्वा (30) की बदौलत पाकिस्तान के खिलाफ दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक मंगलवार को 176 रन बना लिये। श्रीलंका की आधी टीम पवेलियन लौट गयी है, लेकिन पाकिस्तान को पहली पारी में 231 रन पर समेटने के बाद वह 323 रन की बढ़त के साथ मज़बूत स्थिति में है। श्रीलंका की दूसरी पारी में पिच की हरकतें उजागर हुई हैं, जहां कुछ गेंदों में अतिरिक्त उछाल व स्पिन देखा गया।

यासिर शाह, मोहम्मद नवाज़ और आग़ा सलमान ने एक-एक विकेट हासिल किया, जबकि नसीम शाह ने दो विकेट लिये। एंजेलो मैथ्यूज़ श्रीलंका के लिये दूसरी पारी में सबसे ज्यादा सकारात्मक दिखे, लेकिन सलमान की अतिरिक्त उछाल भरी एक गेंद पर पवेलियन लौट गये। दिन का खेल समाप्त होने तक कप्तान दिमुथ करुणारत्ने 27 रन बनाकर क्रीज़ पर मौजूद हैं, जबकि उनके साथ डिसिल्वा ने 30 रन बना लिये हैं। पीठ में खिंचाव के कारण छठे नंबर पर आये करुणारत्ने और डि सिल्वा ने 59 रन की साझेदारी कर ली है।

पावरगेम और स्मार्टनेस का बेहतरीन समागम हैं अक्षर पटेल

पोर्ट ऑफ स्पेन, 26 जुलाई। मौजूदा वनडे सीरीज़ में अक्षर पटेल को प्लेइंग इलेवन में लगातार जगह दी जा रही है। ऐसे कई कारण थे जिसके कारण अक्षर को इस बार टीम में मौक़ा नहीं मिलता। पांच सालों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा टीम में शामिल होने के लिए पूरी तरह से फ़िट हो, इसके बावजूद अक्षर पटेल को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। अगर हार्दिक और जडेजा इस बार एक साथ टीम में मौजूद होते तो दोनों भारतीय टीम के मध्य क्रम में शामिल होते, ऐसे में अक्षर के लिए टीम में जगह बनाना काफ़ी मुश्किल हो जाता।

हालांकि भारत फ़िलहाल जिस रणनीति के साथ खेल रहा है, उसमें 40-45 खिलाड़ियों को मौक़ा दिया जा रहा है। इस रणनीति के साथ भारतीय टीम चाहती है कि टीम के हर खिलाड़ी का बैक अप तैयार रहे। इसी तरह से जडेजा के बैक अप के रूप में अक्षर को तैयार किया जा रहा है। लगातार दिए जा रहे मौक़े को दोनों हाथों से स्वीकारते हुए अक्षर ने दूसरे वनडे मैच में एक अदभुत पारी खेली, जिसमें उन्होंने ताकतवर शॉट, शांत स्वभाव, स्मार्टनेस और चालाकी का बेहतरीन प्रदर्शन किया। जब अक्षर बल्लेबाज़ी करने आए तो भारत को 11 ओवर में 105 रनों की आवश्यकता थी। इसके जवाब में उन्होंने 34 गेंदों में 65 रनों की पारी खेली और मैच का अंत एमएस धोनी की शैली में सिक्सर लगाते हुए किया।

ऐसा नहीं है कि अक्षर ने ऐसा पहली बार किया है। इसी साल आईपीएल में उन्होंने मुंबई इंडियंस के ख़िलाफ़ इसी तरह की पारी खेली थी। उस मैच में दिल्ली को 40 गेंदों में 74 रनों की आवश्यकता थी और छह विकेट गिर चुके थे। अक्षर ने इस मैच में डैनियल सैम्स और जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज़ों के सामने इस मुश्किल स्कोर को मुमकिन कर दिया।

इन दोनों पारियों में अक्षर ने बताया कि वह कभी भी अपने शॉट्स के बारे में पहले से ही सोच कर नहीं रखते हैं, बल्कि वह गेंद की मेरिट के हिसाब से उसके ख़िलाफ़ शॉट लगाते हैं। वह एक सोची-समझी रणनीति के साथ बल्लेबाज़ी करते हैं। उनकी तकनीक बेहतर होती है और स्मार्टनेस के साथ अपने खेल को वह आगे बढ़ाते हैं।

हालिया समय में इन दोनों प्रदर्शनों के अलावा अक्षर ने दो साल पहले भी अपनी बल्लेबाज़ी क्षमता का प्रदर्शन किया था। उस वक़्त चेन्नई के ख़िलाफ़ शारजाह में अक्षर ने जडेजा को अंतिम ओवर में तीन सिक्सर लगा कर मैच को दिल्ली के पाले में ला दिया था। दिसंबर में भी न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ खेले गए टेस्ट मैच में अक्षर ने पहली पारी में 128 गेंदों का सामना करते हुए 52 रन बनाए थे। उस मैच में उन्होंने एजाज़ पटेल के ख़िलाफ़ काफ़ी रन बटोरे थे।

दूसरे वनडे में उन्होंने जिस तरीक़े की पारी खेली। उसी देखते हुए यह विश्वास कर पाना काफ़ी मुश्किल था कि 22 वनडे पारियों में यह उनका पहला पचासा था। डीप मिडविकेट और लांग ऑन के बीच से उन्होंने कई शानदार शॉट लगाए। उनके हर एक हिट में उनकी मंशा बिल्कुल साफ़ झलक रही थी।

अक्षर ने बीसीसीआई की वेबसाइट से कहा, "आईपीएल में अंतिम 10 ओवरों में सौ रनों का पीछा अक्सर किया जाता है। इसलिए मैं इस इरादे से गया था कि हम इस स्कोर का पीछा कर लेंगे। हमारी सोच थी कि हम हर ओवर में कम से कम एक बार रन बनाने का मौक़ा ज़रूर लेंगे।"

एक बार जब वह अपने सेटअप में और अधिक आश्वस्त होने लगे, तो उन्होंने अपने पावर गेम पर काम करना शुरू कर दिया। वह हमेशा से ही शक्तिशाली थे, लेकिन जब उसने अपने पावर गेम के साथ अपने स्मार्टनेस को जोड़ा, तो बदलाव साफ़ दिखने लगा।

प्रियंक पांचाल (अक्षर के बारे में):- पिछले चार सालों में अक्षर की बल्लेबाज़ी में काफ़ी बदलाव आया है। गुजरात के कप्तान प्रियंक पांचाल ने इन बदलावों को काफ़ी नज़दीक से देखा है। प्रियंक के अनुसार अक्षर अब एक बल्लेबाज़ के जैसा सोच रहे हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि पिछले कुछ सालों में इस तरह की कुछ एक पारियां खेलने से उनका आत्मविश्वास काफ़ी बढ़ा है। पांचाल कहते हैं, "जब आपकी भूमिका एक गेंदबाज़ी ऑलराउंडर की होती है, तो आपमें किसी एक(बल्लेबाज़ी या गेंदबाज़ी) चीज़ पर दूसरे की तुलना में अधिक ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति होती है, और अक्षर के साथ यही हो रहा था। जिस क्षण उन्होंने अपने विकेट की क़ीमत को समझा, उन्हें एहसास होने लगा कि वह कहां ग़लती कर रहे हैं। उनकी तकनीक बेहतर होने लगी। वह एक बल्लेबाज़ की तरह सोचने लगे, वह गहराई से विश्लेषण करने लगे कि वह कहां गलत कर रहे हैं, और बेहतर होने की दिशा में काम करने लगे।"

"एक बार जब वह अपने सेटअप में और अधिक आश्वस्त होने लगे, तो उन्होंने अपने पावर गेम पर काम करना शुरू कर दिया। वह हमेशा से ही शक्तिशाली थे, लेकिन जब उसने अपने पावर गेम के साथ अपने स्मार्टनेस को जोड़ा, तो बदलाव साफ़ दिखने लगा। गुजरात में उन्होंने लगातार 5 नंबर बल्लेबाज़ी करते हुए कई मैच टीम की झोली में डाला। यह हमेशा से ही आत्मविश्वास का सवाल था।"

अक्षर की बल्लेबाज़ी में हुए सुधार से वह अपनी टीमों के प्रमुख घटक बन रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनके गेंदबाज़ी में कुछ कारगर बदलाव आए हैं। अब वह सिर्फ़ बल्लेबाज़ों को रन बनाने से नहीं रोकना चाहते हैं। इसके इतर वह गेंदबाज़ी के दौरान क्रीज़ का बढ़िया उपयोग करते हैं। हवा में बल्लेबाज़ों को बीट करने का प्रयास करते हैं। इसके अलावा भी उन्होंने अपनी गेंदबाज़ी में कई बदलाव किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में तो अक्षर की एंट्री धाकड़ रही है। पहले छह टेस्ट मैचों में उन्होंने कुल 39 विकेट झटके हैं। अक्षर ने अपने खेल में जिस तरह से सुधार किया है, उससे भारतीय टीम को कई विकल्प मिले हैं।

कार्यालय नगर पालिका, रींगस, जिला-सीकर (राज.)

Sr.No.: न.पा.री/2022-23/2238 Date: 2617/2022

Email.ringas.jaipur@gmail.com

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्ति के नामांतरण हेतु पत्रावली प्रस्तुत की है-

क्र.सं.	नाम प्रार्थी	क्षेत्रफल	स्थान	प्रयोजन
1.	श्री अशोक कुमार कानूनगो एवं चन्द्रशेखर कानूनगो, निवासी-रींगस	320.57 वर्गगज	कानूनगो का मोहल्ला वार्ड नं. 14 रींगस	पट्टा संख्या 77 दिनांक 10.07.2022 का नामांतरण बाबत

अतः किसी व्यक्ति विशेष को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो सहित 7 दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मियाद अवधि नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका रींगस

प्रारूप-10 (नियम 6(7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक

क्रमांक: नपासा/2022/1192 दिनांक 26.07.2022

लोक सूचना

श्री गोपाल लाल पुत्र श्री चंदा लाल जाति ब्राह्मण निवासी मुकन्दपुरा रोड, भांकरोटा वासी, जयपुर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि गैर कृषिक प्रयोजनो के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया हैं अर्थात:-

क्र.सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा न.	रकबा	चाहा गया प्रयोजन
1.	जयपुर	लालपुरा	2097/01	कुल किता 1 कुल रकबा 0.5437 हेक्टेयर	5437 वर्गमीटर भूमि को आवासीय में रूपान्तरण हेतु

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन कृषिक प्रयोजनों के लिए भू उपयोगार्थ (आवासीय भू-रूपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज..........को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी

नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

कार्यालय नगर पालिका मण्डल श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा/2022-23/1921-22 दिनांक-25/07/2022

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका श्रीमाधोपुर में निम्न तालिका अनुसार पट्टा नामान्तरण की पत्रावली पर आपत्ति आमंत्रित की जाती है-

क्र.सं.	नाम पत्रावली	क्षेत्रफल	पत्रावली का प्रकार
1	संजीव कुमार खुटेटा, रविन्द्र कुमार खुटेटा पुत्रगण स्व.श्री सांवरमल खुटेटा श्रीमाधोपुर	60.00 वर्गगज	आवासीय पट्टा नामान्तरण

जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो 07 दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज स्वयं की आईडी जिस पर स्वयं के मोबाईल नम्बर अंकित हो व्यक्तिगत उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मियाद विचार नहीं किया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका श्रीमाधोपुर

प्रारूप-5 (नियम 6(2) देखिए)

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/1917-18 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-25.07.2022

[illegible]

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 25.07.2022 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

प्रारूप-5 (नियम 6(2) देखिए)

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2021-22/1203-04 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-15.06.2022

[illegible]

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

प्रारूप-5 (नियम 6(2) देखिए)

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2021-22/1914-15 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-25.07.2022

[illegible]

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 25.07.2022 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई-ऑक्शन सूचना

निविदा सं. जी-11/सोल राईट/फालना/2019-22 दिनांक: 25.07.2022

1) अजमेर मंडल के फालना स्टेशन पर वाणिज्य विज्ञापन प्रदर्शन के लिए खुली ई-ऑक्शन module के माध्यम से www.ireps.gov.in से आमंत्रित की गई है। क्रम. सं.: 1; लोट सं.: ADVT-AII-FA-OH-5-22-1 (Advertising-Out of Home). कार्य अवधिः तीन वर्ष। 2) ई-ऑक्शन प्रारंभ होने की तिथि व समय: 16.08.2022 को 12.00 बजे तक। नोट: सभी संभावी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि इस निविदा से संबंधित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु, वे नियमित रूप से वेबसाइट ई-ऑक्शन leasing module www.ireps.gov.in में देखें। 567-AN/22

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

पश्चिम रेल

इन्डोर एवं आउट डोर सिगनलिंग उपकरण की सप्लाय इन्स्टालेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग

डिप्टी चीफ सिगनल एवं टेलीकॉम इन्जीनियर (निर्माण) पश्चिम रेल, रतलाम निविदा सं. एस.एण्ड.टी/सी/आ.टी.एम./98 आर/2022-23 कार्यालय का नाम "दाहोद-इन्दौर नयी बी जी लाइन" के संदर्भ में "पश्चिम रेल (गुजरात राज्य) के रतलाम डिवीजन के दाहोद यार्ड में इन्डोर एवं आउटडोर सिगनलिंग उपकरण की सप्लाय, इन्स्टालेशन, टेस्टिंग एवं कमिशनिंग" कार्य की अनुमानित लागत-रूपये 2,11,01,984.06, धरोहर राशी की कीमत रूपय 2,25,500/-, आफर की वैधताः 45 दिन, निलामी प्रारम्भ होने की तिथीः 03/08/2022 बंद होने की तिथी एवं समयः 17/08/2022 के 15.00 बजे. उपरोक्त निविद के अधिक विवरण के लिये कृपया पश्चिम रेल वैबसाइट www.ireps.gov.in पर आयें।

Follow us on: twitter.com/WesternRly

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

CIN : L65110TN2014PLC097792

पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031

फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	32304210	गृह ऋण	1. संगीता परसोया 2. राजेन्द्र परसोया	20.07.2022	31,16,868.61/-	यूनिट नं. एफ-बी, क्षेत्रफल 1020 वर्ग फिट, (दक्षिण भाग की पार्किंग नं. एफ.बी. सहित) पहली मंजिल, वृन्दा अपार्टमेन्ट, प्लाट नं.32, कृष्णा नगर, गोपालपुरा बायपास, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और प्लाट सीमायें है- पूर्व-रोड 30 फिट चौडी, पश्चिम-अन्य सम्पत्ति, उत्तर-प्लाट नं.33, दक्षिण-रोड 30 फिट चौडी

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है। ह./-

दिनांक- 27.07.2022

स्थान- जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

जोधपुर में 15 घंटे में एक सौ अट्ठारह मिलीमीटर वर्षा, शहर पूरा पानी-पानी

- सोमवार शाम से हो रही भारी बारिश से शहर में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं, स्कूलों में भी छुट्टी कर दी गई।
- भारी बारिश से हुए जल भराव से शहर के बिगड़े हालात का जायजा लेने प्रशासन सड़कों पर उतरा।
- बारिश की वजह से रोडवेज़ की बसें नहीं चलीं और ट्रेनें भी लेट हो रही हैं।

जोधपुर, 26 जुलाई (कासं)। दक्षिण पश्चिम मानसून प्रदेश में सक्रिय होने से जोधपुर संभाग में बादल टूट कर बरसे। सोमवार की शाम सात बजे शुरू हुई बारिश का दौर मंगलवार दोपहर तक जारी रहा। रूक- रूक हो रही बारिश से शहर के नाले उफान पर आ गए और सड़कें भी दरिया बन गईं। अब तक 118 एम.एम. पानी बरस चुका है।

बारिश की वजह से कुछ जगहों पर दीवारें गिरीं तो कई स्थानों पर जल भराव हुआ और पेड़ तक गिर गए हैं। जोधपुर शहर के साथ ग्रामीण इलाकों में भी खूब पानी बरसा है।

इधर रोडवेज के पहिए भी थम गए हैं और कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया गया है। शहर में बारिश के कारण सरकारी आदेश पर आज स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई वहीं राजस्थान हाईकोर्ट में भी कामकाज प्रभावित हुआ है।

बीते करीब 15 घंटे से हो रही बारिश से शहर में बाढ़ के हालात हैं। जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता सहित प्रशासनिक अमला शहर के हालात का जायजा लेने उतरा है।

मूसलाधार बरसात का दौर जोधपुर व आसपास के एरिया में सोमवार शाम करीब सात बजे से शुरू हुआ। तीन घंटे की तेज बरसात से शहर की गलियों में कई फीट तक पानी जमा हो गया और पानी का बहाव नदी जैसा लगने लगा। इस बहाव में कई गाडिय़ां बहती दिखीं। मानसून के 22 दिनों में जोधपुर की यह पहली तेज बारिश है। शहर के कई इलाकों में बिजली गुल है।

शहर के रेलवे स्टेशन में पानी भरने से यात्रियों को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ा। रेलवे ट्रैक पर इतना पानी भरा था कि ट्रैक नजर नहीं आए। प्लेटफॉर्म और स्टेशन के बाहर भी जलभराव से यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। इधर राइकाबाग बस स्टैंड में भी पानी भर गया।

शहर के कागा कॉलोनी स्थित राधाकृष्ण मंदिर रामगढ़ी में दीवार ढहने से वहां खड़ी कार क्षतिग्रस्त हो गई। जेसीबी की मदद से मलबे के साथ कार को निकाला गया।

इधर भीतरी शहर के पुंगलपाडा स्थित गाय गली में शाहों की पोल की दीवार का हिस्सा ढह गया जिससे दुपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सोमवार की रात को हुई बरसात के कारण भीतरी शहर में पानी के तेज वेग से गाडिय़ां बह गईं। खांडा फलसा दूधेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र में दुकानों में पानी भर गया। जालोरी गेट जालप मोहल्ला क्षेत्र में पानी के वेग के साथ दो कारें बह गई। जलजोग, बारहवी रोड़, खतरनाक पुलिया, पावटा, मंडोर, जिला कलेक्ट्रेट, नेहरु पार्क आदि क्षेत्रों में सड़कों पर कमर तक पानी भर गया है।

नगर निगम की घोर लापरवाही का खामियाजा शहर के लोग भुगत रहे हैं। शहर के सभी बरसाती नालों की निकासी बंद पड़ी है। कोई भी नाला जोजरी नदी से नहीं जुड़ पाया। पानी निकासी का कोई रास्ता नहीं होने के कारण पानी शहर के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र की तरफ बढ़ता रहा। शहर का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं बचा जहां जल भराव नहीं हो रखा है।

भीतरी शहर व सरदारपुरा के बरसाती पानी की निकासी के लिए नेहरू पार्क के समीप से गंदा नाला बहना शुरू होता है। इसे जोजरी नदी से जोडऩे का काम बरसों से अटका पडा है। ऐसे में इसका पानी आगे जाकर कॉलोनियों में फैल जाता है। वहीं चौपासनी हाउसिंग बोर्ड की जल निकासी के लिए दस करोड़ की लागत से बनाया जा रहा नाला निगम की लापरवाही के कारण अधूरा पड़ा है। बंबा मोहल्ले से शुरू होने वाली बरसाती नाले को तो निगम ने कई जगह पर सीवर लाइन से ही जोड़ दिया। सीवर लाइन की अपनी क्षमता है। उसके माध्यम से पानी की निकासी बेहद धीमी रफ्तार से हो पाती है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में भारी वर्षा के मद्देनजर आमजन को सावधानी बरतने का आ ान किया है। जोधपुर की स्थिति को लेकर शेखावत निरंतर जिला कलेक्टर और निगम प्रशासन के संपर्क में हैं। उन्होंने मंगलवार सुबह महापौर और निगम के पार्षदों से भी फ़ोन पर बातचीत की।

'देश के असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए केन्द्रीय एजेंसियों का खुलेआम राजनीतिकरण हो रहा है'

पायलट को दिल्ली में लिया गया हिरासत में

जयपुर, 26 जुलाई (का.प्र.)। दिल्ली में कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में प्रदर्शन कर रहे पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कई नेताओं को पुलिस ने मंगलवार को हिरासत में लिया है। कांग्रेस के सांसद व नेता दिल्ली में ईडी ऑफिस और कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। कांग्रेस नेताओं को किंग्सवे कैंप पुलिस लाइन ले जाया गया है।

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रदर्शन के बाद केंद्र सरकार और बीजेपी पर निशाना साधा। पायलट ने कहा, पिछले आठ साल से इस देश में केंद्रीय एजेंसियों को एक लक्ष्य दिया गया है कि, कैसे विपक्ष को और खासकर कांग्रेस की आवाज को दबाया जाए। कभी ईडी के समन भेजना, पूछताछ करना, बेवजह आरोप लगाना इनकी टैन्डेन्सी बन गई है।

पायलट ने कहा, देश के जो असली मुद्दे हैं, जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी, कृषि की समस्याएं आदि, उनसे ध्यान हटाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का खुलेआम राजनीतिकरण हो रहा है। इसके विरोध में हमने सत्याग्रह किया है। केंद्र सरकार पर तानाशाही इतनी हावी है कि अपने विरुद्ध उठने वाली हर आवाज को षड्यंत्र से कुचलना चाहती है। सत्ता का गलत उपयोग कर हमें गिरफ्तार करके भाजपा ने फिर अपने अहंकार का परिचय दिया है, लेकिन भाजपा के हर कुचक्र के खिलाफ हमारा सत्याग्रह जारी रहेगा। पायलट ने कहा, हम चाहते हैं कि संसद में देश के मुद्दों पर चर्चा हो । संसद में महंगाई, बेरोजगारी और लोगों के साथ हो रहे अन्याय पर चर्चा हो। इनका एक ही लक्ष्य है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को बदनाम किया जाए। देश यह सब देख रहा है और समझ रहा है। लोग समझेंगे और आठ साल के कुशासन को खत्म करने के लिए हमारे साथ खड़े होंगे। देश की जनता आज जवाब मांग रही है, जनता कांग्रेस के साथ खड़ी है।

28 हज़ार करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी

नयी दिल्ली 26 जुलाई (वार्ता)। सरकार ने सशस्त्र सेनाओं के लिए करीब 29 हजार करोड़ रूपए के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में सशस्त्र सेनाओं के लिए 28732 करोड़ रुपए के सौदों को मंजूरी दी गई। यह खरीद

- विभिन्न संघर्षों तथा अभियान के दौरान ड्रोन के बढ़ ते इस्तेमाल को देखते हुए सेनाओं के लिए निगरानी और हथियारों से लैस ड्रोन की खरीद को मंजूरी दी गई है।

स्वदेशी कम्पनियों से की जाएगी, जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ ावा मिलेगा।

इन सौदों के तहत सीमाओं पर विशेष रूप से अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों और आतंकवाद अभियानों में शामिल बलों के लिए बुलेट प्रूफ जैकेट तथा कार्बाइन खरीदी जाएंगी।

विभिन्न संघर्षों तथा अभियान के दौरान ड्रोन के बढ़ ते इस्तेमाल को देखते हुए सेनाओं के लिए निगरानी और हथियारों से लैस ड्रोन की खरीद को मंजूरी दी गई है। तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा को बढ़ ाने के उद्देश्य से तटरक्षक बल के लिए तेज गति से चलने वाली 14 नौकाओं की भी खरीद की जाएगी।

जोधपुर में 4 बच्चों की पानी में डूबने से मौत

- गोविन्दपुरा गांव के चार बच्चे नाड़ी पर गए थे, जहां एक-एक कर डूबते गए और उनकी मौत हो गई।
- सभी बच्चे 12 से 16 साल के हैं, जिनमें से 15 साल की अनिता व 12 साल का किशोर सगे भाई-बहन हैं।

जोधपुर, 26 जुलाई (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती खेड़ापा स्थित बावड़ी कस्बे के गोविंदपुरा गांव में मंगलवार की दोपहर नाड़ी पर गए चार बच्चों की पानी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। शवों को नाड़ी से बाहर निकलवा कर सीएचसी अस्पताल की मौर्चुअरी में रखवाया गया है। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुँचकर जायजा लिया।

ग्रामीण पुलिस ने बताया कि खेड़ापा के बावड़ी कस्बे में गोविंदपुरा गांव के चार बच्चों, 12 साल का पिंटू पुत्र रामनिवास, 15 साल की अनिता पुत्री हीराराम, 16 साल की संजू पुत्री प्रकाश एवं 12 साल का किशोर पुत्र हीराराम, की पानी में डूबने से मौत हो गई। ये सब बारिश का आनंद लेने गोविंदपुरा स्थित एक नाड़ी पर गए थे जहां एक एक कर वो सब डूब गए। सूचना मिलने पर खोड़ापा पुलिस और उपखंड अधिकारी आदि वहां पहुंचे।

हज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाहर दी जाने वाली सेवाओं के लिये जी.एस.टी. की एक्स्ट्रटेरिटोरियल एप्लिकेशन पर वादियों द्वारा उठाया गया मुद्दा अभी खुला हुआ है क्योंकि यह एक अन्य बैंच के पास विचाराधीन है। टूर ऑपरेटर उन हाजियों पर लगाई गई जी.एस.टी. को चुनौती देने के लिये सर्वोच्च न्यायालय गये, जो उनके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं का लाभ लेते हैं। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 245 के अनुसार, कोई भी टैक्स-कानून एक्स्ट्राटेरिटोरियल, गतिविधियों पर लागू नहीं होता। उन्होंने टैक्स लगाये जाने को भेदभावपूर्ण बताया, क्योंकि यह छूट उन हाजियों को तो मिल जाती है, जो हज कमेटी ऑफ इंडिया के माध्यम से तीर्थयात्रा पर जाते हैं। 2020 में कोविड-19 के फैलने के बाद, यह पहला अवसर है, जब सऊदी अरब ने विदेशी तीर्थयात्रियों को हज करने की अनुमति दे दी है क्योंकि पिछले दो वर्ष यह यात्रा केवल घरेलू तीर्थयात्रियों तक सीमित कर दी गई थी।

'आम आदमी क्लीनिक'

- मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार 15 अगस्त को, जनता को 75 आम आदमी क्लीनिक समर्पित करेगी।

चंडीगढ़ , 26 जुलाई (वार्ता) पंजाब में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने का दावा करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि पंजाब सरकार 15 अगस्त से आम आदमी क्लीनिक्स की शुरुआत करने जा रही है, जिससे राज्य के हर वर्ग को उच्च स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने पंजाब भवन में मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से कहा कि आप सरकार अपने एक और बड़े चुनावी वादे को पूरा करने जा रही है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनता को 75 आम आदमी क्लीनिक समर्पित करेगी। इन क्लीनिकों में आम लोगों का मुफ्त इलाज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 109 नए आम आदमी क्लीनिक स्थापित किए जाएंगे, ताकि राज्य में आम आदमी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे।

पाकिस्तान में बारिश से 18 की मौत

इस्लामाबाद , 26 जुलाई (वार्ता)। पाकिस्तान के कई शहरों में लगातार बारिश के कारण देश भर में आई अचानक बाढ़ में कम से कम 18 और लोगों की मौत हो गई है। डॉन ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक सिंध के कई इलाकों में लगातार बारिश के कारण गंभीर

- सिंध के कई इलाकों में लगातार बारिश के कारण गंभीर जल-जमाव होने से लोगों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

जलजमाव होने के कारण लोगों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। कई इलाकों में घंटों बिजली गुल रहने और रिहायशी इलाकों में पानी भर जाने से लोगों में नाराजगी है।

उनकी शिकायतों को अधिकारी अनसुनी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बारिश ने विशेष रूप से कराची शहर के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है।

श्रीलंका में डॉक्टरों और दवाईयों की कमी, अस्पताल खाली हुए

- देश के अभूतपूर्व आर्थिक संकट ने स्वतंत्र और सार्वभौमिक स्वास्थ्य प्रणाली को भी नहीं बख्शा।
- मौजूदा समय में देश में विभिन्न आवश्यक वस्तुओं की कमी चल रही है, जिसमें दवाएं भी प्रमुख रूप से शामिल हैं। दवाईयों की कमी के कारण छोटी से लेकर गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों के जीवन को बचाने में बहुत परेशानी आ रही है।

कोलम्बो 26 जुलाई (वार्ता)। श्रीलंका का राष्ट्रीय अस्पताल देश का सबसे बडा अस्पताल है। देश में राजनीतिक और आर्थिक संकट से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रही है और अस्पताल मरीज़ों और डॉक्टरों के न होने से खाली पड़े हैं। एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी सामने आयी है।

देश में अभूतपूर्व आर्थिक संकट ने स्वतंत्र और सार्वभौमिक स्वास्थ्य प्रणाली को भी नहीं बख्शा और इससे बड़ा झटका दिया है, जो कुछ महीने पहले श्रीलंका की दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के तुलना में स्वास्थ्य क्षेत्र में अच्छी स्थिति मानी जाती थी।

मौजूदा समय में देश में विभिन्न आवश्यक वस्तुओं की कमी चल रही है, जिसमें दवाएं भी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

दवाईयों की कमी के कारण छोटी से लेकर गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों के जीवन को बचाने में बहुत परेशानी आड़े आ रही है।

राष्ट्रीय अस्पताल हालांकि आम तौर पर पूरे द्वीप राष्ट्र में विशेष उपचार के लिए जाना जाता है। जो इस संकट के दौर में स्वास्थ्य कर्मियों की कमी से जूझ रहा है और इसके 3,400 बिस्तरों में से कई अप्रयुक्त हैं। अस्पताल में सर्जिकल उपकरण और जीवन रक्षक दवाओं की आपूर्ति लगभग खत्म हो गई है, जबकि पेट्रोल की कमी ने रोगियों और डॉक्टरों दोनों को इलाज के लिए अन्यत्र जाने में सबसे बड़ी बाधा पैदा कर दी है। श्रीलंका अपनी जरूरतों के शेष हिस्से के निर्माण के लिए कच्चे माल के साथ-साथ 85 प्रतिशत दवाओं और चिकित्सा उपकरणों का आयात करता है।

देश अब हालांकि दिवालिया के कगार पर पहुंच गया है और विदेशी मुद्रा की कमी ने अर्थव्यवस्था को लगभग चौपट कर दिया है और इस संकट से उबरने के लिए पर्याप्त पेट्रोल और बीमारों के इलाज के लिए पर्याप्त फार्मास्यूटिकल्स के स्त्रोत आड़े आ रहे हैं।

नकली नोट की कमाई से मंहगे शौक पूरे कर रहे अपराधियों ने किए कई खुलासे

पूछताछ में हो रहे इन खुलासों से पुलिस भी हैरान है

- ये अपराधी नकली नोटों की कमाई से मंहगी गाड़ियों में घूमते, मंहगे होटलों में रूकते थे और कॉल गर्ल्स पर भारी रकम खर्च करते थे।
- सभी ने सट्टा लगाने और ड्रग्स लेने की बात भी कबूली।
- गिरोह के मास्टर माइन्ड ने एक साल में ही आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न करोड़ों का बंगला बना लिया।

बीकानेर, 26 जुलाई (कासं)। राजस्थान में नकली नोट छापने वाले अब तक के सबसे बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। बीकानेर में पकड़े गए 6 आरोपियों से पुलिस ने 2.74 करोड़ से ज्यादा रुपये के नकली नोट बरामद किए थे। देशभर में इन्होंने ये नकली नोट चलाये हैं। अब इनसे हुई पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश पासवान ने बताया कि इस गिरोह के सभी सदस्यों के बड़े-बड़े शौक थे। बड़े शहरों की होटलों में कॉलगर्ल्स बुलाने के साथ -साथ घूमने के लिए महंगी गाड़ियां खरीदी थीं। कहीं आने-जाने पर महंगे होटल में ही ठहरते और लाखों रुपये एक दिन में उड़ा देते थे। गिरोह के मास्टरमाइंड चम्पालाल ने नकली नोटों के धंधे से बीकानेर में आलीशान बंगला बना लिया है। ये लोग जुआ सट्टा में भी बड़ी रकम लगाते थे। बताया जाता है कि सभी सदस्य महंगे नशे के भी आदी हैं। फिलहाल चम्पालाल शर्मा उर्फ नवीन सारस्वत (31) के साथ रविकांत जाखड़ (24), नरेन्द्र शर्मा उर्फ विक्की (27) मालचंद शर्मा (29) पूनमचंद शर्मा (26) और राकेश सारस्वत (22) पुलिस की गिरफ्त में हैं। पूछताछ में इनकी प्रॉपर्टी के बारे में जानकारी भी सामने आई है। पुलिस ने दो दिन पहले इस गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने रेड के दौरान इन युवकों से चार गाड़ियां भी बरामद की हैं, जो करीब 60 लाख रुपये की हैं। इसमें एक जीप कम्पास भी शामिल है, जिसकी कीमत करीब 19 लाख रुपये है। साथ ही नैक्सा एस क्रास भी मिली, जो करीब दस लाख रुपये की है। इसके अलावा सात से आठ लाख रुपये लागत की बलेनो और स्विफ्ट डिजायर भी बरामद की गई।

यह भी पता चला है कि पुलिस गिरफ्त में मौजूद 6 युवक एमडी जैसा सबसे महंगा नशा भी करते हैं। नोखा में पिछले दिनों एमडी की तस्करी करते युवक भी गिरफ्तार हुए थे। अब यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं नशे के कारोबार में तो इनका हाथ नहीं है।

चम्पालाल शर्मा के आलीशान बंगले की तलाशी भी ली गई है। हालांकि यहां क्या-क्या मिला, इसकी जानकारी नहीं दी गई। इसी तरह गिरोह के एक अन्य सदस्य ने बीकानेर की महंगी कॉलोनी वृंदावन एनक्लेव में मकान ले रखा था। पुलिस इन लोगों की प्रॉपर्टी देखकर हैरान है।

'ब्रिटेन-चीन संबंधों के साथ... आई.एम.एफ. का आकलन है,...

राजघाट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह पता चलता है कि कांग्रेस के किसी भी विरोध से भाजपा डरी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि बार-बार (ई.डी.) के सम्मन देकर 75 वर्षीय महिला को परेशान करना स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक प्रतिशोध हैं। उन्होंने कहा कि यह भारत का पहला ऐसा केस हैं जिसमें जांच एजेंसी ने करीब 10 वर्ष तक सभी फाइलें अपने पास रखने के बाद जांच से इन्कार कर दिया था क्योंकि यह केस एक खुली किताब जैसा है, फिर भी जिसमें पार्टी के दो आदरणीय नेताओं को बदनाम किया गया। इनमें राहुल गांधी से पांच दिन पूछताछ की गई और सोनिया गांधी से मंगलवार को दूसरी बार।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के लिए उनका रूख ट्रस की तुलना में कम कठोर है। तथापि, ट्रस के साथ होने वाली बहस से पूर्व सुनक ने अपना रूख पूर्णतया बदल लिया है। एफ.टी. के अनुसार सुनक ने सोमवार का कहा था कि वे यू.के. में कन्फ्युशियस इन्स्टीट्यूट की सभी 30 शाखाओं को प्रतिबंधित कर देंगे। इसके लिए उन्होंने तर्क दिया था कि चीन सरकार इस शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संगठन का उपयोग ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में सॉफ्ट पावर को प्रोत्साहन देने के लिए कर रही है। उन्होंने यू.के. के तकनीकी स्टार्ट अप्स में चीन के निवेश से बचाने के लिए नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों का कड़ा प्रयोग करने और चीन की सायबर धमकियों का मुकाबला करने के लिए नाटो जैसे एक नए अन्तर्राष्ट्रीय गठबंधन का वादा भी किया। सुनक और ट्रस के बीच करीब 1 लाख 60 हजार कन्ज़रवेटिव सदस्यों का समर्थन जुटाने की होड़ मची हुई है, ये सदस्य अपना अगला नेता चुनने के लिए अगत की शुरुआत में वोटिंग शुरु करेंगे, यही नेता सत्तारूढ़ पार्टी का प्रमुख होने के नाते ब्रिटेन का अगला प्रधानमंत्री बनता है।

चीन के विश्लेषकों ने कहा कि यू.के. वर्तमान में गंभीर आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहा है और यदि वह चीन के साथ अपने संबंध और खराब कर अपने द्विपक्षीय व्यापार संबंध को प्रभावित करता है तो वह निश्चित रूप से अधिक प्रभावित होगा। अत: राजनेता चुनाव में वोट जुटाने के लिए कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन उन्हें ये भी याद रखना चाहिए कि निर्वाचन के बाद उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं और यदि वे अपने वादों पर वास्तव में खरा उतरते हैं तो फिर क्या होगा। यू.के. अब एक गंभीर आर्थिक समस्या का सामना कर रहा है। गॉर्जियन के अनुसार यू.के. की महंगाई दर 40 वर्षों में सबसे अधिक 9.4 प्रतिशत है और अक्टूबर माह में 12 प्रतिशत हो सकती है। गॉर्जियन ने शुक्रवार को खबर दी थी कि नैशनल रेल और दर्जनभर से अधिक ट्रेन कंपनियों के 40 हजार से अधिक कर्मचारियों की अगले सप्ताह एक सुनियोजित हड़ताल है और वर्ष 1995 के बाद से यह अपने तरह की पहली राष्ट्रीय हड़ताल होगी। सरकार ने जब पब्लिक सैक्टर के लाखों कर्मियों के लिए महंगाई की तुलना में कम वेतन बढ़ोतरी की तब ट्रेड यूनियनों के आवेशित नेताओं ने आने वाले महीनों में कई हड़तालों का 19 जुलाई को संकेत दिया था।

विश्लेषकों ने कहा कि यू.के. के नए नेता की इन परेशानियों के समक्ष चीन-यू.के. संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले बेतुके कदम नहीं उठाने चाहिए। यूरोप के मीडिया संस्थान यूरो न्यूज के अनुसार वर्ष 2021 में चीन जर्मनी को पछाड़कर यू.के. का सबसे बड़ा आयात बाजार बन गया क्योंकि बैकि़ज़ट और कोविड-19 की वैश्विक महामारी के कारण यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों का वस्तु व्यापार कम हो गया। ब्रिटेन के ऑफिस फॉर नैशनल स्टैटिस्टिक्स के अनुसार ई.यू. देशों के साथ कुल वस्तु व्यापार में वर्ष 2018 की पहली तिमाही में 23 प्रतिशत से अधिक की कमी आई और वर्ष 2021 की पहली तिमाही में गैर ई.यू. देशों का व्यापार सिर्फ 0.8 प्रतिशत ही कम हुआ।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिशत था। देश में बढ़ती महंगाई और जी.डी.पी. ग्रोथ पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि घटे स्तर पर भी भारत की "ग्रोथ" प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक होगी। संशोधित अनुमान में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्व मंदी के कगार पर है। यह गिरावट केन्द्रीय बैंकों की प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति की वजह से है। दो बड़े देशों रुस व चीन की अर्थव्यवस्था के संकुचन के कई नकारात्मक प्रभाव हो रहे है। चीन तो हाउसिंग सैक्टर में नए खतरे से जूझ रहा है, यहां कर्ज़ लेकर घर खरीदने वालों ने कर्ज़ की किश्तें चुकाने से मना कर दिया। इससे चीन भारी "क्रैडिट क्राइसिस" में जा सकता है, और फाइनैंशियल सैक्टर फ्रीज़ हो सकता है।

चीन की फाइनैंशियल सैक्टर की समस्या काफी प्रचंड है क्योंकि डूबत कर्जों, बैंक पर बढ़े भार और "मॉर्गेज वैल्यु" में कमी जैसे महत्वपूर्ण कारकों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। इस संकट की वजह प्रॉपर्टी की खरीद फरोख्त रुक गई है, जिससे प्रॉपर्टी कम्पनियों की स्थिति और बिगड़ जाएगी। रूस के मामले में अभी भी यह पता नहीं है कि प्रतिबंधों की वजह से गत कुछ महीनों से रूस की आर्थिक ग्रोथ कितनी कम हुई है। हालांकि ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने फिलहाल रूस को राहत दी है पर रूस पर व्यापक प्रतिबंधों की वजह से रूसी कम्पनियों के लिए काम करना कठिन होता जा रहा है।

ग्लोबल इकॉनमी के इस संकट से कई देशों की ग्रोथ संभावना प्रभावित हो रही है पर भारत किसी हद तक सुरक्षित है भारत की अर्थव्यवस्था निर्यात या अन्तर्राष्ट्रीय वित्त प्रवाह पर कम निर्भर है इसलिए भारत की संभावनाएं ज्यादा प्रभावित नहीं होंगी। सबसे ज्यादा चीन प्रभावित हुआ है क्योंकि यह निर्यात और विदेशों से आने वाली पूंजी पर निर्भर है। चीन की ओर होने वाला पूंजी प्रवाह लॉकडाउन और कोविड की वजह से प्रभावित हुआ है। कई बड़ी कम्पनियों ने चीन में निवेश करने के प्रस्ताव वापस ले लिए हैं।

मंगलवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आक्रोश भी बढ़ता गया तथा आसमान छूने लगा। केवल अशोक गहलोत का रक्तचाप ही इसका अपवाद था, जो नीचे जा रहा था तथा उसे बढ़ाने के लिये काफी कुछ किये जाने की जरूरत थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908